खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 14 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-163

बांग्लादेश को गर्त में ले जाने पर आमादा मोहम्मद यूनुस

सेनाध्यक्ष और राष्ट्रपति को भी निपटाने का कुचक्र

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश के भविष्य का फैसला लंदन में हो रहा है। लंदन के डॉरचेस्टर होटल में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की बैठक निर्धारित समय से आधे घंटे पहले समाप्त हो गई। मोहम्मद यूनुस अपनी तमाम करतूतों पर तारिक रहमान से समर्थन मांगने गए थे। यूनुस बीएनपी नेता तारिक रहमान के कंधे पर हथियार रख कर बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष जनरल वकार उज जमान और राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद चुप्पू को निपटा कर बांग्लादेश पर एकाधिकार कायम करना चाहते हैं। इसके लिए अमेरिकी डीप स्टेट और कट्टर इस्लामिक तत्व यूनुस का साथ रहे हैं। तारिक रहमान अगर यूनुस के झांसे में आ गए तो बांग्लादेश को इस्लामिक कट्टरवाद के गर्त में जाने से कोई नहीं पाएगा। यूनुस बांग्लादेश में दिसंबर में आम चुनाव कराए जाने के प्रस्ताव को भी लंबे समय तक के लिए टालने की फिराक में लगे हैं। आज की बैठक के बारे में कोई आधिकारिक वक्तव्य तो नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि यूनुस जिस मंशा के साथ आए थे, वह कामयाब नहीं हुई।

लंदन में बीएनपी अध्यक्ष और यूनुस की बैठक पर नजर

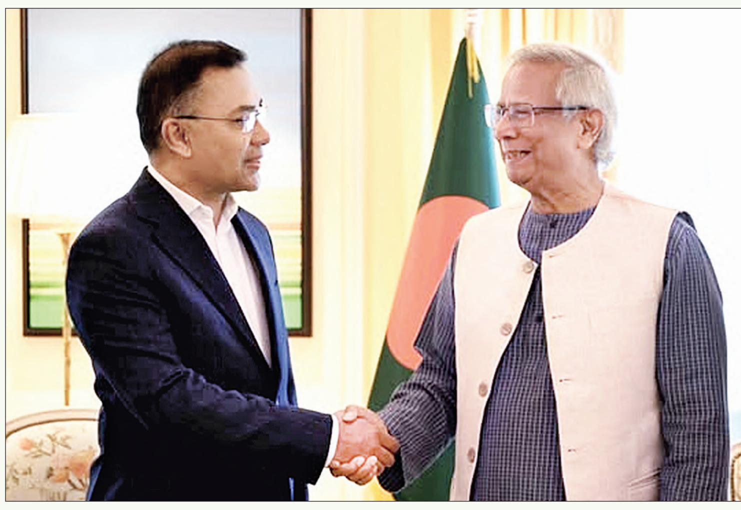

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान के बीच महत्वपूर्ण बैठक लगभग डेढ़ घंटे की चर्चा के बाद समाप्त हो गई। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शैरुल कबीर खान ने बताया कि बैठक शुक्रवार को बांग्लादेश के समयानुसार दोपहर 2 बजे लंदन के डॉरचेस्टर होटल में शुरू हुई और दोपहर 3:30 बजे समाप्त हो गई। जबकि यह बैठक शाम के चार बजे तक के लिए निर्धारित (शेड्यूल्ड) थी। यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य आमिर खासरू महमूद चौधरी वार्ता के नतीजों के बारे में संवाददाताओं को अपनी सुविधा के मुताबिक जानकारी देंगे।

बीएनपी से समर्थन नहीं मिला तो यूनुस पड़ेंगे संकट में

यूनुस-तारिक वार्ता का आधिकारिक वक्तव्य बांग्लादेश के भविष्य का संकेत देगा। इस बीच यह जान लेना जरूरी है कि 21 मई 2025 को मोहम्मद यूनुस और बांग्लादेश सेना के प्रमुख जनरल वकार उज जमान के बीच हुई बैठक में सेवा प्रमुख ने कई सख्त शर्तें रखी थीं मसलन, इस साल 30 दिसंबर तक राष्ट्रीय चुनाव कराना, चटगांव बंदरगाह को किसी विदेशी संस्था को पट्टे पर न देना, म्यांमार के अराकान राज्य को गलियारा सुविधाएं देने से बचना और जनवरी 2026 में विधिवत निर्वाचित सरकार के सत्ता में आने से पहले कोई भी बड़ा नीतिगत निर्णय न लेना। लेकिन बांग्लादेश में स्थिति लगातार बद से बदतर होती जा रही है। ऐसा लगता है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव कराने का यूनुस का कोई इरादा नहीं है। यूनुस तरह-तरह के बहाने बनाकर अनिश्चित काल के लिए चुनाव प्रक्रिया में देरी करने का कुचक्र कर रहे हैं। ▶10 पर

इजराइल ने ईरान के अंदर घुस कर मचाई तबाही

ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकाने ध्वस्त

तेहरान, 13 जून (एजेंसियां)। इजराइल द्वारा ईरान के दर्जनों परमाणु और सैन्य ठिकानों पर किए गए हमले में ईरान का नतांज स्थित मुख्य परमाणु संयंत्र, परमाणु बम बनाने वाले वैज्ञानिक और ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के केंद्र शामिल हैं। इजराइल ने इस ऑपरेशन को राइजिंग-लायन नाम दिया है और यह कई दिनों तक जारी रह सकता है। इजराइली हमले में ईरान के चीफ कमांडर हुसैन सलामी के मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। इजराइली हमले के जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले की बात कही है। इजराइल ने दावा किया है कि 200 से ज्यादा फाइटर जेट से ईरान में किए गए हमलों में ईरानी सेना के तीन बड़े कमांडर मारे गए हैं। इनमें ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर और ईरान के इमरजेंसी कमांड के कमांडर शामिल हैं। इजराइल का कहना है कि ये तीनों बहुत ही क्रूर हत्यारे थे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खून बहाया है। इजराइल के अनुसार, इनके बिना दुनिया अब ज्यादा सुरक्षित है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु समझौता करने की अपील दोहराई और कहा कि

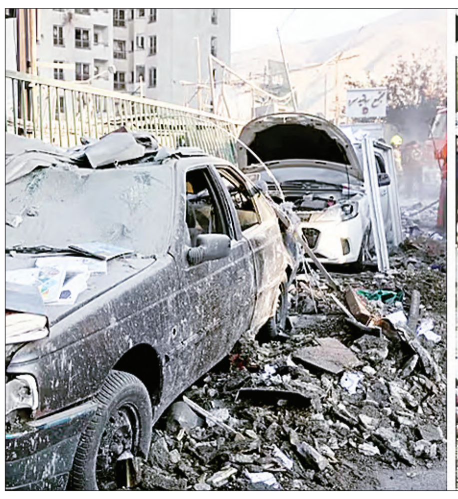

ईरान के चीफ कमांडर समेत कई अधिकारी मारे गए

ईरान के छह परमाणु वैज्ञानिक भी हमले में मारे गए

रक्तपात और विनाश रोकने के लिए जरूरी है। इजराइल ने हमले से पहले ईरान में ड्रोन और अन्य हथियारों की तस्करी की थी। यह ड्रोन और हथियार मोसाद खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर आईडीएफ ने ईरान में पहुंचाए थे। अधिकारी के मुताबिक मोसाद एजेंटों ने तेहरान के पास ईरानी धरती पर ड्रोन बेस स्थापित किया। ड्रोन रात भर में सक्रिय हो गए। इसके अलावा हथियार प्रणालियों से लदे वाहनों को भी ईरान में तस्करी कर लाया गया। इसने ईरान की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर दिया तथा इजराइली विमानों को ईरान पर हवाई प्रभुत्व और कार्रवाई की स्वतंत्रता प्रदान की। तीसरा गुप्त प्रयास मोसाद कमांडो द्वारा मध्य ईरान में विमान रोधी स्थलों के पास सटीक मिसाइलों की तैनाती करना था। अधिकारी ने कहा कि ये ऑपरेशन अभूतपूर्व सोच, साहसिक योजना और उन्नत तकनीकों, विशेष बलों और एजेंटों के सर्जिकल ऑपरेशन पर आधारित थे, जो स्थानीय खुफिया एजेंसियों की नजरों से पूरी तरह बचते हुए ईरान के मध्य में काम कर रहे थे।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने ईरान के परमाणु बम बनाने वाले वैज्ञानिकों पर भी हमला किया है। बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को उनके नेतृत्व और ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करने के लिए धन्यवाद दिया। नेतन्याहू ने कहा कि अगर इजराइल अभी कार्रवाई नहीं करेगा, तो अगली पीढ़ी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। ईरान के पास अब 9 परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम जमा हो गया है ▶10 पर

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट

सामाजिक सुरक्षा देने में भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट ने कहा है कि भारत अपने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा देने में दुनिया में दूसरे स्थान पर है।

आंकड़े कहते हैं कि भारत में 94 करोड़ से भी अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा दे रहा है। 2015 में ये 19 प्रतिशत था जो अब 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गया है यानी 10 वर्षों में ये आंकड़ा 45 प्रतिशत तक बढ़ा है।

एक दशक में भारत ने लगाई 45 फीसदी की छलांग

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस रिपोर्ट पर कहा कि भारत की सामाजिक सुरक्षा कवरेज में हुई यह वृद्धि दुनिया में सबसे तेज विस्तार है। लाखों ऐसे लोग हैं जो विभिन्न खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। ये सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा लक्ष्य समाज के आखिरी व्यक्ति तक सशक्तिकरण लाना है। जिनेवा में अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 113वें सत्र में खडज के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ होंगबो के साथ केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में गरीबों और मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लाई हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) श्रम अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है। ये समय-समय पर अपने 187 सदस्य देशों के बीच सामाजिक सुरक्षा कवरेज का मूल्यांकन करती है। इसके तहत 9 श्रेणियों में आंकड़े लागू किए जाते हैं। इनमें बेर-ोजगारी भत्ता, परिवार और बाल लाभ, स्वास्थ्य सुरक्षा, वृद्धावस्था पेंशन, रोजगार संबंधी चोट का लाभ, मातृत्व लाभ, दिव्यांगता लाभ, आय बदलने के जरिए बिमारी का लाभ और सर्वाइवर बेनेफिट शामिल होते हैं।

आईएलओ की मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी भी देश की सामाजिक सुरक्षा योजना को कानूनी तौर पर समर्थित, सक्रिय रूप से लागू और पिछले तीन वर्षों के सत्यापित आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया जाना जरूरी होता है। भारत की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली में विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से काफी विस्तार हुआ है। इसका लक्ष्य लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और खाद्य सहायता पहुंचाना है। इन कार्यक्रमों ने देश भर में आजीविका में सुधार और गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें आयुष्मान भारत, ई-श्रम पोर्टल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, अटल पेंशन योजना समेत अन्य योजनाएं शामिल हैं। ▶10 पर

दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स मिला

हादसे की जांच में मदद मिलेगी

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान (एआई 171) का ब्लैक बॉक्स मिल गया है। दमकल और पुलिस टीमें विशेष उपकरणों के साथ मेघाणीनगर में मलबे में खोजबीन कर रही थी। विमान का डीवीआर भी अब तक नहीं मिला है। उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि ब्लैक बॉक्स को इमारत की छत से बरामद किया गया। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने हादसे के तुरंत बाद जांच शुरू कर दी। राज्य सरकार के 40 से अधिक कर्मचारी भी मौके पर मौजूद विमानन मंत्रालय की टीमों के साथ मिलकर राहत और जांच कार्य में जुटे हुए हैं। ब्लैक बॉक्स का विश्-लेषण हादसे की वजहों को समझने में अहम भूमिका निभाएगा।

अहमदाबाद के दमकल अधिकारियों ने बताया कि मेटल कटर जैसे खास उपकरणों से लैस एक टीम को मेघाणीनगर इलाके में दुर्घटनास्थल पर भेजा गया था। ▶10 पर

देश और प्रदेश के सर्व सम्माननीय नेता बंडारू दत्तात्रेय...

हैदराबाद, 13 जून। हरियाणा के राज्यपाल और आंध्र प्रदेश/तेलंगाना के लाल बंडारू दत्तात्रेय का जन्मदिवस 12 जून को होता है। अहमदाबाद विमान हादसे के कारण शुभ-लाभ परिवार एक दिन विलंब से अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कर रहा है।

हैदराबाद में हाल ही में बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा, प्रजला काठे, ना आत्म कथा (लोगों की कहानी मेरे जीवन की कहानी है) के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दत्तात्रेय को अजातशत्रु कहा था, यानि जिसका कोई दुश्मन न हो। रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा था कि बंडारू दत्तात्रेय ऐसे नेता रहे हैं जिन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी की तरह सभी दलों और नेताओं का सम्मान प्राप्त है। शुभ-लाभ परिवार रेवंत रेड्डी के इस विचार के साथ खुद को खड़ा पाता है। वाकई, बंडारू दत्तात्रेय सर्व सम्माननीय नेता हैं।

हैदराबाद से ताल्लुक रखने वाले 77 वर्षीय नेता बंडारू दत्तात्रेय ने 1965 में अपना सार्वजनिक जीवन शुरू किया, जब वे भाजपा के वैचारिक स्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ

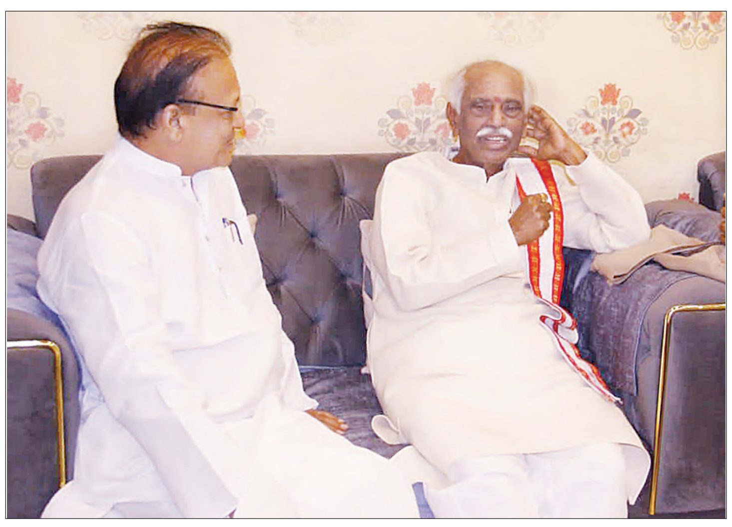

बंडारू दत्तात्रेय (दाएं) के साथ शुभ-लाभ हिंदी दैनिक के चेयरमैन गोपाल अग्रवाल (बाएं)

जुड़े। उन्हें 1968 में आरएसएस प्रचारक के रूप में नियुक्त किया गया। भाजपा में शामिल होने से पहले वर्ष 1979 तक वे सेवा भारती के प्रमुख थे और संघ और उसके सहयोगी संगठनों में विभिन्न पदों पर रहे। उनके करीबी मित्र एवं शुभ-लाभ हिंदी दैनिक के अध्यक्ष अभिभावक गोपाल अग्रवाल बताते हैं कि बंडारू दत्तात्रेय भाजपा की स्थापना के समय से ही इसके प्रमुख नेताओं में से एक रहे हैं। 1980 में उन्हें अविभाजित आंध्र प्रदेश में भाजपा सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था। हैदराबाद में दत्तात्रेय को एक ऐसे विनम्र और लोकप्रिय भाजपा नेता के रूप में जाना जाता है जो छोटे से छोटे लोगों से मिलने या सामान्य सार्वजनिक समारोह में भी शामिल होने से परहेज नहीं करते। गोपाल अग्रवाल कहते हैं कि 1980 के दशक में भाजपा नेता के रूप में काम करना और विभिन्न दलों से जुड़े लोगों का समर्थन प्राप्त करना आसान नहीं था। उन्होंने लोगों से जुड़ने को एक निजी मिशन की तरह अपनाया और कई लोगों को आश्चर्यचकित करते हुए अपने इस स्वाभाविक प्रयास में सफल रहे।

शुभ-लाभ शुभकामना

बंडारू दत्तात्रेय ने आंध्र प्रदेश भाजपा में विभिन्न पदों पर कार्य किया, जिसमें 1981 से 1989 तक महासचिव का पद भी शामिल है। 1991 में वे सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र (अब तेलंगाना में) से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। बंडारू 1991 से 2014 तक सिकंदराबाद से चार बार लोकसभा के लिए चुने गए। कुछ बार उन्हें हार का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी यात्रा कहीं रुकी नहीं और न बाधित हुई। गोपाल अग्रवाल कहते हैं कि तब सिकंदराबाद में भाजपा उम्मीदवार के रूप में इतने लंबे समय तक जीतना आसान नहीं था। यह दिखाता है कि उन्हें वर्षों से जनता का कितना भरोसा था। भाजपा ने पहली बार बंडारू दत्तात्रेय को 1996 में आंध्र प्रदेश पार्टी इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था। ▶10 पर

पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से पहले बड़ी कार्रवाई

खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़

ओटावा, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा दौरे से पहले पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने खालिस्तानी समर्थकों पर कार्रवाई करने के लिए प्रोजेक्ट पेलिकन चलाया हुआ है। इसके तहत कनाडा की पुलिस ने खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर 479 किलो कोकीन जब्त की है। साथ ही भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा जाने वाले हैं। इससे पहले, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल खालिस्तानियों को पकड़ने के लिए प्रोजेक्ट पेलिकन नाम का एक अभियान चलाया है, जिसके तहत कनाडा की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कनाडा की पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन के तहत ▶10 पर

रूस ने बनाया नया प्लेटफॉर्म, वॉट्सएप और टेलीग्राम को देगा टक्कर

मास्को, 13 जून (एजेंसियां) ।
एक देश वॉट्सएप और टेलीग्राम के यूज पर रोक लगाने जा रहा है। ये रूस है। रूस जल्द ही एक सरकारी मैसेजिंग ऐप लॉन्च करने वाला है, जिसका मकसद वॉट्सएप और टेलीग्राम और एलन मस्क के एक्सचैट जैसे वैश्विक दिग्गजों से मुकाबला करेगा। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम वॉल्ट्स एप रखा है और इसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देशन में तैयार किया जा रहा है। ऐप को देश की निचली संसद ने मंजूरी दे दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐप के बारे में कहा जा रहा है कि ये एक सुरक्षित ऑप्शन होगा और इससे एक साथ कई काम किए जा सकेंगे। डूमा की सूचना नीति समिति के प्रमुख का कहना है कि यह असुरक्षित विदेशी मैसेंजर की जगह लेगा और रूस की डिजिटल सुरक्षा संरचना में आखिरी बड़ी कमी को पूरा करेगा। मसौदा कानून निचली संसद से पास हो गया है, इसे ऊपरी संसद की मंजूरी और राष्ट्रपति पुतिन के हस्ताक्षर का इंतजार है।

रूस के डिजिटल विकास मंत्री के मुताबिक इस मैसेंजर को राज्य-नियंत्रित डिजिटल सेवाओं के साथ इंटिग्रेट करना टॉप प्रायोरिटी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दूसरे देश इस तरह की संरचना बनाने में रूस से आगे हैं। वॉट्सएप और टेलीग्राम के विपरीत, वॉल्ट्स एप राज्य और नगरपालिका डेटाबेस से गहराई से जुड़ा होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पर्सनल जानकारी के हस्तांतरण, डिजिटल रूप से अनुबंधों पर हस्ताक्षर, वस्तुओं और सेवाओं के भुगतान और यहां तक कि शैक्षिक सेवाओं तक पहुंच की अनुमति देगा। खास बात ये है कि ये सुविधाएं केवल यूजर्स की सहमति से काम करेंगी, हालांकि गोपनीयता संबंधी चिंताएं हैं।

फिलहाल रूस के बाहर के उपयोगकर्ता वॉल्ट्स एप का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी सरकार देश में वॉट्सएप और टेलीग्राम को ब्लॉक कर सकती है, जिससे यहां रहने वालों को इस नए प्लेटफॉर्म पर स्विच करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इससे रूस में ऑनलाइन संचार का तरीका बदल सकता है और अंतरराष्ट्रीय मैसेजिंग सेवाओं तक पहुंच सीमित हो जाएगी। रूस का एक संप्रभु डिजिटल इकोसिस्टम बनाने का प्रयास राज्य के नियंत्रण को बढ़ा सकता है, लेकिन यूजर्स की गोपनीयता और संचार की स्वतंत्रता पर सवाल खड़े करता है।

न्यूज ब्रीफ

अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्रालय ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख जताया है। राष्ट्रपति शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। प्रधानमंत्री ओली ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे शोक संदेश में अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख प्रकट किया है। ओली ने नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की है। ओली ने लिखा है कि इस विनाशकारी समय में हमारी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी करते हुए अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दुख प्रकट किया गया है।

इजराइल और ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए दूतावासों ने जारी की सलाह

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ रहे टकराव से दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नागिरकों के लिए सलाह जारी की है। भारतीय नागरिकों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है। इजराइल में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर आज सुबह इजराइल में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है। सभी सावधानी बरतने की गुजारिश भी की गई है। सलाह में कहा गया है कि देश के भीतर अनावश्यक यात्रा करने से बचें और सुरक्षा आश्रयों के करीब रहें। इससे पहले ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी एक्स हैंडल पर ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की। इसमें कहा गया, ईरान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें। अनावश्यक गतिविधियों से बचें। दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो करें और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। उल्लेखनीय है कि इजराइल की सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया है। इस पर इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने शुक्रवार सुबह संदेश में तीखी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा कि ईरानी प्रतिशोध सहने के लिए इजराइल तैयार हो जाए।

इजराइल : हाइफा में युद्ध विरोधी प्रदर्शन पर कार्रवाई, तीन प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

हाइफा। इजराइल के हाइफा शहर में गुरुवार को हुए एक युद्ध विरोधी प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने तीन प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि यह प्रदर्शन गैरकानूनी था और इससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका थी। इजराइली पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों ने बेन गुरियन स्ट्रीट पर इकट्ठा होकर गाजा युद्ध में इजराइल की कार्रवाईयों की निंदा करते हुए नारे लगाए और पोस्टर लहराए, जिससे जनता की शांति भंग हो सकती थी। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की। बयान में कहा गया, इजराइली पुलिस लोकतांत्रिक राज्य की बुनियादी विशेषता के रूप में प्रदर्शन के अधिकार को मान्यता देती है, लेकिन यह अधिकार तभी तक मान्य है जब तक वह कानून के दायरे में हो। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि हम किसी भी प्रकार के असामाजिक व्यवहार, सार्वजनिक मार्ग में बाधा, या ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे जो जनता की सुरक्षा और शांति के लिए खतरा बने। प्रदर्शनकारियों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है और इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि उन्हें कब तक हिरासत में रखा जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में बाढ़ से अब तक 78 मौतें प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे राष्ट्रपति रामाफोसा

केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका), 13 जून (एजेंसियां) ।
दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा शुक्रवार को देश के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के उन इलाकों का दौरा करेंगे, जहां हाल की विनाशकारी बाढ़ में अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है। राहत और बचाव कार्य चौथे दिन भी जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है। राष्ट्रपति रामाफोसा पूर्वी केप प्रांत के म्थाथा शहर जाएंगे, जहां मंगलवार की सुबह बाढ़ ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। रामाफोसा की यह यात्रा उस समय हो रही है, जब आपदा के शुरुआत में प्रशासन की प्रतिक्रिया को लेकर आलोचना हो रही है। अत्यधिक खराब मौसम को आपदा का कारण माना जा रहा है। तीव्र बारिश, तेज हवाएं और कुछ इलाकों में बर्फबारी भी हुई। मौसम विभाग ने पिछले हफ्ते ही खराम मौसम की चेतावनी दी थी।

प्रांतीय सरकार के प्रमुख ने बताया कि बाढ़ आने के बाद शुरुआती कुछ घंटों में राहत कार्य लगभग रुक गया था क्योंकि वहां विशेष बचाव दल, गोताखोर और खोजी कुत्तों वाली टीम जैसे पर्याप्त संसाधन नहीं थे। पूर्वी केप प्रांत देश के सबसे गरीब इलाकों में से एक है। पूर्वी केप प्रांत के प्रमुख ऑस्कर माबुयाने ने बताया कि इस 72 लाख की आबादी वाले प्रदेश में केवल एक ही बचाव हेलीकॉप्टर है, जो भी 500 किलोमीटर दूर एक अन्य शहर से लाया गया।

बाढ़ सुबह के समय आई, जब अधिकांश लोग सो रहे थे। कई लोग बाढ़ में बह गए और उनके घर व सामान भी बह गए। अधिकारियों ने कहा कि जैसे-जैसे खोज जारी है, और शव मिल सकते हैं क्योंकि बचावकर्मी बाढ़ के पानी और तबाह हुए घरों की जांच कर रहे हैं। मरने वालों में कई बच्चे भी शामिल हैं। म्थाथा की एक निवासी जिनाथी वुसो ने कहा, मुझे मानसिक तौर मदद की जरूरत है, क्योंकि मैंने अपने सामने लोगों को मरते देखा। वे टिन की चादरों और मलबे के साथ पानी के साथ बह गए। उन्होंने बताया कि कुछ लोग किसी चीज को पकड़ने या चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह टूट गई और वे भी मर गए। इसीलिए अभी भी शव मिल रहे हैं और कुछ लोग अब भी लापता हैं। संघीय सरकार की ओर से भेजी गई टीम का नेतृत्व कर रहे सहकारी शासन और पारंपरिक मामलों के मंत्री वेलेंकोसिनी हलबीसा ने गुरुवार देर रात राष्ट्रीय प्रसारक 'एसएबीसी'से कहा कि प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे लापता व्यक्तियों की सूचना दें, ताकि बचाव दल को पता चल सके कि उनके कितने और लोगों की तलाश करनी है। हलबीसा ने कहा, हम एक संकट में हैं। एक वास्तव में एक आपदा है। जैसे-जैसे पानी कम होगा, और लोग मिलेंगे।

अमेरिका में चोरी किए गए आईफोन, खुद दे रहे चेतावनी..... कृपया फोन एपल स्टोर में वापस करें

लॉस एंजिलिस, 13 जून (एजेंसियां) ।
अमेरिका के लॉस एंजिलिस में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों और दंगों के दौरान उपद्रवियों ने एपल स्टोर से बड़ी संख्या में आईफोन चोरी किए। लेकिन अब ये आईफोन खुद से चेतावनी दे रहे हैं। दरअसल चोरी किए गए फोन की स्क्रीन पर लिखा आ रहा है कृपया फोन एपल स्टोर में वापस करें। यह डिवाइस लॉक कर की गई हैं, और ट्रैक हो रही है। स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया है यह घटना लॉस एंजेलिस के डाउनटाउन इलाके में हुई। जहां अप्रवासियों पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुआ था। लेकिन कुछ ही घंटों में प्रदर्शन हिंसक हुआ दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू हो गई।

एपल ने पहले से ही अपने स्टोर्स में रखे डेमो आईफोन में खास सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखा है। ये सॉफ्टवेयर फोन चोरी होते ही लॉक कर देता है, ट्रैक करने लगता है और एक चेतावनी संदेश दिखाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एपल ने यह सुरक्षा फीचर सिर्फ स्टोर में रखे डेमो फोनों के लिए बनाया है। यह फीचर आम ग्राहकों के फोन में नहीं होता है। एपल तकनीक को सालों से इस्तेमाल कर रहा है ताकि स्टोर से चोरी रोकी जा सके।

जैसे ही कोई डेमो फोन स्टोर से बाहर ले जाया जाता है, वह खुद-ब-खुद लॉक हो जाता है और ट्रैकिंग चालू हो जाती है। सोशल मीडिया पर इन फोन्स की चोरी से जुड़े कई वीडियो वायरल हैं। इनमें कुछ लोगों ने एपल स्टोर से फोन चुराए, लेकिन फोन चालू करते ही स्क्रीन पर चेतावनी दिखने लगी और फोन काम करना बंद कर गया।

खाने को नहीं दाने, मिंया चले फाइटर खरीदने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली के बीच देश ने अपने रक्षा खर्च को बढ़ाकर चीन से अत्याधुनिक फिफ्थ जनरेशन स्टील्थ फाइटर जे-35ए की खरीद की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। दरअसल पाकिस्तान ने अपने रक्षा बजट में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है, इसके तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 2,550 अरब रुपये (लगभग 9 अरब डॉलर) आवंटित किए हैं। इस वृद्धि का प्रमुख कारण चीन से 40 अत्याधुनिक जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट्स की खरीद का प्रस्ताव है। सूत्रों के हवाले से लिखा, पाकिस्तान चीन से 40 जे-35ए स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने पर बातचीत कर रहा है और अगस्त से इनकी डिलीवरी शुरू हो सकती है।

अभिनेत्री करिश्मा के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

लंदन। भारतीय अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और मशहूर व्यवसायी संजय कपूर का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 53 वर्षीय संजय कपूर पोलो खेलते समय अचानक बेहोश हो गए थे। अभिनेता सुहेल सेठ ने संजय कपूर के निधन की सूचना एक्स हैंडल पर साझा की। सुहेल ने एक्स पर लिखा, ' संजय कपूर के निधन पर बहुत दुख हुआ। आज सुबह इंग्लैंड में उनका निधन हो गया। यह एक बहुत बड़ी क्षति है और उनके परिवार और उनके सहकर्मियों के प्रति गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। वर्ष 2003 में 29 सितंबर को दोनों ने मुंबई में अभिनेत्री के पैतृक घर कृष्णा राज बंगले में धूमधाम से शादी की थी। संजय और करिश्मा के दो बच्चे हैं -बेटी समायरा और बेटा कियान। 2014 में इस जोड़े ने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल की। 2016 में इस जोड़े का तलाक हो गया। इसके बाद संजय ने प्रिया सचदेव से शादी की। संजय कपूर और प्रिया सचदेव का सात साल का बेटा अजारियस है।

बदल गई युद्ध की परिभाषा, अब जमीन पर नहीं आसमान में होती है लड़ाई

मास्को, 13 जून (एजेंसियां) ।
अब युद्ध की परिभाषा बदल चुकी है। आज की लड़ाई आसमान में, ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के दम पर लड़ी जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने साफ कर दिया है कि भविष्य में जीत उसकी होगी, जिनके पास हवा में वार करने की बेहतर तकनीक होगी। ऐसा ही एक उदाहरण यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे संघर्ष में देखने को मिला, जहां दोनों देश अब हाईटेक ड्रोन और एआई आधारित हथियारों से एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब ने रूस को भारी नुकसान पहुंचाया, जिसके बाद रूस ने भी अपने तकनीकी शस्त्रागार को और मजबूत करना शुरू कर दिया। इसी कड़ी में उसने हाल ही में एक नया एआई ड्रोन वी2यू तैनात किया है। इस ड्रोन की खासियत यह है कि इसे टारगेट बताने की ज़रूरत नहीं, यह अपने लक्ष्य की पहचान खुद करता है और उस पर हमला करता है। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के मुताबिक वी2यू में एक चीनी लीटॉप ए203 मिनी पीसी लगा है जो एनवीआईडीआईए की जेटसन ऑरिन चिप पर आधारित है। इस ड्रोन में लगे ज्यादातर पार्ट्स चीन से मंगाए गए हैं। ड्रोन में लाइव कैमरा तकनीक लगी है, जो जमीन की तस्वीरों को पहले से स्टोर की गई इमेज से मिलाकर टारगेट की पहचान करता है। जब तस्वीरें मेल खा जाती हैं, तो वह अपने आप हमला कर देता है। यूक्रेन का कहना है कि रूस अब हर महीने करीब 5,000 लंबी दूरी के ड्रोन बना रहा है, जबकि अगस्त 2024 में यह संख्या महज 500 थी।

यूक्रेन का दावा है कि रूस के पास अभी भी बड़े स्तर पर ड्रोन निर्माण की स्वदेशी क्षमता नहीं है। उसके ड्रोन के 80 फीसदी से ज्यादा पुर्जे चीन से आयात किए जाते हैं। यूक्रेन के मुताबिक रूस का पूरा ड्रोन कार्यक्रम चीन की सप्लाई पर निर्भर है और चीन अमेरिका के प्रतिबंधों के बावजूद रूस को मिलिट्री ग्रेड टेक्नोलॉजी दे रहा है।

ज़्यादा या कम पानी पीना, सेहत के लिए हानिकारक

लंदन, 13 जून (एजेंसियां) ।
क्या आप जानते हैं कि उम्र के अनुसार हर व्यक्ति को पानी की ज़रूरत अलग-अलग होती है ज़रूरत से ज़्यादा या कम पानी पीना, दोनों ही सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, जब व्यक्ति जरूरत से कम पानी पीता है, तो उसके शरीर में डिहाइड्रेशन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे सिरदर्द, थकान, भ्रम, कब्ज, एकाग्रता की कमी और मूत्र मार्ग संक्रमण जैसी समस्याएं जन्म ले सकती हैं। इसलिए पानी की सही मात्रा जानना और उसका पालन करना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञ डॉ. जोनाथन वेबस्टर के अनुसार, बच्चों, किशोरों, वयस्कों और बुजुर्गों की हाइड्रेशन की ज़रूरतें अलग होती हैं। 4 से 8 साल के बच्चों को प्रतिदिन लगभग 1.2 लीटर पानी पीना चाहिए। इस उम्र में बच्चों का शरीर विकास की प्रक्रिया में होता है और उन्हें अधिक हाइड्रेशन की आवश्यकता होती है।

किशोर अवस्था में लड़कों को लगभग 1.6 से 1.9 लीटर और लड़कियों को 1.5 लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इस समय हार्मोनल बदलाव और शारीरिक गतिविधियां अधिक होती हैं। वयस्कों की बात करें तो 60 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों को प्रतिदिन लगभग दो लीटर और महिलाओं को 1.6 लीटर पानी पीना चाहिए। वहीं, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए 1.5 से 2 लीटर पानी रोजाना जरूरी होता है, क्योंकि उम्र के साथ प्यास लगने की क्षमता कम हो जाती है और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।

10 लाख लोगों की मौत का कारण बनता है 'गोल्डन स्टैफ'

मेलबर्न। स्टैफिलोकोकस ऑरियस बैक्टीरिया, जिसे 'गोल्डन स्टैफ' भी कहा जाता है, हर साल यह बैक्टीरिया करीब 10 लाख लोगों की मौत का कारण बनता है। इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए मेलबर्न के पीटर डोहर्टी इंस्टीट्यूट फॉर इंफेक्शन एंड इम्युनिटी के वैज्ञानिकों ने एक बेहद अहम तकनीक विकसित की है, जिसका नाम है 'रियल टाइम जीनोम सीक्वेंसिंग'। यह तकनीक मरीज के शरीर में मौजूद बैक्टीरिया के डीएनए को जीवित अवस्था में ट्रैक करने में सक्षम है, जिससे डॉक्टर यह जान सकते हैं कि कौन-सी दवाएं कारगर होंगी और कौन-सी बेअसर। अब तक जो पारंपरिक टेस्ट होते थे, वे यह तो बताते थे कि शरीर में कौन-सा बैक्टीरिया है, लेकिन वे यह नहीं बता पाते थे कि वह कितना खतरनाक है या किस दवा से वह बच सकता है। नई तकनीक इन कमियों को दूर करती है। इससे डॉक्टर संक्रमण के म्यूटेशन को तुरंत पकड़ सकते हैं और इलाज को उसी के अनुसार बदल सकते हैं। हाल ही में इस तकनीक को मेलबर्न के सात अस्पतालों में करीब 100 मरीजों पर आजमाया गया। जिन मरीजों को स्टैफिलोकोकस ऑरियस का संक्रमण था, उनमें से एक-तिहाई में बैक्टीरिया ने इलाज के दौरान ही म्यूटेशन कर लिया, जिससे दवाएं बेअसर हो गईं। एक मरीज में तो संक्रमण दो महीने तक दबा रहा, लेकिन दवा बंद करते ही बैक्टीरिया 80 गुना ज्यादा ताकतवर होकर लौटा। हालांकि, रियल टाइम जीनोम सीक्वेंसिंग की मदद से समय रहते इलाज बदला गया और मरीज को बचा लिया गया। इस नई सफलता के बाद विक्टोरियन अस्पताल जल्द ही दुनिया की पहली क्लिनिकल जीनोमिक सेवा शुरू करने जा रहे हैं, जहां इस तकनीक का इस्तेमाल गंभीर और दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों के इलाज में किया जाएगा।

कश्मीरी सेबों को दिल्ली ले जाने के लिए सीधी मालगाड़ी की मांग

जम्मू, 13 जून (ब्यूरो)।

कश्मीर वादी में अब वंदे भारत ट्रेन के चालू होने से फल उत्पादक आशा से भर गए हैं और अगले कदम की मांग कर रहे हैं। उनकी नजर में अगला कदम कश्मीर से दिल्ली और अन्य प्रमुख बाजारों तक सेबों को सीधे पहुंचाने के लिए एक समर्पित मालगाड़ी सेवा है। कश्मीर वादी फल उत्पादक-सह-डीलर संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर कहते हैं कि हाल ही में दिल्ली में चेरी की सफल रेल शिपमेंट ने नई संभावनाओं को खोल दिया है। उनका कहना है कि यह एक सकारात्मक शुरुआत थी, लेकिन चेरी की शेल्फ लाइफ कम होने के कारण उन्हें कटरा में फिर से लोड किया गया। यह मॉडल सेब के लिए काम नहीं करेगा, जिन्हें

थोक में ले जाया जाता है।

हालांकि, कश्मीर के उत्पादकों को लंबे समय से रसद संबंधी बाधाओं से जूझना पड़ रहा है। प्रत्यक्ष माल ढुलाई गलियारे की अनुपस्थिति के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से सड़क परिवहन पर निर्भर करती है जो एक महंगा भी होता है और काफी समय लेता है। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के एक अन्य सेब उत्पादक जहांगीर अहमद कहते हैं कि सीधी ट्रेन से बेहतर कुछ नहीं है। यह कश्मीर के सेब उत्पादकों के लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा। इससे समय की बचत होगी, क्योंकि सेब की आपूर्ति में समय कीमती होता है। अगर अनुमति दी गई तो हमारा सेब न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी पहले ही पहुंच जाएगा।

बशीर कहते हैं कि कश्मीर से दिल्ली तक एक सीधी मालगाड़ी समय की मांग है। रेलवे अधिकारियों ने हमें बताया है कि यह तकनीकी रूप से संभव है क्योंकि ट्रैक वही है। अब हमें केंद्र सरकार की सहमति की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रस्तावित सेवा को कश्मीर के बागवानी क्षेत्र के लिए गेम चेंजर बताते हुए हरी झंडी देंगे। बारामूला के एक अन्य सेब उत्पादक शब्बीर अहमद कहते हैं, कश्मीर में रेल लाइन के विस्तार ने पहले ही नींव तैयार कर दी है। ट्रैक तैयार है। अगर सरकार मंजूरी देती है तो एप्पल एक्सप्रेस एक वास्तविकता बन सकती है। उनकी नजर में राजमार्ग अविश्वसनीय है। और उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इसे अगले साल तक जरूर पूरा करेंगे।

कश्मीर में भारत के कुल सेब उत्पादन का लगभग 75 प्रतिशत होता है। सेब उत्पादन एवं व्यवसाय क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से लाखों लोग जुड़े हैं। रेड डिलीशियस, महाराजी और अमेरिकन एपल जैसी लोकप्रिय सेब की किस्मों को कश्मीर से भारतीय बाजारों में व्यापक रूप से निर्यात किया जाता है। बशीर कहते हैं कि एक समर्पित मालगाड़ी परिवहन लागत को कम करेगी और समय पर, ताजा डिलीवरी सुनिश्चित करेगी।

अहमदाबाद दुर्घटनास्थल से 265 लोगों के शव बरामद

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां)।

अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये 265 लोगों के शव अब तक बरामद किये गये हैं जबकि 47 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एक वरिष्ठ पुसिस अधिकारी ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि दुर्घटना स्थल से अब तक 265 शव बरामद कर लिये गये हैं और उनकी पहचान का काम जारी है।

उन्होंने बताया कि अब तक मृतकों 219 रिश्तेदार डीएनए जांच और रक्त के नमूने देने के लिए आ चुके हैं और उनके नमूने लिए जा चुके हैं। बाकी के परिवारों से इस संबंध में संपर्क किया जा चुका है। नमूने लेने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीस घंटे ड्यूटी पर हैं।

दुर्घटना में घायल 47 लोगों को सिविल अस्पताल लाया गया था। इनमें से 16 का उपचार बाह्य रोगी के रूप में और 31 का उपचार अस्पताल में रख कर किया जा रहा है।

इस त्रासदी में गुरुवार को अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में चालक दल के 12 सदस्यों सहित 242 लोग थे। उनमें से केवल एक यात्री जीवित बचा है।

एयर इंडिया ने विमान में सवार 241 व्यक्तियों के दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि की है। दुर्घटना में उस समय हॉस्टल में मौजूद और आस- पास के कई लोग भी हताहत हुए थे।

मोदी ने पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

गांधीनगर, 13 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक की।

श्री मोदी समग्र हालात का जायजा लेने के लिए शुक्रवार सुबह अहमदाबाद आ पहुँचे और उन्होंने विमान दुर्घटना स्थल की प्रत्यक्ष दौरा किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से क्षतिग्रस्त मेडिकल हॉस्टल एवं मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, केन्द्रीय जल-शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, गुजरात के नागरिक उड्डयन मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव पंकज जोशी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार

दास, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय सहित प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्घटना स्थल का जायजा लेकर प्रधानमंत्री अहमदाबाद सिविल अस्पताल पहुँचे और वहाँ उपचाराधीन घायलों से मिले। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने घायलों के स्वास्थ्य का हाल पूछकर परिजनों को इस विकट स्थिति का सामना करने की हिंमत बंधाई। प्रधानमंत्री इस दुर्घटना में घायल हुए डॉक्टरों और स्वास्थ्य वर्कर्स से भी मिले। प्रधानमंत्री ने घायलों का उपचार कर रहे चिकित्सकों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने इन स्थलों का जायजा लेने के बाद अहमदाबाद में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा राज्य सरकार के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की।

कारगिल के शूरवीरों को श्रद्धांजलि के लिए तोलोलिंग चोटी पर सेना का विशेष अभियान

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)।

सेना ने 1999 के कारगिल युद्ध में तोलोलिंग की ऐतिहासिक लड़ाई के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए तोलोलिंग चोटी पर एक विशेष अभियान चलाया है।

यह अभियान सेना की 'फॉरएवर इन ऑपरेशन्स डिवीजन' ने 11 जून को चलाया। द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक से रवाना हुए इस अभियान दल ने उन सैनिकों की अटूट भावना और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने दुश्मन सेना को रणनीतिक महत्व की चोटियों से खदेड़ कर उन पर फिर से कब्ज़ा किया। यह कारगिल की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

सेना के अनुसार तोलोलिंग की लड़ाई में सक्रिय रूप से भाग लेने वाली विभिन्न इकाइयों के 30 बहादुर सैनिकों की एक टीम ने

तोलोलिंग चोटी पर चढ़कर तिरंगा फहराया और ऑपरेशन विजय के बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। भारतीय वायु सेना ने भी इस प्रयास को अपना समर्थन दिया और इस अभियान के लिए अधिकारियों और वायुसैनिकों को मैदान में उतारा। जब देश ऑपरेशन विजय की 26वीं वर्षगांठ मना रहा है, यह अभियान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता, देशभक्ति और निस्वार्थ सेवा की एक मार्मिक याद दिलाता है।

सेना का कहना है कि यह अभियान केवल एक साहसिक कार्य नहीं है, यह स्मरण, चिंतन और श्रद्धा की यात्रा है, जिसका उद्देश्य देश के इतिहास को आकार देने वाले साहस और बलिदान की कहानियों से भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है।

एएक्स -4 मिशन को संबोधित करने के लिए इसरो नासा, एक्सिओम, स्पेसएक्स कर रहे है एक साथ काम

चेन्नई, 13 जून (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि वह तकनीकी गड़बड़ी - एलओएक्स ईंधन के रिसाव - को संबोधित करने के लिए एक्सिओम स्पेस, नासा और स्पेसएक्स के साथ काम कर रहा है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 मिशन को स्थगित कर

दिया गया था।

इस मिशन को सम्मानित भारतीय अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला द्वारा संचालित किया गया था, जिसने अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों को पूरा किया और सात प्रमुख माइक्रोग्रैविटी प्रयोग किए।

इसरो ने कहा कि सुरक्षा और मिशन की अखंडता इसकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा इसरो एक्सिओम स्पेस, नासा, स्पेसएक्स के साथ मिलकर काम कर रहा है क्योंकि वे जिम्मेदारी से आईएसएस ज़्वेज़्दा मॉड्यूल अवलोकन को संबोधित करते हैं जो एक्स-4 में देरी का कारण बनता है। सुरक्षा और मिशन की अखंडता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आतंकी फंडिंग मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका बीते दिनों खारिज कर दी। शब्बीर शाह 2017 से एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की हिरासत में हैं। उन्होंने अपनी जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शब्बीर शाह ने विशेष एनआईए अदालत द्वारा उन्हें जमानत देने से इनकार करने के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका खारिज की है। शब्बीर शाह के वकील कॉलिन गोंजाल्विस ने कोर्ट में कहा था कि शब्बीर शाह पिछले छह सालों से हिरासत में हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई अपराध साबित नहीं हुआ। शब्बीर शाह के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट में कोई ठोस सबूत नहीं है। शब्बीर शाह के खिलाफ 24 मामले थे, जिनमें से 18 में उन पर आरोप लगाए गए हैं, तीन मामलों को खारिज कर दिया गया है, और तीन मामलों की जांच लंबित है।

कर्नाटक का वाल्मीकि घोटाला

सांसद और तीन विधायकों के यहां ईडी की तलाशी

बेंगलुरु, 13 जून (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों के ठिकानों पर बीते दिनों छापेमारी की। वाल्मीकि घोटाले में कथित धन शोधन की जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की गई है।

धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत ईडी ने कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और तीन विधायकों से जुड़े परिसरों की तलाशी ली है। कर्नाटक में हुई इस कार्रवाई के बारे में ईडी ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के खातों से करोड़ों रुपए की धनराशि ट्रांसफर की गई। आरोप के मुताबिक फर्जी संस्थाओं के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग की गई। कर्नाटक पुलिस और सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर ईडी भी प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

ईडी ने आरोप लगाया है कि वाल्मीकि फंड से निकाली गई नकदी का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के दौरान किया गया। ईडी के मुताबिक साल 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बेल्लारी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव को प्रभावित करने के मकसद से पैसे का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया गया। केएमवीएसटीडीसी की स्थापना 19 वर्ष पहले साल 2006 में की गई थी। इसका मकसद केएमवीएसटीडीसी के बैनर तले कर्नाटक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाना और समुदाय के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना था।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम

जंगल से बरामद हुआ 10 किलो वजनी आईईडी बम

लखीसराय, 13 जून (एजेंसियां)।

नक्सल प्रभावित लखीसराय जिले में सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पीरीबाजार थाना क्षेत्र के बांकुड़ा जंगल में चलाए जा रहे सघन तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने 10 किलो वजनी आईईडी बम बरामद कर नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। यह बम हार्ड स्किन पाइप में तैयार किया गया था और जमीन में गहराई से छिपाया गया था, ताकि सतर्कता के बावजूद इसका पता लगाना मुश्किल हो।

पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि जिले में चल रहे नक्सल

विरोधी अभियानों के तहत एसटीएफ की एक टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि पीरीबाजार क्षेत्र के जंगलों में नक्सली गतिविधियां तेज हुई हैं। इसी सूचना के आधार पर टीम ने जब इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया, तो एक संदेहास्पद जगह की खुदाई में यह शक्तिशाली आईईडी बरामद हुआ।

बरामद आईईडी बम को बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया। बम की संरचना और वजन देखकर यह साफ समझा जा सकता है कि यह पुलिस और सुरक्षा बलों को गंभीर नुकसान पहुंचाने की नीयत से लगाया गया था। अगर समय पर इसका पता नहीं चलता, तो यह एक बड़ा हादसा बन सकता था।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि नक्सलियों ने बांकुड़ा जंगल क्षेत्र को 'सेफ जोन' घोषित कर वहां अस्थायी कैंप बना रखे थे। इसी योजना के तहत सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी बम लगाया गया था। यह बम न केवल तकनीकी रूप से उन्नत था, बल्कि इसकी छिपाने की पद्धति भी बेहद चतुराई से की गई थी, जिससे यह सामान्य तलाशी से बचा रहे।

लखीसराय जिले के चानन, कजरा और पीरीबाजार के जंगल व पहाड़ी क्षेत्रों में सुरक्षा बल लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। एसपी अजय कुमार ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और इन क्षेत्रों में लगातार ऑपरेशन जारी रहेगा।

पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही यह संकेत भी दिए गए हैं कि आने वाले दिनों में इस प्रकार के तलाशी अभियान और भी तेज किए जाएंगे, ताकि नक्सलियों के मंसूबों को पूरी तरह नाकाम किया जा सके।

फिल्म सिर्फ तुम के 26 साल पूरे, अनीस बज्मी बोले

कुछ कहानियां कभी पुरानी नहीं होती

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनीस बज्मी की साल साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'सिर्फ तुम' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 26 साल हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बज्मी ने बताया कि कुछ कहानियां कभी पुरानी नहीं होती हैं।

अभिनेता संजय कपूर और प्रिया गिल स्टारर फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अनीस ने कैप्शन में लिखा, 'सिर्फ 'सिर्फ तुम' को 26 साल हो गए हैं। कुछ कहानियां कभी पुरानी नहीं होतीं। ये दिलों में और गहरी होती जाती हैं। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है, यह एक आशीर्वाद की तरह है। दर्शकों के प्यार के लिए आभारी हूं।

1999 में रिलीज हुई 'सिर्फ तुम' में संजय कपूर और प्रिया गिल के साथ जैकी श्रॉफ, मोहनीश बहल और सुष्मिता सेन भी अहम भूमिकाओं में हैं। नदीम-श्रवण के मधुर संगीत से सजी यह फिल्म 1996 की तमिल फिल्म 'कदल कोट्टई' की रीमेक थी।

फिल्म की कहानी यह दीपक और आरती नाम के एक ऐसे जोड़े की प्रेम कहानी है, जो एक-दूसरे से कभी नहीं मिले, लेकिन खत के जरिए प्रेम में पड़ जाते हैं। दोनों को एक-दूसरे का पता नहीं होता, फिर भी उनकी भावनाएं आपस में जोड़ी होती हैं। तमाम मुश्किलों के बाद दोनों अंत में एक-दूसरे से मिल जाते हैं।

अनीस बज्मी ने 1995 में 'हलचल' के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। लेकिन, 1998 में 'प्यार तो होना ही था' से उन्हें पहली बार बड़ी सफलता मिली। इसके बाद उन्होंने 'नो एंट्री', 'वेलकम', 'सिंह इज किंग', 'रेडी', 'वेलकम बैक', 'भूल भुलैया 2' और 'भूल भुलैया 3' जैसी सफल फिल्में दीं।

वहीं, फिल्म में दीपक का किरदार निभाने वाले अभिनेता संजय कपूर ने साल 1995 में 'प्रेम' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'राजा', 'औजार', 'मोहब्बत' और 'सिर्फ तुम' जैसी फिल्मों में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई।

द ट्रेटर्स एक ऐसा मंच, जहां किसी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं : अपूर्वा मखीजा

मशहूर कंटेंट क्रिएटर अपूर्वा मखीजा रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में नजर आ रही हैं। इस शो में हिस्सा लेने की वजह बताते हुए अपूर्वा ने बताया कि यह उनके लिए एक ऐसा मंच है, जहां उन्हें किसी भी तरह का दिखावा करने की जरूरत नहीं है। वह अपनी असली पहचान के साथ इस मंच पर खेल सकती हैं।

करण जौहर इस शो को होस्ट कर रहे हैं, जिसके आगे के खेल को लेकर वह उत्साहित हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में अपूर्वा ने कहा, मैंने 'द ट्रेटर्स' के लिए हां इसलिए कहा क्योंकि यह एक ऐसा मंच है, जहां मुझे किसी भी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं है।

उन्होंने बताया कि वह हमेशा अपने सोशल मीडिया कंटेंट में ईमानदार रही हैं, और यह शो एक तरह से उसी का विस्तार है।

अपूर्वा ने शो को जिंदगी की तरह कई रोमांचक मोड़ और भावनाओं से भरा बताया। वे इस नए मंच पर अपने प्रशंसकों, जिन्हें वे प्यार से क्यूट लिटिल रेड फ्लैग्स कहती हैं, के सामने नई छवि पेश करने को लेकर उत्साहित लेकिन थोड़ा नर्वस भी हैं। वह उम्मीद करती हैं कि दर्शक उन्हें इस अलग तरह के माहौल में भी वही अपूर्वा के रूप में देखेंगे।

'द ट्रेटर्स' में अंशुला कपूर, महीप कपूर, करण कुंद्रा, राज कुंद्रा, जैस्मिन भसीन, आशीष विद्यार्थी, लक्ष्मी मांचू, रफ्तार, साहिल सलाठिया जैसे कई सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस शो में कुछ खिलाड़ी इनोसेंट होते हैं, जिन्हें ट्रेटर्स यानी गुप्त रूप से चुने गए धोखेबाजों को पहचानकर बाहर करना होता है।

यह शो प्राइम वीडियो पर 12 जून को रिलीज हो चुका है, जिसका निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया प्रोडक्शंस और ऑल 3 मीडिया इंटरनेशनल ने संयुक्त रूप से मिलकर किया है। यह शो आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी पुरस्कार विजेता फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है।

अपूर्वा पहले 'नादानियां', 'बात पक्की' और 'हू इज योर गायनैक' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम कर चुकी हैं।

कृतिका कामरा को अनुषा की फिल्म में काम करना क्यों लगा खास?

मशहूर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने दिल्ली में अनुषा रिजवी की आने वाली फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म में जूही बब्बर, श्रेया धनवंतरी और कई अनुभवी महिला कलाकार शामिल हैं। इसको लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि ऐसा सेट उनके लिए बेहद खास होता है, जहां सिर्फ महिलाएं कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि पीछे भी काम कर रही होती हैं।

कृतिका ने कहा, ''यह बहुत खास बात है जब आप ऐसे सेट पर होते हैं, जहां महिलाएं सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं होतीं, बल्कि हर जगह, जैसे निर्देशन, प्रोडक्शन, कॉस्ट्यूम डिजाइन में भी शामिल होती हैं। अनुषा रिजवी के साथ काम करना वाकई एक उपहार जैसा था।''

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में कैमरे के सामने और पीछे कई अद्भुत महिला कलाकारों के साथ काम किया है।

उन्होंने आगे कहा, ''इस फिल्म के साथ, अनुषा एक बहुत ही मजबूत सोच लेकर आई हैं और एक ऐसा माहौल बनाया है, जहां सब मिलकर काम कर सकते हैं। जब इतनी ताकतवर महिलाएं एक साथ आती हैं, तो एक खास ऊर्जा पैदा होने लगती है जो सभी को प्रेरित करती है, संभालती है और बहुत कुछ सिखाती है। हम सिर्फ कहानी नहीं बता रहे, बल्कि अपनी असली जिंदगी के अनुभव भी एक-दूसरे के साथ बांट रहे हैं, एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं और एक-दूसरे को आगे बढ़ा रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''यह कुछ ऐसा है जो मैंने हमेशा महिलाओं के साथ काम करते हुए महसूस किया है। मुझे बहुत खुशी होती है कि मैं ऐसे खास काम का हिस्सा बन पाई हूं।''

बता दें कि अनुषा रिजवी की फिल्म का

टाइटल अभी तय नहीं किया गया है। इसकी शूटिंग दिल्ली के कई खास जगहों पर की गई है और अब यह फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन में है। कृतिका के पास एक और प्रोजेक्ट है, जिसका नाम है 'मटका किंग', इसमें उनके साथ विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।वेब सीरीज 'मटका किंग' को नागराज मंजुले ने निर्देशित किया है, जिन्होंने 'सैराट' और 'फ्रैंड्री' जैसी फिल्में बनाई हैं।

वसुधा में राजस्थानी दुल्हन बनी मनदीप कौर

आईने में खुद को देख खुशी से झूम उठी एक्ट्रेस

अभिनेत्री मनदीप कौर टीवी शो वसुधा में एक राजस्थानी दुल्हन का किरदार निभा रही हैं और दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि वह इस लुक को लेकर सच में बहुत उत्साहित थीं, क्योंकि यह पहली बार है, जब वह ऐसा लुक अपना रही हैं। हाल के एपिसोड में, मेघा का किरदार निभा रहीं मनदीप कौर ने एक राजसी राजस्थानी दुल्हन का रूप अपनाया।

मनदीप कौर ने कहा, यह पहली बार था जब मैंने राजस्थानी दुल्हन का लुक अपनाया। मैं सच में बहुत उत्साहित थी। मैंने क्रिएटिव टीम के साथ बैठकर समझा कि वे मेघा के लुक को कैसे दिखाना चाहते हैं और मैंने भी कुछ सुझाव दिए।

एक्ट्रेस ने गहरे लाल रंग का लहंगा पहना, जिस पर सुंदर और बारीक सुनहरी कढ़ाई की गई थी। उन्होंने पारंपरिक राजस्थानी स्टाइल का दुपट्टा भी कैरी किया था। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने पारंपरिक कुंदन गहने पहने, जिनमें नथ, चोकर, कई हार, बोरला मांग टीका, चूड़ियां और कमरबंध शामिल थे।

मनदीप ने कहा, मुझे लगा कि कमरबंध और पारंपरिक तरीके से दुपट्टा पहनना लुक को और भी असली बनाएगा। जब मैंने अपने आप को आईने में देखा, तो ऐसा लगा जैसे कोई सपना सच हो गया हो। भले ही कपड़े भारी और कई परतों वाले थे, लेकिन किरदार में जाने से सब कुछ बहुत खूबसूरती से जुड़ गया। यह मेरे सामान्य लुक से एक ताजा बदलाव था, और मुझे बहुत पसंद आया कि यह लुक कितना पारंपरिक और शाही लग रहा था। 'वसुधा' की मुख्य भूमिका में प्रिया ठाकुर हैं। वह हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। उन्होंने 'सांझा सूफना', 'मोहरे' और 'प्रचंड अशोका' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है।

वहीं, नुशीन अली सरदार और अभिषेक शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। नुशीन के बारे में बात करें तो उन्हें 'कुसुम' सीरियल से लोकप्रियता हासिल हुई। अभिषेक 'निमकी मुखिया', 'इमली' और 'निमकी विधायक' जैसे शो में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। 'वसुधा' शो जी टीवी चैनल पर प्रसारित होता है।

दिशा पाटनी के जन्मदिन पर मौनी रॉय का स्पेशल पोस्ट, कहा

जिंदगी में खुशियां लाने के लिए शुक्रिया

अभिनेत्री दिशा पाटनी शुक्रवार को अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी सबसे अच्छी दोस्त मौनी रॉय ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मौनी ने दिशा को 'बेस्टमेट' का टैग देते हुए एक्ट्रेस को हर दिन उनका हालचाल जानने के लिए धन्यवाद दिया। मौनी ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए, जिनमें दोनों छुट्टियां मनाते हुए और साथ में खास पल बिताते हुए नजर आ रही हैं।

मौनी ने कहा, मेरी रहस्यमयी, जिंदादिली और सबसे खूबसूरत छोटी बहन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी सबसे अच्छी दोस्त और राजकुमारी, मैं तुम्हारी सभी खूबियों से प्यार करती हूं, जो तुम्हें खास बनाती हैं।उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, चाहे मौसम जैसा भी हो, मेरी जिंदगी में खुशियां और हंसी लेकर आने के लिए धन्यवाद। चाहे तुम दुनिया के किसी भी देश में हो, हर दिन मेरा हाल-चाल पूछने के लिए भी शुक्रिया। बहुत आसानी से और सबसे अच्छी दोस्त बनने के लिए भी शुक्रिया।मौनी ने कहा कि दिशा के साथ लाइफ मजेदार और पागलपन से भरी होती है।

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में आगे कहा, मैं दुआ करती हूं कि भगवान तुम्हें वह सब कुछ दे जो तुम्हारा ज्यादा सोचने वाला दिमाग और बहुत प्यार करने वाला दिल चाहता है। मैं तुमसे इतना प्यार करती हूं जितना तुम सोच भी नहीं सकती। बता दें कि दिशा इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। वहीं उनकी गिनती उन हस्तियों में भी की जाती है, जो फिट रहती हैं और अपने फिगर को मेंटेन रखती हैं।

दिशा का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। उन्होंने पढ़ाई भी बरेली से ही पूरी की। उनकी मां जहां मेडिकल सेक्टर में हैं, वहीं पिता पुलिस में हैं।दिशा ने अभिनय की शुरुआत साल 2015 में तेलुगू फिल्म 'लोफर' से की थी, जिसमें अभिनेता वरुण तेज मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में स्पोर्ट्स बायोपिक 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया।इसके बाद वह 'कुंग फू योगा', 'वेलकम टू द न्यूयॉर्क', 'बागी 2', 'भारत', 'मलंग', 'एक विलेन रिटर्न्स', 'योद्धा', 'राधे' समेत अन्य फिल्मों में नजर आईं। बॉलीवुड, साउथ के साथ ही वह हॉलीवुड में भी काम कर चुकी हैं।

फिटनेस फ्रीक दिशा पाटनी, फैंस को अक्सर सिखाती हैं नए-नए ट्रिक्स

पहली हिंदी फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' में सीधी-सादी लड़की यानी 'प्रियंका झा' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री दिशा पाटनी डेब्यू के साथ ही दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रहीं। हालांकि, 'हिट कम और फ्लॉप ज्यादा' की जकड़ में आई अभिनेत्री के लिए अभिनय का सफर भले ही मुश्किल भरा रहा हो, वह एक सफल फिटनेस फ्रीक हैं।13 जून को अभिनेत्री का 32वां जन्मदिन है। दिशा फिटनेस फ्रीक हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर फिटनेस और हेल्थ से जुड़े वीडियोज को शेयर करती रहती हैं। वह प्रतिदिन जिम में वर्कआउट करने के साथ ही खास डाइट प्लान को भी अपनाती हैं और अक्सर प्रशंसकों को इसकी सलाह देती हैं।

दिशा बेहतरीन किक बॉक्सिंग भी करती हैं। वह कार्डियो एक्सरसाइज जैसे डांसिंग, जिम्नास्टिक में भी ट्रेंड हैं। अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया कि वह सिर्फ जिम ही नहीं जातीं बल्कि, मेंटल फिटनेस पर भी काम करती हैं और इसके लिए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी रूटीन का हिस्सा बनाया है।

एक अन्य पोस्ट में अभिनेत्री ने बताया कि वह जंक फूड और प्रोसेस्ड चीजों से कोसों दूर रहती हैं। उनका मानना है कि ऐसी चीजों को खाने से बेहतर है कि हम हरी सब्जियों, फलों और अन्य हेल्दी चीजों को डाइट में शामिल करें।हेल्दी डाइट के साथ ही दिशा जिम में हार्डकोर वर्कआउट भी करती हैं। वह डांस, जिम्नास्टिक, किक बॉक्सिंग के साथ ही वेट लिफ्ट का अभ्यास भी करती हैं। इसके अलावा उन्हें स्विमिंग करना बेहद पसंद है, जिसके लिए वह समय निकालती हैं।

दिशा खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए योग और ध्यान का भी सहारा लेती हैं। दिशा का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। उन्होंने पढ़ाई भी बरेली से ही पूरी की। उनकी मां जहां मेडिकल सेक्टर में हैं, वहीं पिता पुलिस में हैं।दिशा की गिनती उन हस्तियों में की जाती है, जो फिट रहती हैं और अपने फिगर को भी मेंटेन रखती हैं।

महामृत्युंजय मंत्र जाप से होती है सुख-समृद्धि धन-दौलत और आरोग्य की प्राप्ति

देवादिदेव महादेव की आराधना से सभी कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। उनको मुक्तिदाता और वरदान के देव माना जाता है। भोलेनाथ के वेदमंत्रों का जाप करने से तकलिफों का नाश होता है और समृद्धि मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ऐसा ही एक शास्त्रोक्त मंत्र महामृत्युंजय मंत्र का है, जिसके जपने मात्र से मानव को सुख-समृद्धि, धन-दौलत और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

ऋषि मर्कण्डु के पुत्र थे मार्कण्डेय ऋषि

अब एक सवाल हमारे जेहन में आता है कि आखिर यह अमोघ शक्तियों वाला यह मंत्र आया कहां से? इसकी उत्पत्ति किसने की और इसके पीछे की वजह क्या थी। पौराणिक धर्मग्रंथों के अनुसार मार्कण्डेय ऋषि को अमरत्व का वरदान प्राप्त है। मार्कण्डेय ऋषि का नाम आठ अमर लोगों में शामिल है। मार्कण्डेय ऋषि के पिता का नाम ऋषि मर्कण्डु था। शास्त्रोक्त कथा के अनुसार मर्कण्डु ऋषि को जब लंबे समय तक कोई संतान नहीं हुई तो उन्होंने अपना पत्नी के साथ भगवान शिव की आराधना की। भगवान शिव जब ऋषि दंपत्ति की तपस्या से प्रसन्न होकर जब प्रगट हुए तो उन्होंने ऋषि मर्कण्डु से पूछा कि हे ऋषि तुम गुणहीन दीर्घायु पुत्र चाहते हैं या 16 वर्षीय गुणवानअल्पायु पुत्र। तब मर्कण्डु ऋषि ने दूसरा विकल्प चुना और महादेव से गुणवान अल्पायु पुत्र को मांगा।

यमराज स्वयं आए थे मार्कण्डेय ऋषि के प्राण लेने

मार्कण्डेय जैसे ही बड़ा हुआ उसको अपने अल्पायु होने के संबंध में पता चला। उम्र के बढ़ने के साथ मार्कण्डेय की शिव भक्ति भी बढ़ने लगी। उनको अपनी मौत के संबंध में पता था लेकिन वो इसको लेकर विचलित नहीं थे। 16 साल का होने पर मार्कण्डेय को अपनी मृत्यु का रहस्य अपनी माता के द्वारा पता चला। जिस दिन उनकी मौत का दिन निश्चित था उस दिन भी वह चिंतामुक्त होकर शिव आराधना में लीन थे। शिवपूजा करते समय उनको सप्तऋषियों की सहायता से ब्रह्मदेव से उनको महामृत्युंजय मंत्र ' ऊँ त्र्यंबकम् यजामहे सुगन्धिम् पुष्टिवर्द्धनम्,

ऊर्वारुकमिव बन्धनात, मृत्योर्मुक्षियमामृतात्।।' की दीक्षा मिली। इस मंत्र ने मार्कण्डेय के लिए अमोघ कवच का काम किया और जब यमदूत उनको लेने के लिए आए तो शिव आराधना में लीन मार्कण्डेय को ले जाने में असफल रहे। इसके बाद यमराज स्वयं धरती पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए आए।

शिव ने पराजित किया यमराज को

यमराज ने मौत का फंदा ऋषि मार्कण्डेय की गर्दन में डालने की कोशिश की, लेकिन वह फंदा शिवलिंग पर चला गया। वहां पर शिव स्वयं उपस्थित थे। वह यमराज की इस हरकत से नाराज हो गए और अपने रौद्र रूप में यमराज के सम्मुख आ गए। महादेव और यमराज के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें यमराज को पराजय का सामना करना पड़ा। भोलेनाथ ने यमराज को इस शर्त पर क्षमा किया कि उनका भक्त ऋषि मार्कण्डेय अमर रहेगा। इसके बाद शिव का एक नाम कालांतक हो गया। कालांतक का अर्थ है काल यानी मौत का अंत करने वाला।

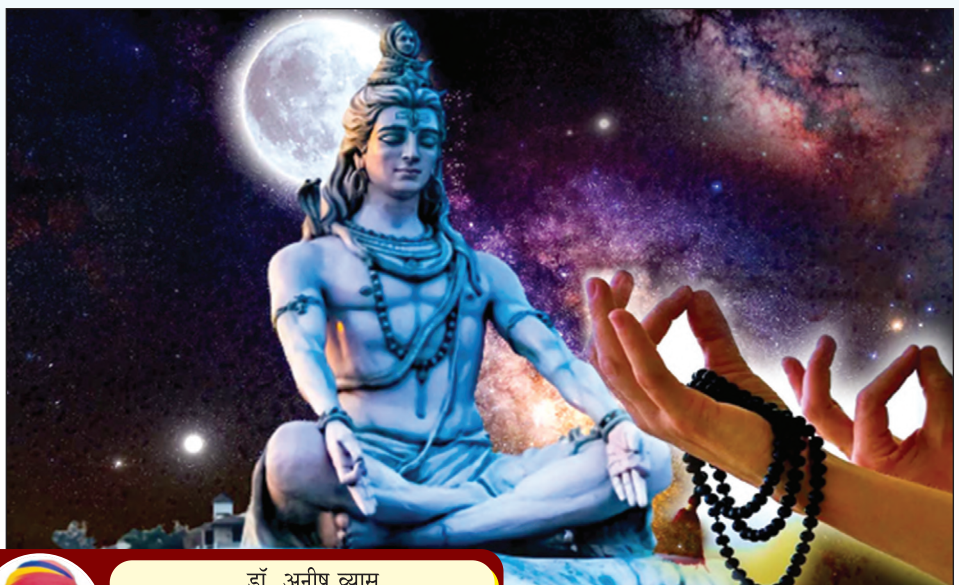

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

कब करें महामृत्युंजय मंत्र

यदि कुंडली में ग्रह दोष है या ग्रहों से संबंधित कोई ऐसी पीड़ा है जिसका निवारण मुश्किल लग रहा है जैसे ग्रह गोचर, ग्रहों के नीच, शत्रु राशि या किसी पाप ग्रह से पीड़ित होने पर इस मंत्र का जाप फायदेमंद है। गंभीर रोग हो और मृत्युतुल्य कष्ट होने की दशा में महामृत्युंजय मंत्र संजीवनी बूटी जैसा काम करता है। जमीन संबंधी विवाद में इस मंत्र का जाप करने से फायदा मिलता है। किसी महामारी के फैलने की दशा में यह मंत्र कवच की भांति कार्य करता है। राजकाज संबंधी मामले के बिगड़ने और धन-हानि होने की दशा में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से दिक्कत दूर होती है। मेलापक में नाड़ीदोष और षडाष्टक की तकलीफ से भी इस मंत्र से लाभ होता है। धर्म-कर्म में मन न लगने पर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। किसी भी तरह के कलह-क्लेश में महामृत्युंजय मंत्र रामबाण औषधि के समान है।

महामृत्युंजय मंत्र जाप में रखें ये सावधानियां

महामृत्युंजय मंत्र जाप करते समय विशेष सावधानियां जरूरी है। इन नियमों का पालन कर आप महामृत्युंजय मंत्र जाप का पूरा लाभ उठा सकते हैं और किसी भी तरह के अनिष्ट की आशंका भी समाप्त हो जाती है।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप पूरी स्वच्छता और समर्पित भाव से करना चाहिए। मंत्र जाप से पहले संकल्प लेना चाहिए। मंत्र जाप में मंत्र के उच्चारण की शुद्धता आवश्यक है। मंत्र जप से पहले मंत्रों की एक निश्चित संख्या का निर्धारण कर लेना चाहिए। जितने मंत्रों का संकल्प लिया है उतनी संख्या पूर्ण होना चाहिए। मंत्र जान मानसिक यानी मन ही मन में या बहुत धीमे स्वर में करना श्रेष्ठ रहेगा। जप के समय दीपक जलता रहना चाहिए।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करना अति उत्तम रहेगा। जपमाला को गौमुखी में रखकर जाप करना चाहिए जिससे किसी की नजर उसके ऊपर न पड़े। जप के समय शिवलिंग, शिव प्रतिमा, शिवजी की तस्वीर या महामृत्युंजय यंत्र सम्मुख होना चाहिए। जप करते समय कुश के आसन पर बैठना चाहिए। जपकाल में दूध मिले जल से शिवाभिषेक करते रहना चाहिए। जपकाल में पूर्व दिशा की और मुख होना चाहिए। जप का स्थान और समय निश्चित होना चाहिए। जप जितने दिनों तक चलता है उन दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। सात्विक आहार को ग्रहण करना चाहिए। किसी की भी बुराई से बचना चाहिए।

शनिवार को सुबह शिवलिंग पर चढ़ा दें ये पांच चीजें

शनि के प्रकोप से रहेंगे कोसों दूर

शनि ग्रह को न्याय का देवता कहा जाता है और इनकी कृपा से व्यक्ति जीवन में उन्नति की ओर बढ़ता है। लेकिन जब शनि का प्रकोप होता है, तो जीवन में बाधाएं, आर्थिक संकट, रोग और मानसिक तनाव बढ़ने लगते हैं। ऐसे में शनिवार के दिन भगवान शिव की पूजा विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है क्योंकि शिवजी ही शनि को नियंत्रित करने वाले देव हैं। यदि आप शिवलिंग पर ये पांच चीजें अर्पित करते हैं, तो शनि का प्रकोप शांत होता है और जीवन में स्थिरता आती है।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं काले तिल

काले तिल को शनि ग्रह का प्रतिनिधि माना गया है। इसे शिवलिंग पर चढ़ाने से पापों का क्षय होता है और पूर्वजों के दोष (पितृ दोष) भी शांत होते हैं। शनि द्वारा दिए गए आर्थिक संकट, कोर्ट-कचहरी के झंझट और असफलता के कारण जो जीवन रुका हुआ लगता है, वह धीरे-धीरे गति पकड़ने लगता है। साथ ही यह साधक को मानसिक मजबूती भी देता है।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसों का तेल

सरसों का तेल शिवलिंग पर अर्पित करने से न केवल शनि ग्रह प्रसन्न होते हैं, बल्कि यह शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत करता है। इससे व्यक्ति के जीवन में चली आ रही बेरोज़गारी, कार्यस्थल पर षड्यंत्र, प्रमोशन में रुकावट जैसी समस्याएँ दूर होती हैं। विशेष रूप से शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या से परेशान लोगों को हर शनिवार इसे शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं कच्चा दूध

गाय के कच्चे दूध को शिव के अभिषेक के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि करता है। यह उपाय उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जिन्हें करियर में अस्थिरता, आत्मविश्वास की कमी या निर्णय लेने में समस्या हो रही हो। यह अभिषेक धन, आयु और यशवृद्धि का कारण बनता है। शनिवार की सुबह स्नान करने के बाद यह उपाय करना चाहिए। इसको करने के बाद ही आप अन्न और जल ग्रहण करें।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं नीला फूल

नीला फूल शनि ग्रह का रंगधर्म प्रतिनिधि है और शिव को अत्यंत प्रिय होता है। इसे चढ़ाने से शनि की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यदि आपके कार्यक्षेत्र में लगातार प्रयास के बावजूद प्रमोशन नहीं हो रहा या व्यवसाय स्थिर नहीं हो पा रहा हो, तो नीला फूल शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यंत प्रभावशाली उपाय है। यह फूल अपराजिता और सदाबहार दोनों का हो सकता है। दोनों ही फूल भगवान शिव को बेहद प्रिय हैं।

शनिवार को शिवलिंग पर चढ़ाएं शुद्ध शहद

शहद मन को शांत और वाणी को मधुर बनाता है। शिवलिंग पर शहद अर्पित करने से वाणी के दोष दूर होते हैं, जिससे इंटरव्यू, मीटिंग, डील आदि में सफलता मिलती है। यह उपाय उन लोगों के लिए श्रेष्ठ है जिनकी वाणी के कारण बार-बार संबंध बिगड़ते हैं या व्यवसाय में ग्राहक नहीं टिकते। इस उपाय को करने से आपको शनिदेव का आशीर्वाद मिलता है और उसके प्रभाव से आप हर कार्य में सफलता हासिल करते हैं। आपकी तरक्की होती है।

हनुमान चालीसा पाठ का सबसे उत्तम समय तब हनुमानजी की मिलती है परम कृपा

सुबह के चार बजे का समयजब पूरी सृष्टि गहरे मौन में लीन होती हैचारों ओर गूंजती है केवल शुद्ध ऊर्जा की अनकही तरंगें। यह वही समय है जब आत्मा अपने उच्चतम स्तर पर होती है। जब ब्रह्मांड के रहस्य हमारी चेतना से सबसे अधिक जुड़े होते हैं। और यही वो घड़ी है जब हनुमान चालीसा का पाठ सबसे शक्तिशाली माना गया है। अब सवाल उठता है, क्या सच में सुबह 4 बजे पाठ करने से कुछ विशेष होता है? क्या यह केवल एक धार्मिक परंपरा है या इसके पीछे कोई वैदिक वैज्ञानिक रहस्य छुपा है? तो चलिएआज हम इस रहस्य के हर पहलू को विस्तार से समझते हैं, ब्रह्म मुहूर्त, हनुमान चालीसा और उसके पीछे छिपे अद्भुत रहस्यों की यात्रा पर निकलते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान चालीसा पाठ का लाभ - यानी सुबह का वो समय, जो सूर्योदय से करीब डेढ़ घंटे पहले शुरू होता है। यानी सुबह के 4 से 5 बजे का समय। शास्त्रों में इसे सर्वश्रेष्ठ काल माना गया है। इस समय वातावरण में सतोगुण की प्रधानता होती है। मन शांत होता है प्रकृति स्थिर होती है...और आत्मा, जाग्रत अवस्था में आती है। इस समय का महत्व केवल योग और ध्यान के लिए ही नहीं, बल्कि मंत्र-पाठ, जप और स्तुति के लिए भी सर्वोत्तम माना गया है।

इस समय हमारा मन में विचारों की भीड़ नहीं होती और वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा अधिक होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह समय अल्फा वेव्स का होता है यानी मस्तिष्क एक शांत और ग्रहणशील अवस्था में होता है, जहां मंत्रों की ध्वनि सीधे चेतना में प्रवेश करती है।

हनुमान चालीसा केवल एक स्तोत्र नहीं है, यह 40 चौपाइयों का एक दिव्य संकलन है, जिसे गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा था। इसमें हर चौपाई एक विशेष अर्थ, ऊर्जा और उद्देश्य से भरी हुई है। इसे नवग्रहों की बाधा से रक्षा, भूत-प्रेत दोष, मानसिक अशांति, शारीरिक कमजोरी, और आध्यात्मिक अवरोध को दूर करने में अत्यंत प्रभावशाली माना गया है। हनुमान चालीसा केवल शब्दों का मेल नहीं, यह भगवान राम के सबसे परम भक्त की शक्ति का संग्राह है। जब इसे श्रद्धा, विश्वास और नियमपूर्वक पढ़ा जाए, विशेषकर ब्रह्ममुहूर्त में तो यह हमारे चारों ओर एक अदृश्य कवच बना देता है।

हनुमान चालीसा की पंक्ति भूत पिशाच निकट नहीं आवे, महावीर जब नाम सुनावे... नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करती है। नासे रोग हरे सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा... यह पंक्ति मानसिक और शारीरिक रोगों से मक्ति दिलाती है। संकट से हनुमान छुड़ावे, मन क्रम वचन ध्यान जो लावे... यह जीवन के हर संकट से बाहर निकालने का मार्ग देती है। और यही नहीं, हनुमान चालीसा में तुलसीदास जी ने भक्ति, ज्ञान और विज्ञान, तीनों को एक सूत्र में पिरो दिया है। अब सवाल ये है कि सुबह 4 बजे ही क्यों? कहते हैं ऐसा करने से मनोबल और आत्मबल बढ़ता है। डर, शंका और मानसिक तनाव दूर होते हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति मजबूत होती है। घर का वातावरण सकारात्मक हो जाता है। ध्यान और एकाग्रता में वृद्धि होती है। और सबसे महत्वपूर्ण - आत्मा को एक गहरा संतुलन और शांति मिलती है। हनुमान चालीसा पढ़ना केवल साधना नहीं - यह आत्मिक शुद्धि की प्रक्रिया है।

हनुमानजी को जाग्रत देव कहा गया है। वह केवल मूर्ति नहीं हैं, वह चेतन शक्ति हैं। जो भक्त की पुकार पर तुरंत उपस्थित होते हैं। आधुनिक विज्ञान भी कहता है कि सुबह चार बजे मस्तिष्क में मेलनोटोनिन हार्मोन सक्रिय होता है। यह हार्मोन मानसिक एकाग्रता, स्थिरता और आध्यात्मिक अनुभवों को बढ़ाता है हनुमान चालीसा के मंत्र- जैसे कंपन इन हार्मोनल अवस्थाओं के साथ जुड़कर, आपको एक अलौकिक अनुभव देते हैं। और जब यह पाठ ब्रह्म मुहूर्त में किया जाए, तो यह कंपन सीधे आपके चित्त से टकराता है। मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्टेट में चली जाती हैं यानी शांत, एकाग्र और ग्रहणशील अवस्था में। इस समय किया गया पाठ सीधे आपके अवचेतन मन में उतरता है और वहां से आपकी चेतना के हर स्तर को शुद्ध करता है।

तुलसीदासजी करते थे इस समय हनुमान चालीसा का पाठ

तुलसीदास जी स्वयं ब्रह्म मुहूर्त में उठकर हनुमान चालीसा का पाठ करते थे। कहते हैं, यही उनकी वह साधना थी जिससे उन्हें हनुमानजी के प्रत्यक्ष दर्शन हुए। हनुमानजी का संबंध स्वयं ब्रह्म मुहूर्त से है। शास्त्रों के अनुसार, यह वही काल है जब देवता जागते हैं, और हनुमान जी अपने दिव्य स्वरूप में संसार की रक्षा और भक्तों की परीक्षा हेतु विचरण करते हैं। ऐसे में अगर कोई भक्त उस समय श्रद्धा से उनका पाठ करे, तो वह पाठ सीधे हनुमानजी तक पहुंचता है।

कई लोगों ने अनुभव किया है कि जब उन्होंने केवल 21 दिन ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धा और भावना से हनुमान चालीसा का पाठ किया, तो उन्हें अलौकिक अनुभव हुए। उन्हें रोगों से मुक्ति मिली, रुके हुए कार्य सिद्ध हुए, और जीवन में नई दिशा मिली। लेकिन याद रखें - यह कोई जादू नहीं है। यह विज्ञान भी है, साधना भी है। श्रद्धा से जुड़ी हुई ऊर्जा की प्रक्रिया है। जैसा भाव, वैसा प्रभाव। तो अगर आप सच में अपने जीवन को स्थिर, शक्तिशाली और सकारात्मक बनाना चाहते हैं अगर आप मानसिक शांति, आत्मिक उन्नति और आध्यात्मिक सुरक्षा चाहते हैं तो अपनी साधना की शुरुआत कीजिए।

सुबह शांति से बैठ जाइए और पढ़िए हनुमान चालीसा। हर चौपाई, हर अक्षर, हर ध्वनि, आपके भीतर नया प्रकाश लाएगी। एक ऐसी ऊर्जा जो आपके जीवन को ही बदल देगी। हनुमानजी के बारे में यह भी कहा जाता है कि हनुमानजी सुबह के समय सबसे पहले जगते हैं, वैसे यह भी कहा जाता है कि बजरंगबली कभी सोते ही नहीं है वह ब्रह्म मुहूर्त में सबसे पहले भगवान रामजी के जगने से पहले अयोध्या में उनकी सेवा में तत्पर हो जाते हैं। इसलिए भगवान विष्णु और रामजी की सेवा पूजा से पहले प्रातः काल बजरंगबली की पूजा करनी चाहिए और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

शाम में हनुमान चालीसा पाठ का समय

साथ ही रात में 8 बजे जब हनुमानजी प्रभु राम की सेवा से लौटकर अपने आसन पर विराजमान होते हैं तब हनुमान चालीसा का पाठ घी का दीप जलाकर करना अत्यंत लाभदायक होता है। इसलिए अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान चालीसा का पाठ नहीं कर पाएं तो हर दिन रात में 8 बजे हनुमान चालीसा का पाठ करें। 40 दिनों तक हनुमानजी की ऐसी सेवा करने वाले भक्त की हर कामना हनुमानजी पूर्ण कर देते हैं।

शनिवार को पीपल के पेड़ के पास करें ये काम, शनिदेव दूर करेंगे सारे दुख, अच्छा वक्त होगा शुरू

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन विशेष रूप से न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित माना गया है। ऐसे में भक्त इस दिन विधि-विधान से शनिदेव की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि शनिवार को शनिदेव और बजरंगबली के साथ-साथ पीपल के पेड़ की पूजा करना भी बहुत फलदायी होता है। ऐसा करने से व्यक्ति को जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है और शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। इसके अलावा, शास्त्रों में पीपल के पेड़ के कुछ उपाय भी बताए गए हैं, जिन्हें शनिवार के दिन करने से आपको जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आज हम आपको इनमें से कुछ ऐसे उपाय बताएंगे जिन्हें पीपल के पास करना लाभकारी होता है और आपके जीवन में तरक्की रास्ते खुल सकते हैं व समस्त दुखों से निजात मिलती है।

शनिवार के दिन शनि मंदिर जाकर शनिदेव की पूजा करने के साथ-साथ इस दिन पीपल के पेड़ के पास एक छोटा उपाय करना भी लाभकारी हो सकता है। स्नानादि करके साफ वस्त्र पहनें और पीपल के पास अपने दोनों हाथों को स्पर्श करते हुए 108 बार 'ओम नम: शिवाय' मंत्र का जाप करें। श्रद्धापूर्वक इस मंत्र का जाप करने से जातक को शनि ग्रह के साथ-साथ अन्य ग्रहों के अशुभ प्रभावों से भी राहत मिल सकती है। माना जाता है कि शनिवार को पीपल के पास इस उपाय को करने से व्यक्ति को भगवान शिव और शनिदेव की विशेष कृपा भी प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

धन लाभ के लिए करें यह उपाय

इसके लिए शनिवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि कर लें और फिर एक लोटा जल में थोड़ा दूध और गुड़ मिलाएं। आप इस जल में कुछ काले तिल के दाने भी डाल सकते हैं। इसके बाद, पीपल के वृक्ष की जड़ में इस जल को अर्पित करें और फिर, कम से कम 7 बार परिक्रमा करें। इस दौरान 'ओम शनैश्चराय नमः' मंत्र का जाप भी जरूर करें। इस उपाय को करना बहुत फलदायी माना जाता है। अगर आप विधि-पूर्वक शनिवार को यह काम करते हैं, तो इससे जीवन खुशियों से भर सकता है और शनि दोष से भी राहत मिल सकती है। पीपल के वृक्ष के पास इस उपाय को करने के बाद जीवन में सफलता और धन लाभ की कामना भी अवश्य करें। इससे आर्थिक तंगी से निजात मिलती है और धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

जीवन से कष्ट दूर करने का उपाय

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, शनिवार को शाम के समय शनिदेव की पूजा के साथ-साथ पीपल के वृक्ष की पूजा भी जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सूर्यास्त के समय साफ वस्त्र धारण करने के बाद पीपल के पेड़ की जड़ के पास जल जरूर अर्पित करें। अब एक सरसों के तेल का दीपक भी वहां प्रज्वलित कर दें। इस उपाय को करने से व्यक्ति को जीवन के कष्टों से मुक्ति मिल सकती है। अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार बाधाएं आती हैं, तो शनिवार के दिन यह आसान उपाय जरूर आजमाएं। इससे बिगड़े हुए काम भी बनने लगते हैं और जीवन में तरक्की के नए मार्ग खुलते हैं।

जीवन में सफलता पाने का उपाय

शनिवार के दिन शनिदेव के साथ-साथ हनुमानजी की पूजा करना भी बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। ऐसे में शनिवार को सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास एक दीपक जलाकर उसके सामने आसन बिछाकर बैठ जाएं। अब मन और दिमाग शांत करके श्रद्धापूर्वक हनुमान चालीसा का पाठ करें। इस उपाय को हर शनिवार के दिन करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं और बजरंगबली की कृपा से जीवन में सफलता हासिल हो सकती है। माना जाता है कि शनिवार को पीपल के वृक्ष के पास हनुमान चालीसा पढ़ने से जीवन के भय से मुक्ति मिल सकती है और घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कर्ज से मुक्ति और करियर में उन्नति का उपाय

शास्त्रों में शनिवार के दिन कुछ चीजों का दान करना भी विशेष रूप से फलदायी माना गया है। इसके लिए आप शनिदेव की पूजा करने के साथ-साथ पीपल के वृक्ष के नीचे किसी जरूरतमंद या गरीबों को काले तिल, काले रंग के वस्त्र आदि दान कर सकते है। ऐसा करने से व्यक्ति को भारी से भारी कर्ज से मुक्ति मिल सकती है और शनिदेव प्रसन्न होते हैं। माना जाता है शनिवार को पीपल के वृक्ष के पास इन चीजों का दान करने से व्यक्ति को करियर और कारोबार में उन्नति हासिल हो सकती है। साथ ही, घर का माहौल सदैव खुशनुमा बना रहता है।

संपादकीय

ये तपतपाए दिन

राजधानी दिल्ली का मौसमी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47-48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा। हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है। लू जानलेवा स्थिति है, लिहाजा इसे 'चिकित्सीय आपातकाल' माना गया है। 'लू लगने' के सामान्य लक्षण ये हैं कि मानवीय शरीर का तापमान 104 डिग्री फॉरेनहाइट (40 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ जाता है। वह तेज बुखार की स्थिति है। बीते साल 18 जून तक लू (हीट स्ट्रोक) के 40,000 से अधिक मामले सामने आए थे। लू और तपतपाई गर्मी के कारण 110 लोगों की मौतें भी दर्ज की गई थीं। 2022 में तो 730 मौतें दर्ज की गईं। शायद यही बुनियादी कारण है कि मौसम विभाग लगातार रेड, येलो, ऑरेंज अलर्ट जारी कर रहा है। इस धधकते, तपते मौसम में सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले कामगारों के लिए है। भारत में 65-70 फीसदी कामगार इस भीषण गर्मी में भी काम करने को विवश हैं, क्योंकि उनका घर-परिवार दिहाड़ी पर ही चलता है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामसुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके। बहरहाल बीते कई वर्षों से हमारे संवेदनशील प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम कराने पर रोक लगाई गई है। कामगारों के लिए छायादार जगह और ठंडा पेयजल भी होना अनिवार्य है। महानगरों और बड़े शहरों में बिजली की आपूर्ति पहले की अपेक्षा सुधरी है, लिहाजा काम करने की जगह भी पंखे की मौजूदगी होने लगी है, लेकिन गांव-कस्बों में अब भी घंटों बिजली के कट लगाए जा रहे हैं, वहां आम आदमी और कामगार दोनों ही परेशान हैं। बहरहाल हमारी व्यवस्था में अब भी बहुत कुछ बदला और सुधारा जाना है। ये तपतपाए दिन जलवायु-परिवर्तन की भी देन हैं। मौसम का चक्र बदलता जा रहा है। कुछ दिन पहले तक खूब बारिश हो रही थी, लेकिन बीते सात दिनों में ही तापमान में 8-13 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जो पाकिस्तान के रेगिस्तानी इलाकों से आ रही हैं। खाड़ी देशों, खासकर इराक, सऊदी अरब के अधिकांश इलाकों में तापमान बीते एक सप्ताह से 46 डिग्री के आसपास है। पाकिस्तान के इलाकों में भी करीब 47 डिग्री सेल्सियस का तापमान है। बहरहाल राहत तब ही संभव है, जब मॉनसून फिर सक्रिय होकर बरसेगा।

> पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47-48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा। हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है।

भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

ललित गर्ग

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और

> आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

देश दुनिया से

लोकतंत्र को रौंद रहा है ट्रंप प्रशासन

लॉस एंजेलिस में इमिग्रेशन छापों को लेकर हिंसक विरोध हुआ है। लोगों को काबू करने के वास्ते 2,100 नेशनल गार्ड को लॉस एंजेलिस में तैनात किया गया है। इसके अलावा 700 मरीन भेजे गए हैं। अब यहां नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। न्यूसम पहले ही कह चुके हैं कि ट्रंप इस आग को और भड़का रहे हैं, और वह यही चाहते थे। साफ लगता है, आर्थिक मोर्चे पर फेल ट्रम्प देश का ध्यान आव्रजन नीतियों में उलझाए रखना चाहते हैं। लॉस एंजेलिस में हालात बेकाबू हैं। ट्रम्प के बारे में यही कहा जा रहा है, कि उनका व्यवहार तानाशाहों वाला हो चुका है। ट्रम्प के जीवनी लेखक टिम ओ ब्रायन ने कहा, 'बदला वह ऑक्सीजन है, जो उन्हें बचाए रखती है।' और उन्होंने अपने इर्द-गिर्द ऐसे छोटे-मोटे लोगों को रखा है जो उनकी खूब चापलूसी करते हैं। मसखरे जैसे दिखने वाले लोग कैबिनेट बैठकों में उनका शौर्य बखान करते हैं। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन के चेयरमैन ब्रेंडन कैर ने तो अपने कॉलर पर सुनहरे रंग का ट्रंप का सिर भी लटका रखा है। ठीक वैसे ही जैसे माओवादी करते थे। अराजकता के सम्राट ट्रंप का जब टैरिफ युद्ध से ध्यान हटता है, वो आप्रवासियों को भगाने की मुहिम में लग जाते हैं। अमेरिका को ग़ौर से देखें तो यह देश आबाद ही हुआ बाहर से आये लोगों से। राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी द्वारा लिखी गई एक पुस्तक का शीर्षक ही है, 'ए नेशन ऑफ़ इमिग्रेंट्स'। जब उन्होंने यह किताब लिखी, तब वो सीनेटर थे। इस पुस्तक में औपनिवेशिक अमेरिका से

लेकर अब तक के आप्रवासन का इतिहास, और अमेरिका में आप्रवासन कानून को उदार बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं। 1965 से पहले, अमेरिकी आव्रजन कानून उत्तरी और पश्चिमी यूरोप के आप्रवासियों के हित में था, इनकी कोशिश थी, कि एशिया से आप्रवास को प्रतिबंधित किये रखें। 1965 के आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम ने एशिया और लैटिन अमेरिका से आप्रवास के दरवाज़े खोल दिए। वर्ष 1990 के आव्रजन अधिनियम ने कानूनी आव्रजन को और भी शिथिल किया, जिससे बाक़ी देशों के अनिवासियों को कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति मिल गई। 34.7 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में विदेश से आये लोगों की संख्या, 2023 में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, चार करोड़ 78 लाख तक पहुंच गई, जो 2022 के मुक़ाबले, 16 लाख अधिक है। यह 2000 के बाद से 20 से अधिक वर्षों में सबसे बड़ी जनसंख्या वृद्धि है। वर्ष 1970 में, अमेरिका में रहने वाले आप्रवासियों की संख्या आज की तुलना में लगभग पांचवां हिस्सा थी। 1965 में कांग्रेस द्वारा अमेरिकी आव्रजन कानूनों में बदलाव किए जाने के बाद इस जनसंख्या की वृद्धि में तेज़ी आई। ठीक से देखा जाये, तो ओरिजिनल अमेरिकी केवल दस फीसद हैं। आज अमेरिका में अनिवासी 1910 के बाद से सबसे ज़्यादा हैं, लेकिन 1890 के 14.8 फीसद रिकॉर्ड से कम मानकर चलिए। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े बताते हैं, 'अमेरिका में मेक्सिको से आये आप्रवासी सबसे अधिक हैं। 2022 में यू.एस. में रहने वाले लगभग एक करोड़ छह लाख आप्रवासी वहीं पैदा हुए थे, जो टोटल यू.एस. आप्रवासियों का 23 प्रतिशत है। तीन साल पहले, अमेरिका में अनिवासियों का सबसे बड़ा समूह इंडो-अमेरिकन्स (6 प्रतिशत), चीनी (5 प्रतिशत), फिलीपीनी (4 प्रतिशत) और अल साल्वाडोर से आने वाले क्रमशः 3 फीसद बताये गए थे। लैटिन अमेरिका (27 प्रतिशत), जिसमें मेक्सिको शामिल नहीं है, लेकिन कैरिबियन (10 प्रतिशत), मध्य अमेरिका (9 प्रतिशत) और दक्षिण अमेरिका (9 प्रतिशत) शामिल हैं। यूरोप, कनाडा और अन्य उत्तरी अमेरिका 12 प्रतिशत, सब सहारा अफ्रीका के (5 प्रतिशत) और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (4 प्रतिशत) अनिवासी अमेरिका में बसते हैं।' ट्रंप प्रशासन, जिसने जनवरी 2025 में अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने के नाम पर वोट बटोरे, उसने बार -बार कसम खाई है, कि अमेरिका को 'अवैध प्रवासियों से मुक्त' कर दिया जाएगा। ट्रम्प की प्रवासन विरोधी नीतियों का दुष्प्रभाव यूरोप में पड़ने लगा है। फिलहाल लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। वैसे, यह पहला मौका है जब नेशनल गार्ड को गवर्नर की सहमति के बिना किसी राज्य में भेजा गया है।

कुछ अलग

मन बावरा माने ना

मनोविज्ञान कहता है कि हमारा मन ऐसा बांवरा है कि वह हमारे खुद के साथ ही खेल खेल जाता है और हमें पता भी नहीं चलता। हमारे सामने कोई ऐसा काम हो जो बहुत कठिन हो, या हमें नापसंद हो, तो हमारा मन दस हजार तरह के बहाने बनाकर हमें भटका देता है। कठिन काम, या नापसंद काम हमारे सामने हो, करना जरूरी हो, उसे न करने पर नुकसान हो सकता हो, तो भी जब हम काम शुरू करने लगें तो मन में विचार आएगा कि हमारी दराज में बड़ा कूड़ा इक_ा हो गया है, कुछ ढूंढना हो तो ढूंढने में बहुत समय खराब हो जाता है, दस-पंद्रह मिनट लगेंगे, दराज साफ कर लें, फिर यह काम कर लेंगे, इस तरह एक पंथ दो काज हो जाएंगे, और हमने काम छोड़ कर दराज साफ करना शुरू कर दिया। दराज में सचमुच बहुत सी बेकार की चीजें जमा हो गई थीं, सफाई करने लगे तो खुद हैरान हो गए कि इतना कूड़ा इक_ा कर रखा है। सफाई पूरी करके बहुत खुश हुए कि 'एक अच्छा काम निपटा लिया', लेकिन उस सफाई में सारा दिन गुजार दिया। पता ही नहीं चला कि पूरा दिन कैसे बीत गया। 'अच्छा काम' तो किया, पर 'जरूरी काम' को छोड़ कर। ये है हमारे मन का खेल। मन को यूं ही बावरा नहीं कहते। अगर हम समझदारी से काम न लें तो ये बावरा मन मानता ही नहीं। मन के ये खेल हमारे जीवन के सभी हिस्सों में चलते रहते हैं और कई बार तो रिश्तों के भी आड़े आ जाते हैं। ऐसे ही एक मामले का जिक्र मेरी बात का बेहतर खुलासा करेगा। पति-पत्नी, निशा और राजेश, दोनों सरकारी नौकरी में उच्च पदों पर विराजमान हैं, अपने-अपने कार्यालय के मुखिया। दोनों बहुत पढ़े-लिखे, बहुत मिलनसार, बहुत सभ्य। पैसे की कमी नहीं, हर तरह की सुख-सुविधा से संपन्न घर। परिवार में पति-पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बिटिया। भरा-पूरा परिवार, परमात्मा का दिया सब कुछ। जो देखे, वैसा ही परिवार चाहे। पर पति-पत्नी के रिश्ते में कशिश बिल्कुल नहीं। सब कुछ औपचारिक-सा। दोनों को लगता था मानो किसी जानकार से, या किसी पड़ोसी से बात कर रहे हैं, पति-पत्नी वाला खिंचाव, लगाव या आकर्षण नदारद। यहां तक कि वैवाहिक जीवन के सर्वाधिक आवश्यक काम के समय भी सब कुछ इतना औपचारिक कि मिलन के बाद भी मन में संतुष्टि नहीं, आनंद नहीं। अच्छी बात सिर्फ यह रही कि पति-पत्नी में से किसी का कोई अफेयर नहीं। आखिर दोनों ने एक मैरिज काउंसलर के पास जाने का फैसला किया। संयोग ये रहा कि मैरिज काउंसलर मेरे मित्र हैं, मेरे काम के बारे में जानते हैं, सो उन्होंने ही निशा और राजेश को मेरे पास भेजा। दोनों से दो-दो बार अलग-अलग और एक साथ की मीटिंग के बाद मैंने हीलिंग शुरू की।

आप का नजरिया

देश को पर्यटन का सैल्यूट

हिमाचल की सैन्य पृष्ठभूमि से निकला रास्ता ठीक चीन के सामने खड़ा है और जहां राष्ट्रीय गर्व की ताल ठोंकता पर्यटन सैल्यूट करता है। देश का जज्बा लिए पर्यटक वाघा-अटारी तक जिस जोश से पहुंचते रहे हैं, उसी संवेग से हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रयास बार्डर टूरिज्म को शिपकी-ला तक ले आए हैं। यहीं इंदिरा प्वाइंट का स्तंभ याद दिलाता है कि देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिर गांधी ने देश की एकता और अखंडता का तिलक, किन्नौर की इस पावन मिट्टी से लगाया था। वाईएस परमार के बाद सुक्खू दूसरे ऐसे व्यक्ति हैं जो मुख्यमंत्री के पद से इस सरहदी इलाके में भारत के गौरव को जन गण मन से जोड़ रहे हैं। केंद्र सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को लगातार मजबूत कर रही है और अगर अंतरराष्ट्रीय समझौते की कसौटी पर कैलाश मानसरोवर यात्रा का पड़ाव किन्नौर को अहमियत देता है, तो सबसे सरल, नजदीक और रोमांच भरी यात्रा इसी शिपकी-ला की निगरानी में होगी। किन्नौर से राष्ट्र भावना के स्रोत अब पर्यटन की धमनियों में जोश भरेंगे। मुख्यमंत्री ने सीमा पर्यटन की 'विजिटर बुक' में अपनी योजनाओं की शपथ लिखते हुए हवाई पट्टी के अलावा हेलिपोर्ट की शृंखला में किन्नौर की सांस्कृतिक उर्वरता को एक नया पैगाम दिया है। जाहिर है हिमाचल की कुर्बानियों का इतिहास और देश की एकता के प्रतीक सीमा पर्यटन को राष्ट्रभक्ति की सेरेमनी में खड़ा कर सकते हैं। इस एहसास को शिपकी-ला में जीने के लिए अब एक स्थायी समारोह की दरकार है ताकि जब सैलानी आएं तो राष्ट्रीय भावना के उद्घोष परवान चढ़ें और यहां की स्वरलहरियां चीन के बंद कानों के पर्दे खोल दें। हिमाचल की सैन्य पृष्ठभूमि से जुड़ा आकर्षण कई युद्धों के इतिहास को प्रदेश से जोड़ देता है। सैन्य भर्ती में जब तक कोटा नहीं था, राष्ट्रीय फलक की सारी भर्ती हिमाचली युवाओं के कंधों पर होती रही है। इतना ही नहीं, आज भी शहादत की पुकार जब देश की सरहद करती है, तो सारे देश की तीस प्रतिशत कुर्बानियों में प्रदेश के युवा तिरंगे में लिपट कर लौटते हैं। देश के 21 परमवीर चक्रों में से चार हिमाचल की छाती पर सजे हैं, तो इस सम्मान की पहली नजर आज भी मेजर सोमनाथ शर्मा से जुड़ी राष्ट्रीय गौरव की कहानी, प्रदेश के जर्रे-जर्रे में परवान हो जाती है। कारगिल युद्ध का शौर्य हिमाचल के इन्हीं जज्बात को प्रमाणित करता है, जब देश की 527 कुर्बानियों में 52 हिमाचल के कंधे पर सवार होकर आज भी 'गर्व से कहती हैं हम हिंदोस्तानी औलाद हैं, देश की शान हैं।' कैप्टन विक्रम बतरा (मरणोपरांत) और राइफल मैन संजय कुमार को सर्वोच्च बहादुरी पुरस्कार मिलता है, तो देश प्रेम की हमारी गाथा श्रेष्ठ हो जाती है। इन्हीं जज्बात को मूर्त करता धर्मशाला का राज्यस्तरीय शहीद स्मारक व युद्ध संग्रहालय हर दिन पर्यटकों की भावना में राष्ट्र प्रेम का मानचित्र उकेरता है। आश्चर्य है कि इस स्मारक के विस्तार के बजाय इसकी अमानत से चार्जिंग स्टेशन के लिए जगह छीनी जा रही है। कहां तो शहीद स्मारक समिति इस स्थान की गरिमा को राष्ट्रीय पैमाने तक पहुंचाती हुई इसके विस्तार की एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रही है और कहां विकास के प्रशासनिक घोड़े इसकी रगों से पवित्र जमीन छीनकर चार्जिंग स्टेशन के लिए सारे मंसूबे रौंदना चाहते हैं। यह गलत व अन्यायपूर्ण ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी शहीदों के प्रति अपमान है।

दृष्टि कोण

युवाओं को नशे का गुलाम बनाने की साजिश

नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट की एक रिपोर्ट देखें तो देश की कुल जनसंख्या के 10 से 75 साल तक की आयुवर्ग के लगभग 20 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार के नशे के अभ्यस्त हैं। महिलाएं भी इसमें अपवाद नहीं। आजकल कम उम्र के बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। अनिद्रा, अवसाद, तनाव आदि रोगों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली अनेक दवाओं का प्रयोग नशे के रूप में होना गहन चिंता का विषय बन चुका है। 'ड्रग वॉर डिस्टॉर्शन और वर्डोमीटर' की एक रिपोर्ट के मुताबिक़, देश में अवैध दवाओं का धंधा बढ़कर लगभग 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि नियमानुसार, भारत में ऐसी दवाओं का सेवन अथवा इन्हें चिकित्सक की पर्ची के बग़ैर बेचना दोनों ही कानूनन निषेध हैं। दरअसल, इस मुद्दे ने भारत में 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस' अधिनियम 1985 (एनडीपीएस), के बाद प्रमुखता हासिल की। कई भारतीय राज्य उपचारात्मक तथा निवारक उपायों के साथ-साथ नशीली दवाओं के उपयोग एवं दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के ख़िलाफ़ जागरूकता फैलाकर इस समस्या का निराकरण करने की कोशिश में लगे हैं। हालांकि, सतही तौर पर देश में इस ख़तरे से निपटने के लिए शायद ही कोई कारग़र नीति संज्ञान में हो! कटु, लेकिन सत्य यही है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने हेतु राज्य प्राधिकारियों तथा स्थानीय सरकारों की सीमित भूमिका से भारत में मादक पदार्थों के उपयोग में कमी नहीं आ पाई। नशों के प्रति बढ़ते रुझान में विविध कारक ज़िम्मेदार रहते हैं, जैसे- तनाव, अकेलापन, असफलता आदि। रिश्तों से जुड़ी समस्यायों, निर्धनता, बेरोज़ग़ारी, शैक्षिक

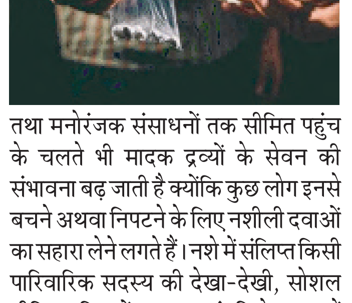

तथा मनोरंजक संसाधनों तक सीमित पहुंच के चलते भी मादक द्रव्यों के सेवन की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि कुछ लोग इनसे बचने अथवा निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेने लगते हैं। नशे में संलिप्त किसी पारिवारिक सदस्य की देखा-देखी, सोशल मीडिया, फ़िल्मों अथवा कुसंगति के प्रभाव में भी नशीली दवाओं का सेवन आम देखा गया। युवाओं में साइकोट्रॉपिक ड्रग्स का चलन बढ़ने में प्रमुख कारण है, मूल्य में कम होने के साथ इनका सहज ही उपलब्ध हो जाना। हालांकि ये दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के बेचने-ख़रीदने की सख़्त मनाही है, बावजूद इसके अवैध ढंग से बिकने वाली इन दवाओं का नशे के तौर पर इस्तेमाल आजकल व्यापक स्तर पर होने लगा है। मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार, इन नशे की दवाओं का अनुचित उपयोग करने से मानसिक अवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। हेरोइन व अन्य किस्म के नशों का सेवन करने वाले व्यक्ति अक्सर इन ड्रग्स के आदी पाए जाते हैं। दवा का इस्तेमाल बेशक दर्दनाक भावनाओं जैसे- चिंता, अवसाद, एकाकीपन आदि से निपटने के नाम पर किया जाता है लेकिन नशे के रूप में बेलगाम आदत, वास्तव में समस्यायों को बद से बदतर बना छोड़ती है। नशीली दवाएं ग्रहण करने की लत न केवल व्यसनी का शारीरिक-मानसिक-बौद्धिक स्वास्थ्य बिगाड़ती हैं अपितु पारिवारिक सदस्यों की सामाजिक व आर्थिक क्षमताओं के दृष्टिगत भी प्रतिकूलताएं ही लेकर आती हैं। समूचे समाज तथा सरकार पर अवांछित वित्तीय बोझ बढ़ने लगता है, जिससे शासन-कानून-व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सभी प्रभावित होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 47 में सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और हानिकारक पदार्थों के निषेध का आह्वान किया गया है। हानिकारक दवाओं का ख़तरा सामाजिक-सांस्कृतिक तथा राजनीतिक-आर्थिक व्यवस्था में गहरी जड़ें जमाए बैठी विकृतियों की अभिव्यक्ति है, अतः इसका समाधान प्रणालीगत, बहुआयामी होना चाहिए। समस्या का निपटान प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए भारत को मज़बूत विनियमन, उन्नत कानून तथा राज्यों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हरियाणा बनाएगा वर्ल्ड रिकॉर्ड : सैनी

चंडीगढ़, 13 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि इस बार 21 जून को मनाया जाने वाला 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रदेश के लिए ऐतिहासिक होगा। योग दिवस पर राज्य के सभी 22 जिलों और 121 खंडों में एक साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में 11 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्मसरोवर पर आयोजित होगा, जहां एक लाख से अधिक लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे। योगगुरु बाबा रामदेव भी इस अवसर पर स्वयं उपस्थित रहेंगे और योगाभ्यास कराएंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस आयोजन के माध्यम से हरियाणा नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला के भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के भानू स्थित प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र में आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग और आईटीबीपी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आईटीबीपी के जवानों तथा अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में हाल ही में अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा पर तैनात हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में देश की सेवा करते हैं। योग उनके लिए मानसिक व शारीरिक मजबूती का साधन है। उन्होंने कहा कि हरियाणा योग आयोग इस दिशा में बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि योग केवल स्वास्थ्य नहीं बल्कि अनुशासन, एकता और मनोबल भी सिखाता है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 27 मई से प्रदेशभर में योग कार्यक्रमों का आयोजन शुरू हो चुका है। अब तक लगभग 15 लाख 60 हजार से अधिक लोग योग कार्यक्रमों में भाग ले चुके हैं। 61 हजार से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं और 21 जून तक 10 लाख औषधीय पौधे वितरित करने का लक्ष्य है। योग जागरूकता यात्रा राज्य के 5,000 गांवों तक पहुँच रही है। इसके अतिरिक्त पतंजलि योगपीठ, भारतीय योग संस्थान, ब्रह्मकुमारी, आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाएं प्रदेश में 2,500 स्थानों पर योग शिविर आयोजित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योग दिवस के लिए विशेष पोर्टल तैयार किया गया है, जिस पर अब तक 7 लाख 65 हजार 500 से अधिक लोग पंजीकरण कर चुके हैं। हरियाणा सरकार ने 714 व्यायामशालाएं बनवाई हैं, जिनमें 877 आयुष योग सहायकों की नियुक्ति की गई है। सभी व्यायामशालाओं में 21 जून को योग दिवस के विशेष कार्यक्रम होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से पूरी दुनिया में योग का प्रचार-प्रसार हुआ है। योग अब वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थितजनों को 'योग युक्त-नशा मुक्त हरियाणा' का संकल्प भी दिलाया। साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत प्रशिक्षण केंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया।

रेवाड़ी में गौ रक्षक शहीद सोनू सरपंच के नाम पर बनेगा चौक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कल करेंगे उद्घाटन

रेवाड़ी 13 जून (एजेंसियां)। जिले में गौ रक्षक शहीद देवेंद्र यादव उर्फ सोनू सरपंच की शहादत को अमर करने के लिए दिल्ली रोड पर चौक का निर्माण किया जाएगा। इस चौक का शिलान्यास हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 15 जून 2025 को प्रस्तावित धन्यवाद रैली के दौरान करेंगे। यह जानकारी गौ रक्षक शहीद देवेंद्र यादव फिदेड़ी सम्मान समिति रेवाड़ी के संयोजक रविंद्र आशावादी ने प्रेस वार्ता के दौरान दी।

आशावादी ने बताया कि शहीद सोनू सरपंच के नाम पर बनने वाला यह चौक अपने आप में विश्व का पहला ऐसा चौक होगा, जो गौ रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले किसी रक्षक के नाम समर्पित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार से शहीद की पत्नी को पक्की नौकरी देने की मांग की गई है, जिस पर जल्द निर्णय लिया जा सकता है।

उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तथा विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह पहल साकार हो रही है। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री व समिति सदस्य राजकुमार यादव ने कहा कि सभी को याद है कि 15 जून 2024 को मेवात क्षेत्र के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर गौ तस्करों के साथ मुठभेड़ में शहीद सोनू सरपंच को गोलियां लगी थीं। 51 दिन तक मेदांता अस्पताल में इलाज के बाद भी वह जीवन की जंग हार गए थे। उनके अंतिम संस्कार में दिल्ली-एनसीआर से हजारों गौ भक्त पहुंचे थे।

इसके बाद 10 अगस्त 2024 को रेवाड़ी अनाज मंडी में महापंचायत हुई, जिसमें हजारों लोगों ने सरकार से उनकी शहादत को सम्मान देने की मांग रखी थी। 11 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुद उनके घर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज का एक्शन

15 दिन से खराब ट्रांसफार्मर न बदलने पर जेई सस्पेंड

चंडीगढ़ 13 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बिजली आपूर्ति में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने अंबाला छावनी के चंदपुरा गांव में 15 दिनों से खराब पड़े बिजली के ट्रांसफार्मर को न बदलने के आरोप में अम्बाला इंडस्ट्री एरिया सब डिवीजन के कनिष्ठ अभियंता (जेई) संजय कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई चंदपुरा गांव के ग्रामीणों द्वारा ऊर्जा मंत्री अनिल विज को दी गई शिकायत के बाद की गई। ग्रामीणों ने शिकायत में बताया था कि उनके गांव में बिजली का ट्रांसफार्मर कई दिनों से खराब पड़ा है, जिसकी शिकायत उन्होंने लगभग 15 दिन पहले जेई संजय कुमार से की थी। इसके बावजूद, ट्रांसफार्मर को न तो ठीक किया गया और न ही बदला गया, जिससे ग्रामीण बिजली संकट का सामना कर रहे थे। विज ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए जेई को निलंबित करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पहले ही बिजली निगम के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि शहरी क्षेत्रों में खराब ट्रांसफार्मर को एक घंटे के भीतर ठीक या बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य दो घंटे के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

मंत्री के हस्तक्षेप के बाद, न केवल संबंधित जेई को निलंबित किया गया है, बल्कि बिजली निगम द्वारा चंदपुरा गांव में खराब ट्रांसफार्मर को भी बदल दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिली है। यह कार्रवाई बिजली विभाग में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण

जेजेपी संसदीय बोर्ड का ऐलान डॉ.अजय सिंह चौटाला होंगे चेयरमैन

चंडीगढ़ 13 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने संगठन नवनिर्माण के तहत संसदीय बोर्ड का गठन किया है। साथ ही जेजेपी ने पांच राज्यों के प्रदेशाध्यक्ष और हरियाणा

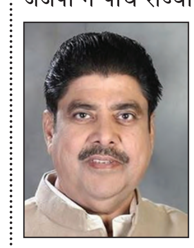

प्रदेश कार्यकारिणी के पांच वरिष्ठ पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जेजेपी के संसदीय बोर्ड में पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, पूर्व विधायक गंगाराम, शीला भ्याण, राज सिंह दहिया, राजेश सूटा, कृष्ण प्रजापत गंगवा एवं सभी प्रदेश अध्यक्ष सदस्य होंगे। जेजेपी ने राजस्थान में पृथ्वीराज मील, दिल्ली में दिनेश डागर, उत्तर प्रदेश में चौधरी महेंद्र सिंह, गुजरात में बच्चन सिंह गुर्जर और पंजाब में संदीप न्यौल को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी हैं। इनके अलावा हरियाणा जेजेपी प्रदेश कार्यकारिणी में ऋषिराज राणा और रणदीप कौल को वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया हैं। प्रदेश संगठन सचिव के पद पर राजेश भारद्वाज को नियुक्त किया हैं। वहीं अंजनी लडा को प्रदेश कोषाध्यक्ष और वीरेंद्र चौधरी को जेजेपी के प्रदेश प्रचार सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।

बेकसूर छात्रों से मारपीट करने और करवाने वाले सभी दोषियों पर हो ठोस कार्रवाई : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़ 13 जून (एजेंसियां)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में धरने पर बैठे विद्यार्थियों को जननायक जनता पार्टी ने समर्थन दिया है। शुक्रवार को जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला एचएयू में पीड़ित छात्रों से मिलने पहुंचे और उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि जेजेपी युवाओं को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। दिग्विजय ने कहा कि अपने हक की बात रखने का सबको अधिकार है और कोई भी तानाशाही से युवाओं की आवाज को नहीं दबा सकता। उन्होंने कहा कि बेकसूर छात्रों के साथ मारपीट करने और करवाने वाले सभी दोषियों पर तुरंत ठोस कार्रवाई हो और विद्यार्थियों की जायज मांगों को तुरंत सुनकर समाधान होना चाहिए।

दिग्विजय चौटाला ने छात्रों को बताया कि उन्होंने इस विषय पर एसपी से बातचीत की है और बिना राजनीति के युवाओं को न्याय दिलाने की मांग की है। दिग्विजय ने कड़े शब्दों में कहा कि एचएयू के वीसी घमंड से बाहर निकले, क्योंकि युवा के पास बड़े से बड़े पद की कुर्सी को उखाड़ फेंकने की ताकत है। दिग्विजय ने कहा कि छात्रों की मांग के मद्देनजर वीसी को हटाने और पूरे घटनाक्रम को राज्यपाल के समक्ष रखने के लिए वे महामहिम राज्यपाल से मिलने का समय मांगेंगे और समय मिलने पर वे विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्यपाल से मिलेंगे। दिग्विजय चौटाला ने घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि शिक्षा के मंदिर में एचएयू प्रशासन ने सरासर दमनकारी नीति अपनाई। उन्होंने कि युवा अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से मिलना चाहते थे, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी मांगों को सुनने की बजाय विद्यार्थियों के साथ मारपीट करवाई, जो कि युवाओं के सुनहरे भविष्य के लिए बेहद गलत है।

राजस्थान विधानसभा में सामूहिक योग 16 को

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा में सोमवार को प्रात: 6:00 बजे सामूहिक योग का आयोजन होगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के सानिध्य में विधायकगण, विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी योग आसन करेंगे।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग दिवस को 100 दिन पूर्व से मनाये जाने के आव्हान पर राजस्थान विधान सभा में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है ताकि जन सामान्य में जागृति पैदा हो सके। देवनानी ने कहा कि योग सनातन की महान विरासत है।

एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी ओटी में आग, आधे घंटे बंद रहा ऑपरेशन थिएटर

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल की इमरजेंसी विंग में बने ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में शुक्रवार सुबह आग लग गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण सर्जिकल डिपार्टमेंट की ओटी के पैनल बोर्ड में आग लगी। गनीमत रही कि आग ज्यादा नहीं फैली और जिस स्थान पर आग लगी वहां उस समय न कोई मरीज था और न ही स्टाफ मौजूद था।

घटना के बाद ऑपरेशन थिएटर का काम करीब आधे घंटे तक बंद रखना पड़ा। सूचना मिलते ही अस्पताल के इलेक्ट्रिशियन मौके पर पहुंचे और शॉर्ट सर्किट वाले पैनल बोर्ड की मरम्मत की गई। इसके बाद ओटी का काम सामान्य रूप से शुरू कर दिया गया।स्टाफ के मुताबिक पैनल बोर्ड में अचानक स्पार्किंग के बाद धुआं भर गया था। धुआं उठते ही वहां मौजूद गार्ड और अन्य कर्मचारियों ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत बिजली की सप्लाई बंद कर दी।

लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल से की औद्योगिक समस्याओं पर चर्चा

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। सूक्ष्म और लघु उद्योगों के राष्ट्रीय संगठन लघु उद्योग भारती के शीर्ष प्रतिनिधि मण्डल ने आज अखिल भारतीय संगठन महामंत्री प्रकाशचंद्र और अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक समस्याओं के व्यावहारिक निराकरण के लिये मुलाकात की जिसमें प्रमुख रूप से राजस्थान के पुराने 37 औद्योगिक क्षेत्रो को रीको में हस्तांतरित करने के विधानसभा में लम्बित बिल को पास करने, जोधपुर पाली बालोतरा, जसोल, बिठूजा में स्थित टेक्सटाइल व स्टील उद्योग से एवं पचपदरा रिफाईनरी से निकलने वाले तेजाबी व लवणीय प्रदूषित पानी के निस्तारण के लिये ड्रेन द्वारा कच्छ की खाड़ी तक पंहुचाने की वृहद् योजना बनाने, ब्यावर व भीलवाड़ा जिलें मे टाईल हब बनाने, कृषि भूमि में रूपान्तरण के बाद म्यूटेशन भरने, पचपदरा के पास रीको पेट्रोजोन हब विकसित करने, पर्यावरण स्वीकृति के लिये लम्बित प्रकरणो का शीघ्र निस्तारण करने, माईनिग क्षेत्र में ड्रोन सर्वे की पुनः समीक्षा करने, जोधपुर के आखलियों को नियमित करने, पेट्रोजोन मे छोटे उद्यमियो को वाजिब दर पर औद्योगिक शेड बनाने, बालोतरा यूआईटी की सीमा में रिग रोड बनाने, कृषि मण्डी टैक्स व कृषक कल्याण सेस को समाप्त करने, रिसोंट व होटल को पूर्ण उद्योग का दर्जा देने, होटल व रिसोंट में भवन पर भी ब्याज व अनुदान देने, रीको द्वारा भूखण्ड आवंटन के बाद उद्योगो की प्रकृति बदलाव की स्वीकृति देने, राइजिंग राजस्थान के तहत् किये गये एमओयू के अन्तर्गत स्वयं की भूमि पर लगने वाले उद्योगों को शिथिलता देने, मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के तहत् लम्बित प्रकरणों की अनुदान राशि जारी करने, माईनर से मेजर उत्पादों को पुनः माईनर में करवाने के लिये केन्द्र सरकार को पत्र देने जैसे अनेक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का रखें ध्यान तय समय में निर्माण कार्य हों पूरे : भजनलाल

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रू. से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर कस्बा सड़क मार्ग से जुड़ा हो ताकि आवागमन में आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं मरम्मत से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए तथा मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने वन विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं को समन्वय स्थापित करते हुए पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए। उन्होंने प्रदेश में प्रगतिरत आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाम के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है । जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अत: सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते-खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता-पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं- या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आप-को ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं, आज वो आपसे आपकी बचपन की बातें शेयर कर सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आप-को बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आप-को फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आ-कर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 जून 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया सायं 03:49 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 12:22 तक
योग : ब्रह रात्रि 01:12 तक
करण : बव सायं 06:06 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 ,सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:35 से ,
भद्रा सायं 03:47 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

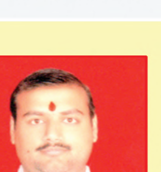

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शहरी स्कूलों के स्मार्ट क्लास रूम से शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल क्रांति

324.56 करोड़ की लागत से बन रहे हैं 2,700 स्मार्ट क्लास रूम

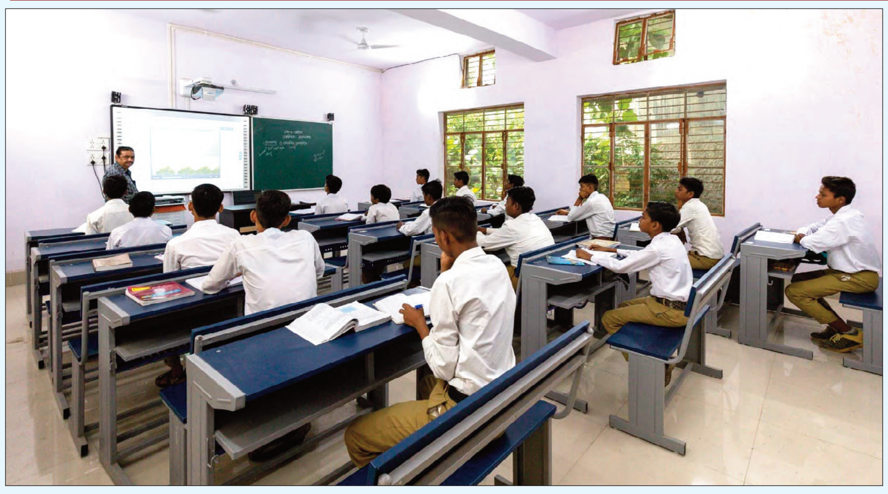

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विजन के अनुरूप नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के स्कूलों विशेष रूप से परिषदीय स्कूलों में शिक्षा को डिजिटल और आधुनिक स्वरूप देने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है।

नगर विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 324.56 करोड़ रुपए की लागत से 2,700 से अधिक स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की गई है। जिनमें से लगभग 1,780 स्मार्ट क्लास रूम पूरी तरह तैयार हो कर संचालित हैं। विभाग के इस सराहनीय पहल का लाभ विशेष रूप से शहर के निम्न आय वर्ग के छात्रों को मिल रहा है।

जो एक ओर डिजिटल व आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं साथ ही वो तकनीकी रूप से भी सक्षम बन रहे हैं। इसका परिणाम है कि प्रदेश के शहरी परिषदीय स्कूलों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्र स्कूलों विशेष रूप से परिषदीय स्कूलों में शिक्षा सुविधा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 2,700 स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की है। विभाग ने अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 324.56 करोड़ रुपए की मद से स्मार्ट क्लास रूम स्थापित कर रहा है। इसके तहत सर्वाधिक स्मार्ट क्लास रूम स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत लगभग 160.83 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1,183 स्मार्ट क्लास रूम की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। जिनमें से प्रदेश के स्मार्ट सिटीज़ में 1,088 कक्षाएं पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं। साथ ही कायाकल्प पहल के तहत लगभग 190 स्मार्ट क्लास रूम 57.66 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई हैं।

यूपी के नगर विकास योजना के आकांक्षी नगर योजना के तहत आकांक्षी नगरों में लगभग 29.43 करोड़ रुपए की लागत से 913 स्मार्ट क्लास रूम की स्वीकृति मिली थी जिसमें से 408 कक्षाएं स्मार्ट क्लासेज बन कर तैयार हो कर संचालित हो रही हैं जबकि 505 निर्माणाधीन हैं। साथ ही 398 नई कक्षाओं को भी स्वीकृति प्रदान की है। वहीं सीएम अभ्युदय कम्पोजिट स्कूल योजना के अंतर्गत 25 विशेष क्लासरूम बनाए जा रहे हैं। वहीं वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत 13 और कायाकल्प परियोजनाएं के तहत 4.25 करोड़ रुपए की लागत से स्मार्ट क्लास रूम की निर्माण किया जा रहा है।

नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निम्न आय वर्ग के छात्रों को आधुनिक एवं डिजीटल शिक्षा की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए हैं। ये क्लास रूम इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड, मल्टीमीडिया लर्निंग कंटेंट और हाई-स्पीड इंटरनेट जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं, जिससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावशाली और इंटरैक्टिव बनाया जा रहा है।

स्मार्ट क्लास रूम के बारे में बताते हुए नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि हम शहरी शिक्षा को एक नए आयाम में ले जा रहे हैं। ये स्मार्ट क्लास रूम न केवल छात्रों को तकनीक से जोड़ रहे हैं बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस पहल का सकारात्मक परिणाम विशेष रूप से शहर के परिषदीय स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति दर और नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

नगर विकास विभाग की यह पहल न केवल डिजिटल शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम है, बल्कि यह प्रदेश के शहरी क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में गुणवत्तापूर्ण सुधार भी ला रहा है। नगर विकास विभाग के प्रयास से विभिन्न योजनाओं के तहत 2022 से शुरू हुए इस अभियान के तहत स्वीकृत 65 प्रतिशत से अधिक स्मार्ट क्लास रूम का संचालन हो रहा है। जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में नामांकन दर बढ़कर 59.6 प्रतिशत हो गई है जो राष्ट्रीय औसत से भी लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। यही नहीं स्मार्ट क्लास रूम से छात्रों की सीखने की क्षमता और शिक्षा के प्रति रूझान में वृद्धि हुई है। परिषदीय स्कूलों में छात्रों के ड्राप आउट में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

यूपी को भी अड्डा बना रखा है पाकिस्तानियों ने

68 साल से नागरिकता लेकर रह रहा था सेराजुल

पाकिस्तानी ने सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ लिया

कुशीनगर, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में पाकिस्तानी नागरिक सिराजुल हक को पकड़ा गया है। वह 68 साल से भारत में लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) पर रह रहा था। उसने फर्जी दस्तावेज बनाकर भारत की नागरिकता ली और सरकारी लाभ लिए। मामले में दो अन्य आरोपी चांद अख्तर और शब्बीर आजम को गिरफ्तार किया गया है। सिराजुल हक अपनी मां कुलसुम खातून के साथ भारत में घुसा था।

पुलिस के अनुसार, पटहेरवा थाना क्षेत्र के पिपराकनक के गगलवा चैनपट्टी में सिराजुल हक छिपकर रह रहा था। सिराजुल हक 1957 में अपनी मां कुलसुम खातून के साथ पूर्वी पाकिस्तान से एलटीवी पर भारत आया था। हर साल वीजा का नवीनीकरण होता है। लेकिन इस बीच उसकी मां की मौत हो गई, लेकिन वह फिर भी वीजा अवधि बढ़ाकर रहता रहा। इस बीच सिराजुल हक ने 10 साल पहले सहज जन सेवा केंद्र चलाने वाले चांद अख्तर और शब्बीर आजम की मदद से नकली भारतीय दस्तावेज बनाए। उन दस्तावेजों के आधार पर वह सारी सरकारी योजनाओं का लाभ लेता रहा। दोनों जालसाजों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पाकिस्तानी को फर्जी दस्तावेज मुहैया कराने वाले शेख सूबेदार नाम के व्यक्ति की भी तलाश की जा रही है।

15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अफसरों ने लखनऊ एयरपोर्ट पर 15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। खुफिया सूचना के आधार पर बैंकॉक से लखनऊ आए दो भारतीय नागरिकों की तलाशी में गांजा पकड़ा गया। सामान की जांच के दौरान एल्युमिनियम फॉयल में लिपटे हुए 155 वैक्यूम-सील पैकेट बरामद किए गए। इन पैकेटों में मौजूद हरे रंग का पदार्थ फील्ड परीक्षण में गांजा (कैनाबिस) पाया गया।

सभी पैकेट से कुल 15.46 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। हाइड्रोपोनिक गांजा एक उच्च-गुणवत्ता वाला गांजा है, जिसे मिट्टी के बिना, पोषक तत्वों से भरपूर पानी में नियंत्रित वातावरण में उगाया जाता है। यह सामान्य गांजे की तुलना में अधिक शक्तिशाली होता है और अवैध बाजारों में इसकी काफी मांग रहती है। जब्त मादक पदार्थ की अवैध बाज़ार में अनुमानित कीमत लगभग 15.46 करोड़ है। दोनों व्यक्तियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेस (एनडीपीएस) अधिनियम-1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

हार्ट अटैक से अधिवक्ता की मौत सदमे में बड़े भाई ने भी तोड़ा दम

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

राजधानी लखनऊ में वकील अभिषेक उर्फ पवन सिंह (25) की चार दिन पहले तहसील कार्यालय में हार्ट अटैक से मौत हो गई। सदमे से उनके बड़े भाई मोनू सिंह ने भी शुक्रवार को दम तोड़ दिया।

बताया गया कि छोटे भाई अभिषेक की मौत का उनको काफी गहरा सदमा लगा। इससे सुबह उनकी तबियत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मौत हो गई। बंथरा में हनुमान मंदिर के पास रहने वाले लाल बहादुर के दो बेटे मोनू सिंह (46) और अभिषेक सिंह उर्फ पवन (25) थे। अभिषेक सरोजनी नगर तहसील कार्यालय में वकालत करते थे, जबकि मोनू सिंह घर पर ही मेडिकल स्टोर चला रहे थे। मोनू की शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे तबीयत खराब हो गई। परिजन उन्हें पास के निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने मोनू को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि अभिषेक की मौत से मोनू सिंह के ऊपर ज्यादा सदमा पड़ा और इसी से डिप्रेशन में आकर उनकी भी मौत हो गई। फिलहाल मोनू की मौत के बाद पूरे घर में मातम छाया हुआ है। मोनू की करीब 20 वर्ष पहले शादी हुई थी। उनके परिवार में अब पत्नी के अलावा पिता लाल बहादुर और मां हीरामणि हैं।

अभिषेक बीते सोमवार को सरोजनी नगर तहसील में पैदल चलते-चलते अचानक चक्कर आने के बाद बेसुध होकर गिर गए थे। उन्हें पीजीआई ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। बताते हैं कि अभिषेक घर में सभी लोगों के ज्यादा दुलारे थे। इसकी वजह से अभिषेक की मौत के बाद पूरा परिवार सदमे में आ गया। सबसे ज्यादा सदमा मोनू सिंह को लगा। वह अभिषेक की मौत के बाद से काफी परेशान थे।

76 सेतु परियोजनाओं को पूरा करने में लगा सिर्फ एक साल

वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक 76 सेतु परियोजनाएं पूर्ण

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

उत्तर प्रदेश में मात्र एक साल में 76 सेतु परियोजनाओं का निर्माण उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हुए पूरा कर लिया गया है। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस उपलब्धि को हासिल किया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा जिन 76 सेतु परियोजनाओं को रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया उनमें 43 नदी सेतु, 28 आरओबी और 5 फ्लाईओवर शामिल हैं। खास बात यह है कि यह उपलब्धियां केवल एक वर्ष की अवधि तक सीमित नहीं है। सीएम योगी के अब तक के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्य प्रदेश की भविष्य की जरूरतों अनुसार उत्तम कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित हुए हैं।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले 8 वर्षों में सीएम योगी के निर्देश व मार्गदर्शन में राज्य सेतु निगम लिमिटेड ने कुल 471 सेतु परियोजनाओं के उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण में सफलता प्राप्त की है। इसमें 313 नदी सेतु, 143 आरओबी तथा 15 फ्लाईओवर शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार राज्य सेतु निगम लिमिटेड के टर्नओवर में भी सीएम योगी के अब तक के कार्यकाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक ओर, वित्तीय वर्ष 2017-18 में जहां कुल टर्नओवर 1013.74 करोड़ था, वहीं वित्तीय वर्ष 2018-19 में यह बढ़कर 1360.34 करोड़ पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 तथा 2021-22 में भी वृद्धि दर्ज करते हुए टर्नओवर क्रमशः 1511.18 करोड़, 1936.92 करोड़ तथा 1959.33 करोड़ रहा। वर्ष 2022-23 में हालांकि टर्नओवर में कुछ कमी आई और वह 1946 करोड़ के स्तर पर रहा। इसके बाद वर्षों में टर्नओवर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2023-24 में टर्नओवर बढ़कर 2376 करोड़ हो गया जबकि 2024-25 में यह 2583 करोड़ रुपए हो गया। यानी, वित्तीय वर्ष 2017-18 से लेकर 2024-25 तक राज्य सेतु निगम लिमिटेड के टर्नओवर में 2.5 गुना वृद्धि हुई है।

राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा प्रदेश में जारी विभिन्न सेतु परियोजनाओं के निर्माण और विकास को लेकर एक विस्तृत खाका तैयार किया गया है। सीएम योगी के निर्देशानुसार प्रदेश के 10 मंडलों में जारी निर्माण व विकास कार्यों को लेकर इसमें विस्तृत ब्यौरा पेश किया गया है। इसी कार्ययोजना के आधार पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेशभर में जारी विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। इनमें वरीयता के आधार पर उन कार्यों को पहले प्राथमिकता दी जाएगी जिनके पूरा होने पर बड़े स्तर पर क्षेत्रीय आबादी को लाभ मिलेगा।

सिपाही सौरभ की हत्या में शामिल साजिद मुठभेड़ में जख्मी

गाजियाबाद, 13 जून (न्यूज़ लायन)। गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र के नाहल गांव में सिपाही सौरभ कुमार की हत्या के मुख्य आरोपी कादिर के भाई साजिद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। वेव सिटी थाना क्षेत्र में बीती रात हुई मुठभेड़ में साजिद के बाएं पैर में गोली लगी। उसे इलाज के लिए सीएचसी डासना भेजा गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि साजिद डासना की ओर से काजीपुरा की तरफ आ रहा है। वेव सिटी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल राजपूत और पुलिस टीम ने डासना-काजीपुरा मार्ग पर चेकिंग शुरू की।

इसी दौरान साजिद बाइक पर आता दिखा, लेकिन रुकने के इशारे पर भागने लगा। रास्ता खराब होने के कारण बाइक फिसल गई और वह गिर पड़ा। पकड़े जाने के डर से साजिद ने पुलिस पर फायर किया, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की और उसके पैर पर गोली लगी। घटनास्थल से एक बाइक, तमंचा और दो कारतूस बरामद किए गए। अब तक इस हत्याकांड में 16 आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि 4 इनामी आरोपित अभी फरार हैं।

गलत तरीके से भुगतान लेने वाले 39 अस्पतालों की संबद्धता निलंबित

आयुष्मान योजना के तहत नहीं कर सकेंगे इलाज

लखनऊ, 13 जून (न्यूज़ लायन)।

उत्तर प्रदेश में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्टेट एजेंसी फॉर कंप्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) से गलत तरीके से भुगतान लेने वाले 39 अस्पतालों की संबद्धता निलंबित कर दी गई है। निलंबन अवधि में वे योजना के तहत मरीजों का उपचार नहीं कर पाएंगे। हालांकि पांच को छोड़कर 34 अस्पतालों ने रुपये लौटा दिए हैं।

योजना के तहत पंजीकृत 39 अस्पतालों के खाते में साचीज के अधिकारियों/कर्मचारियों की

आईडी का दुरुपयोग कर लगभग 9.94 करोड़ की राशि भेज दी गई थी। पोर्टल के माध्यम से अनियमित तरीके से किए गए भुगतान के मामले में साचीज प्रबंधन ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। पूरे मामले में विभागीय जांच भी चल रही है।

विभागीय जानकारों का कहना है कि प्रकरण की जांच में कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों का फंसना तय है। जांच के दौरान कई स्तरों पर लापरवाही भी मिली है। फिलहाल जिन अस्पतालों को अनियमित भुगतान प्राप्त हुआ है, उन्हें योजना से निलंबित कर दिया गया है। अनियमित भुगतान लेने के संबंध में वसूली नोटिस भेजी गई। इस पर पांच अस्पतालों ने अभी रुपये नहीं लौटाए हैं, जबकि 34 अस्पतालों ने 7.46 करोड़ रुपये लौटा दिए हैं। अन्य अस्पतालों से भी वसूली की कार्रवाई चल रही है।

प्रदेश में जिन अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना से निलंबित किया गया है। उनमें मुस्तफा अस्पताल, इंडिया अस्पताल, विद्या अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर, चैरिटेबल एवं मेडिकल संस्थान लखनऊ, उस्मानी नर्सिंग होम, सुपर वेदांत सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर, आयुष्मान अस्पताल, एम पारस हेल्थ केयर अस्पताल बिजनौर, यूनिक हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, सर्जिमेड अस्पताल, सेलेक्ट अस्पताल, फोटॉन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा, फोटॉन अस्पताल, एमआई अस्पताल, मेडविन मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, गैलेक्सी सर्जिकल और मैटरनिटी सेंटर, एवीएस अस्पताल मुरादाबाद, यूनिक अस्पताल, ऑन्कोकेयर कैंसर अस्पताल, डॉ. केसी मेमोरियल गुप्ता अस्पताल, डिवाइन हेल्थकेयर अमरोहा, किरपालु हॉस्पिटल, आयुष्मान हॉस्पिटल, अम्बे हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर हापुड़, महालक्ष्मी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर, गुलावठी पल्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बुलंदशहर, चौधरी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल गाज़ियाबाद, सूर्या हॉस्पिटल, आरएन हॉस्पिटल, न्यू आदर्श हॉस्पिटल, अशोक हॉस्पिटल देवरिया, पूर्वांचल अस्पताल, मीनल नर्सिंग होम गोरखपुर, यूनिक हास्पिटल एंड अट्रासाउंड सेंटर अमरोहा शामिल हैं।

पैनेसिया अस्पताल वाराणसी, हिंदुस्तान चाइल्ड अस्पताल बहराइच, सनराइज हॉस्पिटल, न्यूलाइफ हॉस्पिटल हापुड़ तथा सकीना अस्पताल मुरादाबाद ने अभी अनियमित तरीके से लिए गए भुगतान की राशि लौटाई नहीं है। उन्हें दोबारा नोटिस भेजा गया है। ये भी 39 अस्पतालों की निलंबन सूची में हैं।

साचीज का प्रयास है कि अस्पतालों का भुगतान पारदर्शिता और नियमों के अनुरूप हो। हर पात्र लाभार्थी को योजना का लाभ मिले। जांच चल रही है, जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिन लोगों ने रुपये नहीं लौटाए हैं, उनसे वसूली की प्रक्रिया जारी है।

लड़कियों को गोरखपुर से नेपाल ले जा रहे लव जेहादी गिरफ्तार

सोनौली, 13 जून (न्यूज़ लायन)। भारत-नेपाल सीमा सोनौली में बीते दिनों तीन मुस्लिम युवकों को हिंदू लड़कियों को नेपाल ले जाते पकड़ा गया। यूपी के आजमगढ़ निवासी अयान खान, बासित खान और मोहम्मद अरबाज ने इन लड़कियों को सोशल मीडिया पर फंसाया। फिर बहला फुसलाकर उन लड़कियों को नेपाल ले जा रहे थे। इस मामले को लव जेहाद से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, हिंदू लड़कियों में एक युवती जौनपुर की है, जो मुंबई में नौकरी करती है। युवती को पहले प्रेम-जाल में फंसाया, फिर उसके माध्यम से गोरखपुर की दो नाबालिग लड़कियों को भी अपने जाल में उलझाया। कोतवाल अजीत सिंह ने बताया कि अयान, बासित और अरबाज दो साल से सोशल मीडिया पर तीनों लड़कियों से दोस्ती की। फिर उन्हें बहला-फुसलाकर गोरखपुर बुलाया और यहां से नेपाल लेकर जाने की फिराक में थे। उन्होंने कहा कि फिलहाल नेपाल ले जाने के कारण की जांच की जा रही है।

पेट्रोल-डीजल यूपी के गौतम बुद्ध नगर और बिहार में हुआ सस्ता

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां) ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों ने आग पकड़ ली है। मध्यपूर्व के इलाकों में बढ़ रहे तनाव की वजह से ओपेक ने क्रूड की कीमतों में तगड़ा उछाल किया। ब्रेंट क्रूड 2 दिनों में ही करीब 10 डॉलर महंगा होकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार सुबह जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी उछाल दिख रहा। शुक्रवार को कई शहरों में तेल महंगा हुआ तो कुछ जगह कीमतों में कटौती की गई है। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल

ब्रेंट क्रूड 2 दिनों में ही 10 डॉलर महंगा हुआ

कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 22 पैसे सस्ता होकर 94.52 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 34 पैसे गिरा और 87.55 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे चढ़कर 94.82 रुपये और डीजल 15 पैसे महंगा होकर 87.97 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 20 पैसे गिरावट के साथ 105.21 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 18 पैसे गिरकर 91.48 रुपये लीटर बिक रहा है।

गोयल ने स्वीडन के उद्यमियों के साथ व्यापार, निवेश पर की बातचीत

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टॉकहोम की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के पहले दिन स्वीडन सरकार के वरिष्ठ सदस्यों और उद्योग जगत की हस्तियों के साथ बैठकों में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों का विस्तार करने, व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ाने और उभरते क्षेत्रों में सहयोग के नये रास्ते निकालने के बारे में चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा कि गोयल ने स्वीडन के अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग और विदेश व्यापार मंत्री बेंजामिन डौसा और विदेश व्यापार के राज्य सचिव महामहिम हाकन जेवरेल से मुलाकात की।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान की 'रेको दिक' परियोजना के लिए 70 करोड़ डॉलर के ऋण मंजूर

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और विश्व बैंक ने पाकिस्तान की प्रमुख खनन एवं संसाधन विकास योजना के लिए 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रियायती ऋण को मंजूरी दी है। 'रेको दिक' परियोजना को बलूचिस्तान प्रांत में अंजाम दिया जाएगा जिसे देश के खनिज समृद्ध क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। एक खबर के अनुसार ऋणदाताओं द्वारा यह मंजूरी पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण जीत मानी जा रही है। इस मंजूरी के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र से पाकिस्तान को अपनी सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक 'रेको दिक' परियोजना में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना के देश के संसाधन विकास क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बैरिक गोल्ड, पाकिस्तान तथा बलूचिस्तान सरकार के पास संयुक्त रूप से इस परियोजना का स्वामित्व है। इस खदान से 2028 में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है ।

टाटा को पछाड़कर हुंडई फिर तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स को बहुत ही मामूली अंतर से पीछे छोड़ते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने एक बार फिर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हुंडई की घरेलू बिक्री टाटा से केवल 2,304 यूनिट अधिक रही, लेकिन इस मामूली फासले ने बाजार की रैंकिंग बदल दी। वहीं, महिंद्रा ने 52,431 यूनिट्स की घरेलू बिक्री के साथ 21.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज करते हुए दूसरी सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी का तमगा हासिल किया। महिंद्रा की यह उपलब्धि इसके मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो का नतीजा है, जिसमें एक्सयूवी 700 और स्कारपियो-एन जैसी गाड़ियां शामिल हैं। वहीं, मारुति सुजुकी ने 1,35,962 यूनिट्स के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा, हालांकि इसमें 5.6प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। छोटे कारों की डिमांड में आई कमी ने उसकी कुल बिक्री को प्रभावित किया। टाटा मोटर्स की मई में घरेलू बिक्री 41,557 यूनिट्स रही, जो पिछले साल के मुकाबले 11प्रतिशत कम है। हालांकि इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में कंपनी ने 2प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,685 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, टोयोटा ने 29,280 यूनिट्स के साथ 22.2प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की, जिसमें 10,168 यूनिट्स मारुति से रीबैज किए गए मॉडल्स थे। किआ ने 22,375 यूनिट्स की बिक्री कर 14.4प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। स्कोडा ने 133.7 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 6,740 यूनिट्स बेचे। दूसरी ओर, निसान, रेनो, सिट्रोएन और जीप जैसे ब्रांड्स की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली।

टीवीएस नया इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारने की तैयारी में

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर जल्द ही एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। यह नया स्कूटर कंपनी के लोकप्रिय मॉडल जुपिटर का इलेक्ट्रिक वर्जन हो सकता है, जिसे जुपिटर ईवी नाम दिया जा सकता है। वर्तमान में टीवीएस के पास आईक्यूब जैसे सफल इलेक्ट्रिक स्कूटर उपलब्ध हैं, जिनके कई ट्रिम्स को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यही वजह है कि कंपनी अब अपनी ईवी रेंज को और मजबूत करने पर जोर दे रही है। कंपनी पहले से ही प्रीमियम सेगमेंट के लिए टीवीएस एक्स नामक इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश कर चुकी है, जिसकी कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है। हालांकि इसकी ऊंची कीमत और सीमित उपलब्धता के चलते इसकी बिक्री अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो पाई है। ऐसे में टीवीएस एक ऐसे स्कूटर की तलाश में है जो आम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर सके और बजट फ्रेंडली हो। जुपिटर ब्रांड का इलेक्ट्रिक वर्जन इस मामले में कंपनी के लिए एक अहम कदम हो सकता है, क्योंकि यह एक भरोसेमंद नाम है और ग्राहकों के बीच पहले से ही लोकप्रिय है। अगर यह स्कूटर लॉन्च होता है, तो इसकी टक्कर बजाज चेतक और ओला एस1एक्स जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों से होगी।

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्जा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्जा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है। वहीं, भारत के हरित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा क्षेत्र में प्रमाणन, नियोजन सहायता और हरित रोजगारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

उल्लेनीय है कि इन राष्ट्रीय प्रयासों को पूरक बनाते हुए दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को तेज़ करने, स्थानीय ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने और हरित रोजगारों का सृजन करने के लिए अपनी स्वयं की ईवी नीतियां पेश की हैं। ये विकास हरित ऊर्जा और ईवी क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हैं।

हिमाचल सरकार करेगी आलू के लिए एमएसपी का ऐलान

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि किसानों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए आलू का समर्थन मूल्य जल्द ही घोषित करेगी। दरअसल मुख्यमंत्री सुक्खू हाल ही में हिमाचल प्रदेश पुनरोद्धार वर्षा आधारित कृषि नेटवर्क द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। अपने उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित ऊर्जा और प्राकृतिक खेती को जोरदार तरीके से बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है और आने वाले वर्ष में इसमें और वृद्धि की जाएगी। प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए आने वाले वर्ष में कई नई योजनाएं लागू की जाएंगी।

एयर इंडिया हादसे से बढ़ी बीमा कंपनियों की मुश्किलें

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां) ।

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया ड्रीमलाइनर विमान हादसे में हुए बड़े नुकसान के बाद, भारत के एविएशन सेक्टर को अब तक का सबसे बड़ा बीमा क्लेम देखने का मौका मिल सकता है। जानकारों के मुताबिक, हादसे में विमान की क्षति का मूल्य करीब 80 मिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जिसे बीमा क्षेत्र में 'हल लॉस' कहा जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, बीमा कंपनियों को करीब 120 मिलियन डॉलर या उससे ज्यादा की भरपाई करनी पड़ सकती है।

देना पड़ सकता है 1000 करोड़ से ज्यादा के क्लेम

हादसे से जुड़े यात्रियों को मुआवजे में 30 से 50 मिलियन डॉलर तक का खर्च और जुड़ सकता है। यहां तक कि विमान में कई हाई-नेटवर्थ इंडिविजुअल्स सवार थे, जिनके दावे 100 मिलियन डॉलर तक हो सकते हैं।

इस हादसे से संबंधित बीमा पॉलिसी में टाटा एआईजी मुख्य बीमाकर्ता है, जबकि न्यू इंडिया एश्योरेंस, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, और जीआईसी रे जैसी कंपनियों ने भी हिस्सेदारी ली है। भारत में इससे पहले दो बड़े विमान हादसों में 2010 में मंगलूरु और 2020 में कोझीकोड कुल 60-70 मिलियन डॉलर का बीमा क्लेम हुआ था।

इस बार की क्षति इन दोनों से कहीं अधिक मानी जा रही है। भारतीय बीमाकर्ताओं ने जोखिम का केवल 10 फीसदी से भी कम हिस्सा अपने पास रखा है, अधिकांश जोखिम अंतरराष्ट्रीय रीइंश्योरेंस कंपनियों के पास है।

1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलेंगे

1 अगस्त से यूपीआई से जुड़े नियम बदलने वाले हैं। ये बदलाव आमजन को प्रभावित करेंगे। खबरों के अनुसार, 1 अगस्त से आप केवल 50 बार ही अपने बैंक बैलेंस को यूपीआई एप से चेक कर सकेंगे। एक बड़ा बदलाव ये भी होने वाला है कि मोबाइल नंबर से जो बैंक अकाउंट लिंक है उसकी डिटेल 25 बार से अधिक नहीं देखी जा सकेगी। वहीं ऑटो पेमेंट को लेकर एक और बदलाव किया जाएगा। वहीं एसआईपी या नेटफ्लिक्स के सब्सक्रिप्शन पेमेंट को केवल नॉन पीक ऑवर्स में आप कर पाएंगे। इसे आपके पास सुबह 10 बजे से पहले करने का मौका होगा। वहीं दोपहर में 1 से 5 के बीच और रात के 9:30 बजे के बाद आपके पास इसका सब्सक्रिप्शन पेमेंट करने का मौका होगा।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस: अंबानी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां) ।

देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं।

हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मुकेश अंबानी ने आगे लिखा है, ''दुख की इस घड़ी में, रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूर्ण और अटूट समर्थन देता है तथा हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। ओम शांति।

उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। एक यात्री जिंदा बचा है। एयर इंडिया के अनुसार इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार थे, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई।

मई 2025 में कुल 19.39 लाख टू-व्हीलर वाहन बिके

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां) ।

भारत की दोपहिया वाहन इंडस्ट्री ने घरेलू और निर्यात बाजार में मिलाकर मई 2025 में कुल 19.39 लाख टू-व्हीलर वाहन बिके। दोपहिया वाहनों की यह बिक्री पिछले साल की तुलना में 5.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, अप्रैल 2025 की तुलना में 11.86प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। घरेलू बाजार में कुल 15.90 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई, जिसमें सालाना 2.94प्रतिशत और मासिक 14.02प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

इस महीने हीरो ने 4.88 लाख यूनिट्स की बिक्री के साथ टॉप पोजिशन हासिल की, हालांकि इसकी ग्रोथ मामूली 1.99प्रतिशत रही। इसके उलट टीवीएस और सुजुकी ने बाजार में दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। टीवीएस ने जहां 14.07प्रतिशत की सालाना बढ़त हासिल की, वहीं सुजुकी ने 17.11प्रतिशत की उछाल के साथ बाजार में अपनी पकड़ मजबूत की। रॉयल एनफील्ड ने भी 19.34प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इसके मुकाबले होंडा की बिक्री में 7.4प्रतिशत की गिरावट देखी गई। निर्यात के मोर्चे पर भारत ने 3.49 लाख यूनिट्स भेजे, जो कि सालाना 18.98प्रतिशत की ग्रोथ है। इस सेगमेंट में बजाज ऑटो और टीवीएस ने लगभग बराबर प्रदर्शन किया, जबकि रॉयल एनफील्ड ने 81.96प्रतिशत की जबरदस्त छलांग लगाकर सबको चौंका दिया। कुल मिलाकर टीवीएस मोटर ने 15.73प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि रॉयल एनफील्ड ने 25.94प्रतिशत की ग्रोथ के साथ खुद को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित किया।

बैंक ग्राहकों को केवायसी अपडेट के लिए भेजेगी नोटिस

मुंबई । आरबीआई ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं कि वे ग्राहकों को समय-समय पर केवायसी अपडेट करने के लिए नोटिस भेजें। यह कदम ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने और केवायसी प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बैंक और वित्तीय संस्थाएं अब केवायसी की समयअवधि से पहले कम से कम तीन अग्रिम सूचनाएं भेजेंगी। इनमें से एक सूचना अनिवार्य रूप से पत्र के माध्यम से होगी। यदि ग्राहक समय पर केवायसी अपडेट नहीं करते हैं, तो बैंक तीन अनुस्मरण नोटिस भी भेजेंगे— जिनमें से एक पत्र द्वारा होगा। इस नियम का प्रभाव उन खातों पर अधिक पड़ेगा जो: जनधन योजना स्कीम जैसे कार्यक्रमों के तहत खोले गए हैं और केवायी अपडेट लंबित है। बैंक इन सभी नोटिस और अनुस्मरण पत्रों का रिकॉर्ड रखेंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर ऑडिटिंग में इनका इस्तेमाल हो सके।

थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के नए हेड कोच, तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

लंदन, 13 जून (एजेंसियां)।

टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा।

51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेंटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी।

टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीज़न की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं।

फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेंटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं।

टोटेनहम में उन्हें अब एक उच्च गुणवत्ता वाली टीम मिलेगी, हालांकि पिछला प्रीमियर लीग सीज़न ब्रेंटफोर्ड ने टोटेनहम से ऊपर खत्म किया था। साथ ही, वे पहली बार यूईएफए चैंपियंस लीग में कोचिंग करते नज़र आएंगे।

इस लिहाज़ से टोटेनहम का यह फैसला थोड़ा जोखिमभरा भी माना जा रहा है, क्योंकि फ्रैंक ने अपने मैनेजेरियल करियर में अब तक कोई ट्रॉफी नहीं जीती है।

हालांकि, 2019 के बाद से एंटोनियो कॉन्टे और जोसे मोरिन्हो जैसे विश्वस्तरीय मैनेजर भी टोटेनहम में सफलता नहीं दिला सके हैं, ऐसे में क्लब ने इस बार ऐसे कोच को मौका दिया है जिसके पास प्रीमियर लीग का अच्छा खासा अनुभव है।

ब्रेंटफोर्ड ने 2021 से प्रीमियर लीग में अपनी जगह बनाई है और लगातार अपने प्रदर्शन से उम्मीदों से बेहतर नतीजे दिए हैं।

टोटेनहम ने यह भी पुष्टि की है कि फ्रैंक अपने साथ ब्रेंटफोर्ड से कुछ कोचिंग स्टाफ भी लाएंगे, जिसमें असिस्टेंट कोच जस्टिन कोक्रेन और मैनचेस्टर यूनाइटेड से आने वाले सेट-पीस स्पेशलिस्ट आंद्रेयास जॉर्जसन शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

स्टटगार्ट ओपन 2025: अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जस्टिन एंगेल ने रचा इतिहास

स्टटगार्ट। जर्मनी के शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को 6-2, 7-6(7) से हराकर स्टटगार्ट ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट विंबलडन की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम माना जा रहा है। फ्रेंच ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करने वाले ज्वेरेव ग्रास कोर्ट पर अब तक संघर्ष करते आए हैं और उन्होंने अभी तक इस सतह पर कोई खिताब नहीं जीता है। ज्वेरेव बोले – जीत ही सबसे अहम 28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे सेट में मौटे ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, टाईब्रेकर में ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। उन्होंने कहा, मैं 6-2, 6-2 से जीतना पसंद करता, लेकिन मैच में ऐसा नहीं चुन सकते। जीत सबसे अहम होती है और मैं खुश हूं कि कल फिर खेलने का मौका मिलेगा। ऑगर-अलियासिम की वापसी, एंगेल का धमाका कनाडा के चौथे वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने जियोवानी म्पेची पेरिकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह जीत उनके लिए 2022 के बाद पहली ग्रास कोर्ट जीत है। अब उनका मुकाबला जर्मनी के 17 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जस्टिन एंगेल से होगा। 17 वर्षीय एंगेल ने रचा इतिहास एंगेल ने अमेरिकी सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स मिकेलसन को 6-4, 6-4 से हराकर सबको चौंका दिया। उन्होंने दोनों सेटों में 2-1 की बढ़त बनाई और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। वह स्टटगार्ट ओपन के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट बन गए हैं और 1985 में बोरिस बेकर के विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के बाद किसी भी एटीपी ग्रास कोर्ट इवेंट के सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट भी बन गए हैं।

केविन डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी छोड़ने के बाद नापोली के साथ किया करार

मिलान। बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर केविन डि ब्रून ने इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी से विदाई लेने के बाद अब इटली के क्लब नापोली से करार कर लिया है। नापोली के अध्यक्ष और फिल्म निर्माता ऑरेलियो डी लॉरेंटिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर डि ब्रून के साथ हाथ मिलाते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा, स्वागत है, केविन! सूत्रों के मुताबिक, 33 वर्षीय डि ब्रून ने नापोली के साथ दो साल का अनुबंध साइन किया है, जिसमें एक साल का अतिरिक्त विकल्प भी शामिल है। वह यहां अपने अंतरराष्ट्रीय साथी रोमेलू लुकाकू और पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड मिडफील्डर स्कॉट मैकटॉमिने के साथ खेलते नजर आएंगे। सिटी में सफल रहा दशक डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी के साथ छह प्रीमियर लीग खिताब और 2023 में यूईएफए चैंपियंस लीग सहित कई ट्रॉफियां जीतीं। पेप ग्वार्डियोला के नेतृत्व में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पिछले दो सत्रों में वह दो हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण कई मुकाबलों से बाहर रहे। स्कुडेटो बचाने के मिशन पर नापोली नापोली ने उन्हें यूरोप के शीर्ष मिडफील्डरों में से एक के रूप में अपनी टीम में शामिल किया है। टीम अगले सत्र में न केवल सेरी ए खिताब की रक्षा करेगी, बल्कि विस्तारित चैंपियंस लीग में भी भाग लेगी। इंटर को पछाड़ बना था चैंपियन एंटोनियो कॉन्टे के कोच रहते हुए नापोली ने इंटर मिलान को अंतिम दिन पछाड़कर सेरी ए खिताब अपने नाम किया था। यह पिछले तीन वर्षों में क्लब का दूसरा लीग खिताब है।

मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये

ढाका। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मिराज को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की है। मिराज अगले एक साल तक के लिए कप्तान बनाये गये हैं। उन्हें नजमुल हुसैन शांतो की जगह कप्तान बनाया गया है। वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से कप्तानी संभालेंगे। कप्तान बनोय जाने पर मिराज ने खुशी जतायी है। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। इस ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सेनाध्यक्ष और...

यूनुस और उसकी चौकड़ी, जिसमें तथाकथित छात्र समन्वयक के साथ-साथ जमात-ए-इस्लामी, हिफाजत-ए-इस्लाम, हिज्बुत-तहरीर और अंसार अल-इस्लाम (अलकायदा का स्थानीय सहयोगी) जैसे कट्टरपंथी इस्लामी गुट शामिल हैं, इसके अलावा अमेरिकी डीप स्टेट और पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जैसे प्रभावशाली बाहरी खिलाड़ी भी बांग्लादेश में चुनाव कराने के सख्त खिलाफ हैं। वे इस बात से डरे हुए हैं कि चुनाव होने पर बांग्लादेश की सत्ता पर लंबे समय तक पकड़ बनाए बनाए रखने की उनकी महत्वाकांक्षा पर पानी फिर जाएगा।

युनुस के साथी बांग्लादेश के संविधान को निष्प्रभावी करने की भयावह योजना को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसके तहत वे जुलाई चार्टर नामक एक घोषणा जारी कर रहे हैं। अगर यह कदम सच साबित होता है, तो मौजूदा शासन को तथाकथित क्रांतिकारी सरकार में बदल दिया जाएगा, जिससे मोहम्मद युनुस को एकाधिकार मिल जाएगा और वो अपनी करतूतों से बच जाएंगे। इससे उन्हें राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद चुप्पू और सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान को बर्खास्त करने का मौका मिल जाएगा और बांग्लादेश को एक क्रूर तानाशाही में बदलने का रास्ता साफ हो जाएगा। एक इस्लामिक गणराज्य या बंगाल खिलाफत तैयार करने में यूनुस को अमेरिकी डीप स्टेट, पाकिस्तानी आईएसआई और तुर्की जैसे इस्लामिस्ट सहयोगियों का पूरा समर्थन प्राप्त है।

जनरल वकार उज़ ज़मान के साथ बैठक के तीन हफ़्ते से भी कम समय के बाद, यूनुस ने राष्ट्र के नाम एक टेलीविज़न संबोधन दिया जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से दिसंबर 2025 के बजाय अप्रैल 2026 में चुनाव कराने का इरादा जताया। जबकि सेना प्रमुख ने दिसंबर 2025 में चुनाव कराने का सुझाव दिया था। उन्होंने लोगों से चटगांव पोर्ट को डीपी वर्ल्ड को पट्टे पर देने के विपक्ष के किसी भी प्रयास का विरोध करने का आह्वान किया। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि डीपी वर्ल्ड कंपनी यूएस डीप स्टेट द्वारा नियंत्रित है।

जनरल वकार उज जमान के सुझावों की खुली अव-हेलना यूनुस की बढ़ती हुई तानाशाही प्रवृत्ति को दर्शाती है और इस विश्वास की ओर इशारा करती है कि वह अब उन ताकतों के प्रति जवाबदेह नहीं है जिन्होंने उसे सत्ता पर बिठाया था। यह याद रखना जरूरी है कि यूनुस को अगस्त 2024 में जनरल वकार द्वारा फ्रांस से वापस लाया गया था और मुख्य सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया था। यूनुस के सख्त रुख के पीछे दो कारण नजर आते हैं। या तो यूनुस को डर है कि सत्ता छोड़ने पर उन्हें पिछले दस महीनों में की गई वित्तीय अनियमितताओं और अपराधों की जांच का सामना करना पड़ सकता है, या फिर उन्हें लगता है कि वे जनरल वकार उज ज़मान, पूरी सशस्त्र सेना और यहां तक कि बांग्लादेश के लोगों से भी अधिक शक्तिशाली हो चुके हैं।

8 अगस्त 2024 को पदभार ग्रहण करने के बाद से यूनुस ने कई ऐसे कार्य किए हैं जिन्हें सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्य माना जाता है। यूनुस ने सेना खुफिया महानिदेशालय (डीजीएफआई) के तहत आतंकवाद निरोधी ब्यूरो के पिछले महानिदेशकों और निदेशकों पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाया और आतंकवाद और उग्रवाद से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उनके अपराधों के लिए अज्ञात संख्या में सैन्य अधिकारियों को नजरबंद कर दिया। हैरानी की बात है कि इनमें से किसी भी कार्रवाई में जनरल वकार उज ज़मान की ओर से कोई स्पष्ट आपत्ति नहीं जताई, जिससे सशस्त्र बलों के भीतर चिंता पैदा हो गई। कई अधिकारियों और सैनिकों को अब लगता है कि उन्हें यूनुस और उनके विदेशी समर्थकों द्वारा बंधक बनाया जा रहा है। अविश्वास के इस माहौल ने पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश की सेना के रैंकों के भीतर अपना प्रभाव मजबूत करने में सक्षम बनाया है।

यूनुस ने एक अमेरिकी नागरिक खलीलुर रहमान को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त करके देश के अंदरूनी तंत्र को भड़काने का काम किया। खलीलुर रहमान के बारे में व्यापक रूप से माना जाता है कि उसे अमेरिकी डीप स्टेट का समर्थन प्राप्त है और वह पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के साथ घनिष्ठ संबंध रखता है। जबकि जनरल वकार उज ज़मान और बीएनपी दोनों ने खलीलुर रहमान को तुरंत हटाने की मांग की थी, लेकिन यूनुस ने उस मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया।

वर्तमान में, बांग्लादेश में दुर्भावना के तमाम वातावरण तैयार करने वाले मोहम्मद यूनुस किंग चार्ल्स तृतीय से सद्भावना पुरस्कार प्राप्त करने के लिए यूनाइटेड किंगडम का दौरा कर रहे हैं। किंग चार्ल्स खुद कई विवादों में उलझे हुए सम्राट हैं। यूनुस ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से मिलने की इच्छा जताई, लेकिन ब्रिटिश पीएम ने यूनुस से मिलने से मना कर दिया। यूनुस का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम 13 जून को लंदन में बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान के साथ मिलना था। यूनुस तारिक को विलंबित चुनाव का निर्णय स्वीकार करने, चटगांव बंदरगाह को डीपी वर्ल्ड को पट्टे पर देने, आगामी जुलाई चार्टर का समर्थन करने और भारत विर-ोधी भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंधों को गहरा करने के लिए राजी करने के लिए पूरा जोर लगाने की तैयारी करके लंदन गए थे।

यह भी उल्लेखनीय है कि यूनुस ने पिछले दस महीनों में अपनी 11 विदेश यात्राओं पर अरबों टका (बांग्लादेशी मुद्रा) खर्च किए है। ये यात्राएं देश के लिए कोई ठोस लाभ दिए बिना उनकी व्यक्तिगत छवि को बढ़ावा देने के लिए की गई हैं। तारिक रहमान के साथ यूनुस की बैठक महत्वपूर्ण है। यदि वह तारिक का सहयोग प्राप्त करने में विफल रहते हैं तो यूनुस सत्ता के व्यवहारिक विकल्प से बाहर हो सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ब्रिटिश सम्राट से पुरस्कार पाने और बीएनपी नेता तारिक रहमान का समर्थन पाने की कोशिश करने के पीछे यूनुस का प्रयास खुद को ताकतवर दिखाना है, ताकि बांग्लादेश की सत्ता पर उसकी पकड़ बनी रह सके। अगस्त 2024 की कार्रवाई के बाद अवामी लीग लगभग भंग हो गई है और इसकी नेता शेख हसीना भारत में निर्वासित हैं, बीएनपी एकमात्र व्यवहार्य राजनीतिक ताकत है जो यूनुस को चुनौती देने की स्थिति में है। अगर तारिक रहमान यूनुस के प्रस्तावों को अस्वीकार कर देते हैं, तो इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं। यूनुस न केवल अमेरिकी डीप स्टेट का समर्थन खो सकते हैं, बल्कि उन्हें बांग्लादेश के सैन्य प्रतिष्ठान के भीतर से बढ़ते प्रतिरोध का भी सामना करना पड़ सकता है। तारिक के समर्थन के साथ यूके से वापस न लौटने पर यूनुस और सशस्त्र बलों के बीच तनाव फिर से बढ़ने की संभावना है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बीएनपी और उसके अध्यक्ष तारिक रहमान का जनरल वकार उज ज़मान को पूरा समर्थन प्राप्त है, जिससे यूनुस राजनीतिक रूप से खतरनाक स्थिति में फंस सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार और टेलीविज़न एंकर जिल्लुर रहमान द्वारा हाल ही में किए गए एक खुलासे के अनुसार, यूनुस के कई करीबी सहयोगी और सलाहकार पहले से ही देश से भागने और विदेश में शरण लेने के विकल्प तलाश रहे हैं। जिल्लुर रहमान, जिन्हें यूनुस का लंबे समय से समर्थक माना जाता है, द्वारा इस तरह का धमाका करने से व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं कि यूनुस शासन का अंत निकट हो सकता है।

अगर यूनुस सत्ता में बने रहने में असमर्थ हैं, तो उनका पतन अचानक हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रपति शहाबुद्दीन अहमद चुप्पू द्वारा नियुक्त एक तटस्थ मुख्य कार्यकारी के नेतृत्व में एक नई कार्यवाहक सरकार का गठन हो सकता है। इस कार्यवाहक प्रशासन को एक निश्चित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय चुनाव आयोजित करने का काम सौंपा जाएगा। इस प्रक्रिया में, जनरल वकार उज ज़मान के नेतृत्व में बांग्लादेश सशस्त्र बलों से लोकतांत्रिक शासन और राष्ट्रीय स्थिरता को बहाल करने के लिए अपना पूरा सहयोग देने की उम्मीद है।

मोहम्मद यूनुस और तारिक रहमान के बीच 13 जून की मुलाकात सिर्फ एक राजनीतिक मुलाकात नहीं है – यह एक निर्णायक क्षण है जो यह निर्धारित करेगा कि बांग्लादेश लोकतांत्रिक बहाली की ओर आगे बढ़ेगा या सत्तावादी अंधकार में डूब जाएगा। अगर यूनुस देरी से चुनाव कराने, विदेशी दासता और संवैधानिक तोड़फोड़ की अपनी भव्य योजना में बीएनपी को शामिल करने में विफल रहता है, तो उसका शासन तेज़ी से ढह जाएगा। अब देश का भाग्य इस बात पर निर्भर करता है कि क्या इसके लोग, राजनीतिक ताकतें और सशस्त्र बल विदेशी संरक्षकों और स्थानीय षड्यंत्रकारियों द्वारा संचालित एक धीरे-धीरे बढ़ती तानाशाही का विरोध करने के लिए एक साथ उठ सकते हैं। बांग्लादेश एक ख़तरनाक चौराहे पर खड़ा है। अब बांग्लादेश के पास दो ही विकल्प हैं या तो वह अपनी संप्रभुता पुनः प्राप्त करने की जद्दोजहद करे या एक स्व-घोषित सुल्तान और उसके संरक्षक अंतरराष्ट्रीय आकाओं के आगे आत्मसमर्पण कर दे।

ईरान के ...

और इजराइल उसे ऐसा करने से रोकेगा।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने ईरान पर हमले के बाद पूरे देश में आपातकाल की घोषणा की है। इजराइल कैट्ज ने चेतावनी दी है कि ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले होने की आशंका है। पूरे इजराइल में सायरन बज रहे हैं और प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने सुरक्षा मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा है कि उसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी आक्रामकता के जवाब में यह हमला किया है। इस हमले के बाद इराक ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है, जिससे विमानों की आवाजाही रुक गई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरान के पास परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त यूरेनियम जमा होने की खबरें आ रही थीं, जिसे इजराइल अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। इजराइल ने इस कार्रवाई को एहतियात के तौर पर किया गया हवाई हमला बताया है। उधर, ईरान ने इजराइली हमले में रिवोल्यूशनरी गार्ड के मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली हाजीजादेह के मारे जाने की पुष्टि की है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने दो शीर्ष सैन्य कमांडरों के मारे जाने के बाद उनकी जगह नए अधिकारियों की नियुक्ति की है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि जनरल अब्दुल रहीम मौसावी को सशस्त्र बलों का नया प्रमुख बनाया गया है। वह जनरल मोहम्मद बाघेरी की जगह लेंगे। मूसेवी इससे पहले ईरानी सेना के प्रमुख थे।

खामेनेई ने मोहम्मद पाकपौर को अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वह जनरल हुसैन सलामी की जगह लेंगे। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड को 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद बनाई गई थी। इजराइली हमले में मारे गए परमाणु वैज्ञानिकों में अब्दुलहामिद मिनोचेहर, अहमदरेजा जोल्फागरी, अमीर हुसैन फेकी, मोटालेब्लिजादेह, मोहम्मद मेहदी तेहरानची और फेरेदून अब्बासी शामिल हैं। इजराइली हमले और ईरानी प्रतिकार के माहौल में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, हम ईरान और इजराइल के बीच हुए घटनाक्रमों से बहुत चिंतित हैं। हम परमाणु स्थलों पर हमलों से संबंधित रिपोर्टों सहित उभरती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। भारत दोनों पक्षों से किसी भी तरह के आक्रामक कदम से बचने का आग्रह करता है। स्थिति को कम करने और अंतर्निहित मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत और कूटनीति के मौजूदा चैनलों का उपयोग किया जाना चाहिए। भारत के दोनों देशों के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं और वह हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। दोनों देशों में हमारे मिशन भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं। क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा सलाह का पालन करने की सलाह दी जाती है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली हमले के बीच ईरान से कहा है कि पहले ही बहुत मौतें और विनाश हो चुका है, लेकिन इस नरसंहार को समाप्त करने के लिए अभी भी समय है। ट्रंप ने ईरानी पक्ष को फिर से परमाणु समझौता करने को कहा है। ट्रंप ने चेतावनी भी दी कि इजराइल के हमले और भी बुरे होंगे। अब भी समय है, इस रक्तपात को रोका जा सकता है। हमले की अगली योजना पहले से ही बनाई जा चुकी है और वे पहले से कहीं ज्यादा क्रूर होंगे। ट्रंप ने कहा, अमेरिका दुनिया में अब तक का सबसे बेहतरीन और सबसे घातक सैन्य उपकरण बनाता है, और इजराइल के पास इसका बहुत ज्यादा भंडार है, और आने वाले समय में और भी बहुत कुछ होगा, और वे इसका इस्तेमाल करना जानते हैं। समझौते को लेकर कुछ ईरानी कट्टरपंथियों ने बहादुरी से बात की, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि क्या होने वाला है। वे सभी अब मर चुके हैं, और यह और भी बदतर होगा।

सामाजिक सुरक्षा...

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का 48.8 प्रतिशत का आकलन भारत के सामाजिक सुरक्षा परिदृश्य के लिहाज से अभी अधूरा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह डेटा अभी पूलिंग अभ्यास का पहला चरण है। इसमें 8 राज्यों के केंद्रीय और महिला-केंद्रित योजनाओं के लाभार्थियों के आंकड़े शामिल किए गए हैं। दूसरे चरण के पूरा होने के बाद भारत की कुल सामाजिक सुरक्षा कवरेज 100 करोड़ से अधिक तक पहुंच सकती है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक मूल्यांकन करने के लिए 19 मार्च 2025 को भारत के सामाजिक सुरक्षा डेटा पूलिंग अभ्यास के पहले चरण की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य भारत की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के डेटा को इकट्ठा करना है। पहले चरण में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और गुजरात सहित दस राज्यों को केंद्रीय स्तर पर डेटा एकत्र करने के लिए चुना गया है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज के आंकड़ों को 2025 में अपडेट करने वाला भारत दुनिया का पहला देश भी है। केंद्रीय मंत्री का कहना है कि इससे डिजिटाइजेशन और लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की प्रणाली में पारदर्शिता मजबूत हुई है।

दुर्घटनाग्रस्त विमान...

यह इलाका हवाई अड्डे के पास स्थित है, जहां गुरुवार दोपहर बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जहां पर काफी मशक्कत के बाद टीम ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफल रही। पुलिस उपायुक्त (जोन 4) कानन देसाई ने कहा कि अब तक विमान का कोई डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) नहीं मिला है।

दूसरी तरफ, डायरेक्टर जनरल सिविल एविएश (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े के सभी विमानों की सुरक्षा जांच कराने का निर्देश दिया है। विमानन निदेशालय ने इसके लिए आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेडे. की फिर से सख्त सुरक्षा जांच होगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और 7 बोइंग 787-9 विमान हैं। विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया को निर्देश दिया है कि वह तत्काल प्रभाव से अपने जेनएक्स इंजन से लैस बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों पर अतिरिक्त रखरखाव (मेंटनेंस) कार्य करे। ये कार्य डीजी-सीए के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के समन्वय से किए जाएंगे।

डीजीसीए ने यह भी आदेश दिया है कि विमान के कैबिन की हवा से जुड़ी मशीनों, इंजन को नियंत्रित करने वाली इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों, ईंधन से चलने वाले इंजन के हिस्से और तेल से जुड़ी प्रणाली की अच्छी तरह जांच की जाए। इसके अलावा, हाइड्रोलिक प्रणाली (जो विमान को हिलाने-चलाने में मदद करता है) की हालत देखने और टेक ऑफ के जरूरी आंकड़ों की भी समीक्षा करने को कहा गया है। डीजीसीए ने कहा कि बी787-8/9 विमानों में पिछले 15 दिनों के दौरान बार-बार आई खराबी की समीक्षा के आधार पर रखरखाव कार्यों को तत्काल बंद कर दिया जाना चाहिए। जीईएनएक्स इंजन, जीई एयरोस्पेस द्वारा बनाए जाते हैं। गुरुवार को जीई एयरोस्पेस ने कहा कि वह एयर इंडिया और अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जांच में सहयोग देने के लिए तैयार है। जीई एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा, हमने अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम को सक्रिय कर दिया है।

खालिस्तान समर्थक...

अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तहत पुलिस ने 479 किलो कोकीन जब्त की है। इसकी कीमत करीब 47.9 मिलियन डॉलर है। इसके साथ ही पुलिस ने कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सजगित योगेंद्रराजा (31), मनप्रीत सिंह (44), फिलिप टेप (39), अरविंदर पोवार (29), करमजीत सिंह (36), गुरतेज सिंह (36), सरताज सिंह (27), शिव ओंकार सिंह (31) और हाओ टॉमी हुइन्ह (27) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अमेरिका और कनाडा के बीच वाणिज्यिक ट्रकों से ड्रग्स भेजता था। समूह के मेक्सिको ड्रग कार्टेल और अमेरिका में ड्रग वितरकों से संबंध थे। ड्रग्स बेचकर जो पैसा मिलता था, उसका इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों जैसे विरोध प्रदर्शन, जनमत संग्रह, हथियारों की खरीद आदि में किया जाता था। खुफिया एजेंसियों को शक है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इस ड्रग नेटवर्क का समर्थन कर रही है, जो कनाडा में खालिस्तानी समूहों का इस्तेमाल मेक्सिकन कोकीन और अफगान हेरोइन की तस्करी के लिए कर रही है।

कनाडा के कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन होने वाला है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर पीएम मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। कार्नी ने पिछले सप्ताह पीएम मोदी को फोन कर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया था। खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क पर यह कार्रवाई पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से ठीक पहले की गई है। जी-7 शिखर सम्मेलन का निमंत्रण मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मार्क कार्नी को उनकी हालिया चुनावी जीत की बधाई दी थी। साथ ही शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और कनाडा मजबूत संबंधों वाले जीवंत लोकतंत्र हैं। दोनों देश नई ऊर्जा और साझा लक्ष्यों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में कार्नी से मुलाकात करने के लिए उत्सुक हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में 15 से 17 जून तक आयोजित होगा। इससे पहले, पीएम कार्नी ने ओटावा में बोलते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन उभरते और विकासशील देशों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा है, इसलिए भारत को इस सम्मेलन में शामिल होना चाहिए।

देश और प्रदेश...

उन्होंने 2006 से 2009 तक फिर से राज्य पार्टी प्रमुख के रूप में कार्य किया। इसके अलावा, उन्होंने केंद्रीय स्तर पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव से लेकर राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक की विभिन्न भूमिकाएं भी निभाईं। श्री दत्तात्रेय ने अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी दोनों के नेतृत्व वाली सरकारों में केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में काम किया। मोदी मंत्रालय के प्रथम सत्र में वे नवंबर 2014 से सितंबर 2017 तक श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे। इस अवधि के दौरान उन्होंने संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों के कल्याण और उत्थान के लिए देश के विभिन्न श्रमिक संघों के साथ मिलकर काम किया। 2014 में उन्होंने पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। बंडारू दत्तात्रेय की सामाजिक-राजनीतिक सद्भाव यात्रा जारी है। शुभ-लाभ परिवार श्री दत्तात्रेय के स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु होने की शुभकामना करता है...

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 14 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री आईजी गौशाला में प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजारोहण सम्पन्न

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में राधे कृष्णा एवं आईमाताजी के मंदिर के तेरहवीं वार्षिक वर्ष गांठ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव व ध्वजारोहण कार्यक्रम गौ भक्तो द्वारा भव्य रूप से आयोजित किया गया।

जगदीश सीरवी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सह सचिव ढगलाराम सेपटा ने बताया कि हर वर्ष की भांति प्राण प्रतिष्ठा व ध्वजारोहण कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। प्रातः वेला में मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर राधे कृष्ण व आईमाता जी का पंडितजी द्वारा विशेष श्रृंगार किया गया। गौशाला में भव्य साँची ज्योत, गाजे-बाजे के साथ प्रारम्भ होकर श्री आईजी गौशाला प्रांगण पहुँची। कृष्ण भगवान के मंदिर में पूजा-अर्चना कर शुभ मुहूर्त में महिलाओं द्वारा मंगल गान के बीच राधे कृष्णा व माताजी मंदिर पर ध्वजारोहण गौ भक्तो द्वारा किया गया।इसके बाद सर्व समाज व गौ भक्त के सानिध्य में राधे कृष्णा भगवान की आरती एवं पंडितजी के द्वारा पूजा-अर्चना की गयी। गौ भक्तों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गयी। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार ने गौ भक्तों द्वारा किये गये धार्मिक कार्य के लिए आभार प्रकट किया। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार,सह सचिव ढगलाराम सेपटा ने तेरहवीं वार्षिक प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजारोहण कार्यक्रम गौभक्त बन्धुओं को शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार,सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार , सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा बढेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़,श्री आईजी सेवा संघ अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, सीरवी समाज बालाजी नगर बढेर सचिव हीरालाल चोयल, उपाध्यक्ष नारायणलाल बर्फा, घेवरराम,पारसमल शर्मा, अर्जुनलाल बर्फा, भंवरलाल मुलेवा, मोतीलाल काग,नेमाराम काग, पवन हाम्बड़,माधुराम चोयल, एन आर पटेल सर्व समाज व पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, महिलाए व गौ भक्त सपरिवार उपस्थित रहे। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्वामी कमलेश जी महाराज पुनेवाले के नगरागमन पर हवाईअड्डे पर उनका स्वागत करते हुए राजाराम कमल काबरा व भक्तगण।

कोरा श्री संघ सिकंदराबाद के तत्वावधान में 2025 के वर्षावास हेतु विहार कर रहे पूज्य महासती जिनशासन दीपिका मधुर व्याख्याणी पु.श्री राजमतीजी म.सा राजुल, मुस्कान प्रिय स्पष्टवक्ता विनयश्रीजी म. सा , नवदिक्षिताश्री जिव्याश्रीजी म. सा.आदि ठाणा-3 ने राजापुर से विहार करके सकलेचा फार्म हाउस, मदनपल्ली में पदार्पण किया। इस अवसर पर जैन श्री संघ मलकपेट के मार्गदर्शक कुशलराज पोकरणा, अध्यक्ष सुरेश गादिया, मंत्री अशोककुमार सिंघवी, उपाध्यक्ष गौतमचंद कोठारी, सह-मंत्री कमल सिंघवी, कोषाध्यक्ष अशोक कोठारी एवं कार्यकारणी सदस्य दिलीप गादिया ने दर्शन वंदन व आशिर्वाद ग्रहण किये एवं पूज्य महासतीजी के नगर प्रवेश आगामी बुधवार 18 जून 2025 को जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान के होने की जानकारी व रूप रेख प्रदान की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर रामप्रकाश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, गोपाल गोयल, भगतराम गोयल, ई जगन (चंपा पालतू), कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

तेलंगाना के नवनियुक्त श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विवेक को बधाई देते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग। साथ में हैं वेणुगोपाल लोया, कमल सारडा, अनमोल सारडा, संध्या सारडा, बालाजी असावा, नितिन झंवर एवं अन्य।

एनआईआईएमएच द्वारा योगाभ्यास सत्र का आयोजन

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा 21वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (खऊध) 2025 उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है, जिसका इस वर्ष का विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' निर्धारित किया गया है । डॉ. जी पी प्रसाद, संस्थान प्रभारी सहायक निदेशक जी के अध्यक्षता में योग संयोग, हरित योग, योग संगम आदि जैसे सिग्नेचर ईवेंटस् के माध्यम से जन-जागरूकता और जन-भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, दिनांक 12 जून 2025 को संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों और संस्थान के समीपस्थ रहिवासियों के लिए एक विशेष योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया।

इस योगाभ्यास सत्र हेतु 'योगानन्द योग केंद्र' के प्रसिद्ध योगाचार्य जी. नित्यानंद जी को आमंत्रित किया गया था। सत्र की शुरुआत में, योगाचार्य जी ने प्रतिभागियों को नियमित योगाभ्यास से होने वाले स्वास्थ्यवर्धक फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके उपरांत, उपस्थित सभी ने उनके द्वारा प्रदर्शित योगासनों का अनुसरण करते हुए योगाभ्यास में सक्रिय रूप से सहभागिता की। सत्र के समापन पर, प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी पी प्रसाद जी ने योगाचार्य जी नित्यानंद जी का सम्मान किया और 21 जून 2025 तक संस्थान द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के बारे में भी जानकारी प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से 'योग संगम' जैसे आगामी कार्यक्रमों में व्यापक जन-भागीदारी के लिए अनुरोध किया।

इस योगाभ्यास सत्र में संस्थान से डॉ. वी श्रीदेवी, अनु. अधि. (आयु), डॉ. अशफाक अहमद, अनु. अधि. (यूनानी), डॉ. संतोष माने, अनु. अधि. (आयु), डॉ. बिस्वो रंजन दास, अनु. अधि. (होमियो) सहित अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया।

अंत में, श्री के श्रीनिवास राव, पुस्तकालय सूचना सहायक द्वारा अतिथि वक्ता, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहभागिता करने वाले सभी उपस्थित जनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 189वां निशुल्क नेत्र और दंत्त जांच शिविर 22 को

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी करके जानकारी दी कि इस 189 वां विशाल निशुल्क नेत्र और दंत जांच शिविर का आयोजन 22 जून 2025 रविवार सुबह 10- 2 तक किया जा रहा है। यह शिविर में एम एम सी सी टेलेंट स्कूल में सम्पन्न होगा। इस शिविर में स्थानीय सहयोग गुरुद्वारा साहिब श्री रामदास जी प्रबंधक कमेटी का रहेगा।इस शिविर में स्वरुप आई सेंटर,आबिड, बंजारा हिल्स हैदराबाद के नेत्र जांच विशेषज्ञ नेत्र संबंधी रोगीयों को सेवा प्रदान करेगें। जो रोगी जांच में मोतियाबिंद से पीड़ित पाया जायेगा,उसका मोतियाबिंद का निःशुल्क आपरेशन स्वरूप आई सेंटर में संघन जांच के बाद होगाएनकेडेंटलक्लिनिक,हनुमान टेकडी,आबिड, हैदराबाद के डॉ नितिन तोशनीवाल दंत रोगीयों के रोग निवारण हेतु सेवा प्रदान करेंगें । स्थानीय निवासियों से मंच और गुरूद्वारा कमेटी का निवेदन है कि भारी संख्या में आकर इस शिविर का लाभ उठायें ।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 25^0

भारतीय शिक्षण मंडल की अखिल भारतीय प्रांत प्रमुख बैठक का उद्घाटन सम्पन्न

विश्व नेतृत्व के उत्कर्ष हेतु मूल्याधारित शिक्षा की भूमिका अहम : इंद्रसेना रेड्डी

ऑपरेशन सिंदूर ने वैश्विक मंच पर भारत की तकनीकी क्षमता को स्थापित कर विश्व विमर्श को नया आयाम दिया : जी. सतीश रेड्डी

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय शिक्षण मंडल की अखिल भारतीय प्रान्त प्रमुखों की त्रिदिवसीय बैठक 13 जून से 15 जून तक हैदराबाद के कान्हा शांति वनम में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में पूर्वोत्तर के राज्यों मणिपुर,मिजोरम, अरुणाचल, त्रिपुरा तथा जम्मुकाश्मीर, लद्दाख, झारखण्ड सहित देश के सभी राज्यों से 274 प्रांत टोली कार्यकर्ता सहभागिता कर रहे हैं। उक्त बैठक में देश के विभिन्न विश्विविद्यालयों के 30 से अधिक कुलगुरू व देश के राष्ट्रीय महत्त्व के शैक्षिक संस्थानों के निदेशक व प्रमुख शिक्षाविद भी सहभागिता कर रहे हैं।भारतीय शिक्षण मंडल की अखिल भारतीय प्रांत प्रमुख बैठक के उद्घाटन सत्र में त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेना रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली के निर्माण में संलग्न देश के श्रेष्ठतम मनीषियों को संबोधित करना एक सम्मान का विषय है। उन्होंने भारत केंद्रित व मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली को भारतीय शिक्षा प्रणाली में समाहित करने के लिए भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मूल्य समान रूप से आवश्यक हैं। भारतीय शिक्षण मंडल का अनुसंधान, प्रबोधन, प्रशिक्षण, प्रकाशन एवं संगठन पर आधारित कार्य-प्रणाली भारत के लिए उपयुक्त शैक्षिक संरचना की नींव है। विशेष रूप से, गुरुकुल शिक्षा का पुनर्जागरण, भारतीय ज्ञान परंपराओं का एकीकरण, और मूल्याधारित शिक्षा प्रणाली की दिशा में शिक्षण मंडल की पहल अत्यंत सराहनीय है।

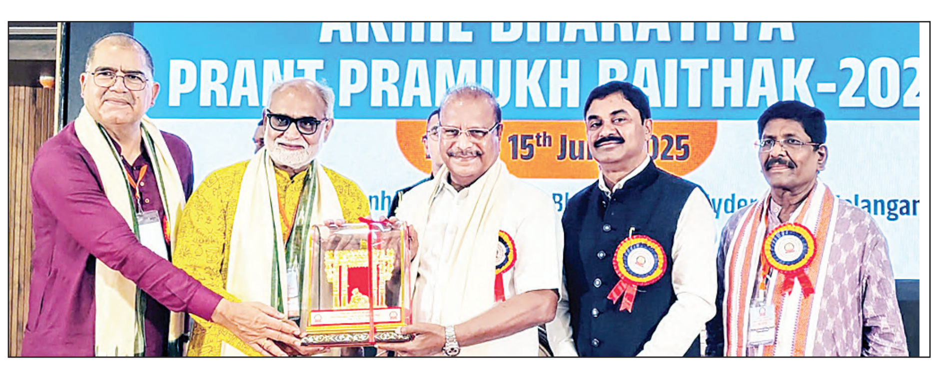

राज्यपाल रेड्डी ने आगे कहा कि गुरुकुल प्रणाली केवल शैक्षणिक व्यवस्था नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से मूल्यों का बीजारोपण करने वाली जीवन यात्रा है। ऐसे में, यह संगठन शिक्षा को मैकॉले के ढांचे से निकालकर भारत-केंद्रित दिशा में पुनर्निर्मित करने की सशक्त शक्ति बनकर उभर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि 21वीं सदी भारत की होगी, और अगले दशक में शिक्षा क्षेत्र के योगदान से भारत विश्व पटल पर अग्रणी भूमिका निभाएगा।इस अवसर पर डी0आर0डी0ओ0 के पूर्व अध्यक्ष डॉ0 सतीश रेड्डी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कहा कि यह वह युग है, जब भारत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। तकनीक किसी भी राष्ट्र के विकास का प्रमुख संकेतक होती है, और इसकी आधारशिला देश की शिक्षा व्यवस्था होती है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की तकनीकी क्षमता को वैश्विक पटल पर प्रमाणित कर दिया है।

स्वागत भाषण के दौरान भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ0 सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि शिक्षण मंडल युवाओं को बौद्धिक योद्धाओं के रूप में तैयार कर राष्ट्र निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। अच्छे शिक्षकों के बिना उत्तम समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारतीय शिक्षण मंडल विभिन्न आनंदशालाओं के माध्यम से शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण में संलग्न है। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय शिक्षण मंडल के 70% सुझावों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा वर्ष 2024 में आयोजित 'विविभा' कार्यक्रम के माध्यम से 1400 से अधिक युवा शोधार्थियों को भारत-केंद्रित एवं मूल्याधारित अनुसंधान की दिशा में प्रेरित किया गया है, जो 'विकसित भारत' के निर्माण हेतु एक सशक्त बौद्धिक आधार एवं परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में योगदान देंगे।सत्र का संचालन डॉ0 उमा, प्रांत मंत्री, तेलंगाना प्रांत, अतिथि परिचय डॉ मधुकर, विश्वविद्यालय कार्य-विभाग प्रमुख, तेलंगाना प्रांत एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 शिवराज, प्रांत अध्यक्ष, तेलंगाना प्रांत द्वारा किया गया।

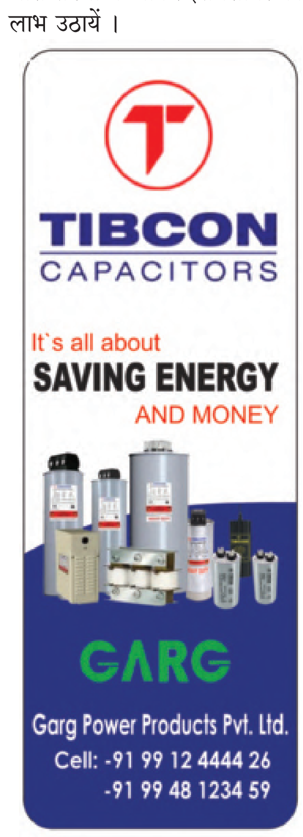

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृतक आत्माओं की शांति के लिए शोक सभा आयोजित

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रमुख शिक्षाविद् एवं ज्ञान भारती हाई स्कूल के संवाददाता वी प्रभाकर राव ने कहा कि अहमदाबाद में हुए भीषण विमान दुर्घटना की घटना से वे अत्यंत स्तब्ध एवं दुखी हैं। शुक्रवार को उन्होंने ज्ञान भारती हाई स्कूल, पुरानी बस्ती, गौलीपुर में तेलंगाना नागरिक परिषद एनजीओ द्वारा आयोजित शोक सभा कार्यक्रम में भाग लिया तथा एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि इस घटना में चालक दल सहित 242 लोगों को ले जा रहा विमान पास के डॉक्टरों के छात्रावास से टकरा गया तथा इमारत में मौजूद डॉक्टरों की भी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि

इतनी बड़ी दुर्घटना ने न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को त्रासदी में डुबो दिया है।बीआरएस के वरिष्ठ नेता राधाकृष्ण एवं पवन रेड्डी ने कहा कि हमने न केवल यात्रियों को खोया है बल्कि कल के युवा डॉक्टरों को भी खोया है। हम विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं तथा प्रभु से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करते हैं।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता काशमोनी सियाराव मुदिराज ने कहा कि उम्मीदों और सपनों का टूटकर आंसुओं में बदल जाना शायद इस भयानक दुर्घटना की त्रासदी है और इसमें मारे गए लोगों के परिवारों का रोना अवर्णनीय है और उन्होंने प्रार्थना की कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

अमेरिका के दौरे पर गए तेलंगाना नागरिक परिषद के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने संदेश भेजकर कहा कि वे इस विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और संवेदना व्यक्त करते हैं।प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता समा विजय कुमार पोथुराजू ने कहा कि वे मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हैं।

इस शोक कार्यक्रम में तेलंगाना बिजली विभाग बीसी डिवीजन सचिव जी वेणुगोपाल, स्कूल स्टाफ श्रीमती रमादेवी, विजयलक्ष्मी, सीएच स्नेहलता, निर्मला, इमरान खान और अन्य लोगों ने भाग लिया और अपनी संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर छात्रों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अतिथियों ने राष्ट्रीय ध्वज थामे, मोमबत्तियां जलाईं और इस त्रासदी में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा।

दोहा (कतर) निवासी एवं प्रतिष्ठित धातु उद्योगपति और आयात-निर्यात उद्यमी मोहम्मद मुस्तफा शरीफ मदनी का स्वागत समारोह भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर उन्हें मोहम्मद शम्सुद्दीन, संपादक - स्नेप्स इंडिया, अमानुल्लाह खान, व्यवसायी, मोहम्मद सलीम,अमजद, उद्योगपति और इलियास कादरी, वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और खाड़ी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले टीआरएस समुदाय के नेता ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

संत कबीर दास के साहित्य पर चर्चा और कवि गोष्ठी आज

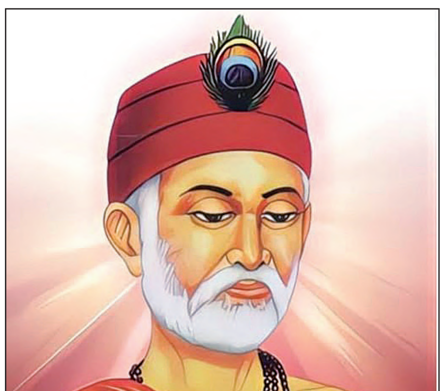

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 605वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन शनिवार, 14 जून, 2025 को सायं 5-00 बजे से मोजमज़ाही मार्केट स्थित कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर, आरोग्य अस्पताल के सेल्लार सभागृह, हैदराबाद में संपन्न होगा। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद का यह 51वाँ वर्ष चल रहा है। इस गोष्ठी के प्रथम सत्र में 'वर्तमान में संत कबीरदास की प्रासंगिकता' विषय पर चर्चा की जाएगी, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आर्य प्रतिनिधि सभा तेलंगाना के उप-प्रधान श्री ठाकुर लक्ष्मण सिंह आर्य, अशोक दोशी आदि विद्वान साहित्यकार अपने विचार प्रस्तुत करेंगे और संचालन का भार गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, संघ के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय सँभालेंगे।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस गोष्ठी के द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन संपन्न होगा, जिसमें नगरद्वय के कवियों द्वारा देश के वर्तमान हालात और जीवन के विभिन्न चित्र अपनी कविताओं में प्रस्तुत किये जाएँगे, जिसमें नये-पुराने कवि कविता-पाठ करेंगे। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती रत्नकला मिश्र ने सभी लेखकों, कवियों तथा हिंदी प्रेमी श्रोताओं से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम के आरंभ में कवि आर. दुर्गाराज पटून की ओर से जलपाल की व्यवस्था रहेगी।

पचेरी अग्रवाल समिति की वार्षिक साधारण सभा व चुनाव कल

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पचेरी अग्रवाल समिति की वार्षिक साधारण सभा व चुनाव का आयोजन रविवार दि. 15 जून को सुबह 11:30 बजे से घांसी बाजार स्थित राणी सती मंदिर में किया जा रहा है।

जिसमें समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, संयुक्त मंत्री व कोषाध्यक्ष के पद के लिए चुनाव संपन्न कराए जाएंगे।

जिसके लिए चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश पचेरिया व गोविंदराम पचेरिया को नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष गोपाल पचेरिया ने सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

उच्च न्यायालय ने तेलंगाना वक्फ बोर्ड की नियुक्ति की पुन: जांच के निर्देश दिए

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुरेपल्ली नंदा ने तेलंगाना वक्फ बोर्ड के सदस्य के रूप में एमएके मुखीद की नियुक्ति को चुनौती देने वाली रिट याचिका का निपटारा कर दिया । अदालत ने राज्य सरकार को नियुक्ति की फिर से जांच करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।अधिवक्ता मुशाहिद अली द्वारा दायर याचिका में तर्क दिया गया कि जीओ सुश्री संख्या 10 (मार्च 2024) बिना अधिकार क्षेत्र के जारी किया गया था और संवैधानिक और वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है। न्यायाधीश ने कहा कि कानूनी प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और निर्देश

जारी करने से पहले सुप्रीम कोर्ट के उदाहरणों का हवाला दिया।

एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में न्यायमूर्ति नामवरपु राजेश्वर राव ने 74 पंचायत सचिवों द्वारा दायर रिट याचिका पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया , जिन्होंने ग्राम पंचायतों के नगर पालिकाओं में विलय के बाद नगरपालिका सेवा में शामिल होने की मांग की थी।याचिकाकर्ताओं ने 17 मार्च और 30 मई, 2025 को जारी किए गए ज्ञापनों को चुनौती दी , जिसके तहत उस दिशा में पहले उठाए गए कदमों के बावजूद उनके आमेलन को रोका गया। वरिष्ठ वकील सी. रघु ने तर्क दिया कि 2022 नगरपालिका मंत्रिस्तरीय अधीनस्थ सेवा नियमों के अनुसार , वे आमेलन के लिए पात्र थे।सचिवों ने वेतन में देरी और तबादलों की धमकियों का भी आरोप लगाया । अदालत ने अधिकारियों को उनकी सेवा और पोस्टिंग के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया और राज्य से जवाब मांगा।

हाईकोर्ट ने डेक्सविले गेटेड कम्युनिटी में व्यावसायिक भवन के खिलाफ याचिका स्वीकार की

न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने माचिरेवुला के डेक्सविले में विला मालिकों द्वारा दायर एक रिट याचिका स्वीकार कर ली , जिसमें मूल रूप से सामुदायिक सुविधाओं के लिए आरक्षित भूमि पर एक व्यावसायिक भवन के निर्माण को चुनौती दी गई थी।याचिकाकर्ता एस. राजेंद्र रेड्डी और एस. स्वाति रेड्डी ने तर्क दिया कि जनवरी 2025 में एचएमडीए द्वारा स्वीकृत निर्माण ने लेआउट मानदंडों का उल्लंघन किया और निवासियों के अधिकारों को प्रभावित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भूमि साझा सुविधाओं के लिए थी और संशोधित वाणिज्यिक उपयोग मनमाना और अवैध था।अदालत ने दलीलें सुनीं कि भूमि उपयोग में बदलाव अपारदर्शी था और विला खरीदारों से किए गए वादों का उल्लंघन करता था। सरकारी वकील ने निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा।

कथित नौकरी घोटाले से जुड़े आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में जमानत मंजूर

एक आपराधिक मामले में, न्यायमूर्ति जे. श्रीनिवास राव ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार 31 वर्षीय निजी कर्मचारी विशाल तिवारी को सशर्त ज़मानत दी ।

निजामाबाद निवासी श्रीमती सुशीला देवी सोमानी (धर्मपत्नी ब्रिजगोपाल सोमानी) को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए समाज सेवी श्रीनिवास सोमानी, विजय कुमार राठी, रामप्रसाद राठी, सुरेश कुमार राठी, मनमोहन गिल्डा एवं अन्य।

पति द्वारा महिला के सामने खुद को नुकसान पहुंचाने के बाद महिला ने आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को मेडिपल्ली के बोडुप्पल में एक युवती ने उस समय कथित रूप से डरकर आत्महत्या कर ली, जब उसके पति ने उसके सामने ही आत्महत्या करने का प्रयास किया।अंबरपेट निवासी दंपत्ति की पहचान वी. संतोष (21) और दीपिका (19) के रूप में हुई है, जिनका एक साल का बेटा देवांश है।पुलिस के अनुसार, संतोष, जो बेरोजगार है और शराब का आदी है, अक्सर दीपिका से झगड़ा करता था और उसे परेशान करता था। हाल ही में, दोनों परिवारों के बुजुर्गों ने हस्तक्षेप किया और सलाह दी कि दीपिका कुछ महीनों के लिए अमृतसाई नगर, बोडुप्पल में अपने माता-पिता के घर पर रहे।हालांकि, संतोष का व्यवहार अब भी वैसा ही है। गुरुवार को वह नशे की हालत में अपने ससुराल गया और दीपिका से उसके साथ चलने पर जोर दिया।

विधायक राजा सिंह को धमकी भरे फोन आए, पुलिस सुरक्षा मांगी

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने मंगलहाट पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया है कि उन्हें अज्ञात व्यक्तियों से धमकी भरे फोन कॉल आ रहे हैं।

सिंह के अनुसार, बुधवार को शाम 4.11 बजे से 4.17 बजे के बीच उन्हें कम से कम नौ फोन कॉल आए, जिनमें अज्ञात कॉल करने वालों ने उन्हें विस्फोटकों से मारने की धमकी दी तथा उनके खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

विधायक ने पुलिस से मामले की गहन जांच करने और धमकी के मद्देनजर उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा मुहैया कराने का अनुरोध किया। उन्होंने दावा किया कि पहले की गई शिकायतों पर पुलिस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। मंगलहाट पुलिस जांच कर रही है।

ओयू में मुद्राशास्त्र प्रदर्शनी में भारतीय सिक्का इतिहास का प्रदर्शन

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सिक्का इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए उस्मानिया विश्वविद्यालय में एक सिक्का-विज्ञान संबंधी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व-सातवाहन काल से लेकर भारत गणराज्य तक के विभिन्न राजवंशों के 10,000 से अधिक सिक्के प्रदर्शित किए गए।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग ने वारंगल के मुद्राशास्त्री रागी वैकुंठ चारी को आमंत्रित किया था, जिनके पास प्राचीन पंच-मार्क सिक्के, मुगल और औपनिवेशिक युग के सिक्के और क्षेत्रीय सिक्कों सहित सिक्कों और मुद्रा का दुर्लभ संग्रह है। दो दिवसीय मुद्राशास्त्र प्रदर्शनी शुक्रवार को संपन्न हुई।

प्रदर्शनी का उद्देश्य प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व का अध्ययन कर रहे छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करना तथा उन्हें मुद्राशास्त्र में अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

प्रदर्शनी में वैकुंठ चारी ने दक्कन क्षेत्र के तांबे और सीसे के सिक्के, अस्माक जनपद के सिक्के, मौर्य साम्राज्य के सिक्के (चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व), दक्कन हैदराबाद क्षेत्र, दक्कन सातवाहन साम्राज्य के सिक्के और हैदराबाद निजाम के सिक्के और मुद्रा प्रदर्शित की।

सिक्कों और मुद्रा के अलावा, सदियों पहले राजाओं और रानियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली दुर्लभ प्राचीन वस्तुएं, हैदराबाद निजाम के काल में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पदक, 15 अगस्त 1947 को भारत के स्वतंत्रता दिवस पर मुद्रित एक मूल स्टेट्समैन (अंग्रेजी अखबार) और 17 सितंबर 1948 को हैदराबाद की मुक्ति की एक प्रति भी इस कार्यक्रम में प्रदर्शित की गई।

प्रदर्शनी में मछलियों और अन्य जानवरों सहित विभिन्न आकृतियों के ताले, एक मेक-अप बॉक्स, निज़ाम काल के दौरान इस्तेमाल किया जाने वाला एक पेन स्टैंड और यू.के. के राजाओं और रानियों द्वारा उपहार में दिए गए पदक भी मुख्य आकर्षण थे। हैदराबाद डेक्कन पर शासन करने वाले सभी सात निज़ामों की डाक टिकट के आकार की तस्वीरें एक छोटे से बॉक्स में रखी हुई थीं, जिसे मुद्राशास्त्री के संग्रह में सबसे दुर्लभ संग्रह माना जाता है।दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 2,000 से ज़्यादा छात्रों ने प्रदर्शनी देखी। प्रथम वर्ष की छात्रा के. विराजिता ने कहा, मैं सिक्कों के संग्रह से प्रभावित हुई और प्रदर्शनी से मुझे और अधिक शोध करने का प्रोत्साहन मिला है। एक अन्य छात्रा के. अखिला ने कहा, मुझे प्राचीन इतिहास और संस्कृति में रुचि है। यह प्रदर्शनी मुझे भारतीय इतिहास में और अधिक शोध करने में मदद करेगी।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग की प्रमुख प्रोफेसर लावण्या ने कहा कि मुद्राशास्त्र प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों को भारतीय सिक्का इतिहास के बारे में शिक्षित करना है और यह उनके शोध के लिए उपयोगी होगा।

तेलंगाना मेडिकल काउंसिल के छापों से तेलंगाना में बड़े पैमाने पर चल रही नीम हकीमी उजागर हुई

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मेडिकल काउंसिल (टीएमसी) द्वाराहाल ही में पता चला कि एक ऑप्टोमेट्रिस्ट ने पूरे अस्पताल का प्रबंधन किया और देवरकोंडा में आंखों की सर्जरी की , जिससे एक बार फिर नियमों के सख्त प्रवर्तन की आवश्यकता और रोगी सुरक्षा को लागू करने में शामिल चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है।

अप्रैल में भी इसी तरह की घटना हुई थी, जिसका पता मेडिकल काउंसिल ने फिर लगाया, जब एक मेडिकल तकनीशियन ने योग्य हृदय रोग विशेषज्ञ और एमबीबीएस डॉक्टर की अनुपस्थिति में कार्डियक सेंटर में 2डी ईसीएचओ परीक्षण किया । इस तरह की घटनाएं न केवल झोलाछाप और अयोग्य

चिकित्सकों की व्यापक प्रकृति को उजागर करती हैं, बल्कि भोले-भाले मरीजों को ऐसे व्यक्तियों से इलाज करवाने के जोखिम के प्रति भी उजागर करती हैं।घटनाक्रम से परिचित वरिष्ठ डॉक्टरों ने बताया कि जिलों में स्थानीय जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएम एंड एचओ) कार्यालय को इस तरह की अवैध प्रथाओं को नियंत्रित करने में सक्रिय और बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। डीएम एंड एचओ का कार्यालय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन और क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत निजी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के विनियमन के लिए व्यापक जनादेश रखता है। निजी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का पंजीकरण जिला स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा गहन निरीक्षण किए जाने के बाद ही जारी किया जाना चाहिए।अधिनियम स्पष्ट रूप से जिला पंजीकरण प्राधिकरण (जिसमें डीएम और एचओ शामिल हैं) को स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के पंजीकरण को अस्वीकार करने, निलंबित करने और रद्द करने का अधिकार देता है। वे निरीक्षण और जांच भी कर सकते हैं, निजी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं पर गैर-अनुपालन के लिए जुर्माना और दंड लगा सकते हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, यह अधिनियम में शक्ति की कमी के बारे में नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन और प्रवर्तन की कमी के कारण है। इसके कई कारण हैं। डीएम और एचओ के कार्यालय में व्यापक प्रावधान और जिम्मेदारियाँ हैं, जिसमें राज्य और केंद्र सरकार की स्वास्थ्य देखभाल पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना शामिल है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा, वास्तविक दुनिया में , जिला स्वास्थ्य अधिकारी सीमित संसाधनों और अधिनियम को लागू करने के अलावा बहुत सारी जिम्मेदारियों के कारण बिखरे हुए हैं।

चुनौतियाँ: व्यापक स्तर पर फैले नकली इलाज के कारण मरीजों का स्वास्थ्य खतरे में है।

अयोग्य व्यक्तियों द्वारा जटिल स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियों को अपनाने की बार-बार होने वाली घटनाएं। मेडिकल काउंसिल द्वारा की गई सक्रिय छापेमारी जिला स्वास्थ्य अधिकारियों की अप्रभावीता को उजागर करती है। जिला स्वास्थ्य विंग क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट अधिनियम की कार्यान्वयन एजेंसी है। संसाधनों की कमी के कारण जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,02,370/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,09,098/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,118.60
-573.38 -0.70% ↓
एनएसई :24,718.60
-169.60 (-0.68%) ↓

एससीसीएल ने प्रमुख खनिज अन्वेषण के लिए सीएसआईआर आईएमएमटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मंचेरियाल ,13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने प्रमुख खनिजों की खोज के लिए तकनीकी सहायता प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और इसके सहयोगी, खनिज एवं सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमएमटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है नीति आयोग के सदस्य और डीआरडीओ के पूर्व महानिदेशक पद्म भूषण वी.के सारस्वत की मौजूदगी में गुरुवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए इस अवसर पर एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन बलराम सीएसआईआर आईएमएमटी के निदेशक डॉ. रामानुज नारायण और दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे एससीसीएल द्वारा प्रमुख खनिज क्षेत्र में कदम रखने के साथ इस समझौता ज्ञापन को एक महत्वपूर्ण पहला कदम माना जा रहा है। समझौते के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए, बलराम ने कहा कि कंपनी ने केंद्र और राज्य सरकारों के निर्देशों का पालन करते हुए अपनी व्यापार विस्तार रणनीति के तहत प्रमुख खनिजों के क्षेत्र में कदम रखने का फैसला किया है संयुक्त भागीदारी के रूप में तैयार किए गए इस समझौते का उद्देश्य एससीसीएल की कोयला खदानों और आस-पास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को सुविधाजनक बनाना है यह पर्यावरणीय स्थिरता के साथ-साथ खनिज उत्पादन में उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग पर भी ध्यान केंद्रित करता है समझौते के अनुसार सीए-सआईआर और आईएमएमटी एससीसीएल को पूर्ण तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे, जिसमें उत्पादन प्रक्रिया के दौरान पर्यावरण अनुकूल तकनीकों का उपयोग शामिल है बलराम ने कहा कि एससीसीएल की कुछ खुली खदानों में दुर्लभ मृदा तत्वों (आरईई) का पहले ही पता लगाया जा चुका है और सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट द्वारा उत्पन्न फ्लाई ऐश में भी इसी तरह के तत्व पाए गए है भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने नमूने के माध्यम से पुष्टि की है कि मनुगुरु के पास दुर्गमगुट्टा ब्लॉक में 266.21 पीपीएम की औसत सांद्रता के साथ आरईई मौजूद है आईएमएमटी द्वारा किए गए प्रारंभिक विश्लेषण ने फ्लाई ऐश कोयला और शेल क्ले में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की उपस्थिति को भी मान्य किया है बलराम ने कहा कि आईएमएमटी के साथ समझौता ज्ञापन इन निष्कर्षों की निरंतरता है समझौते पर औपचारिक रूप से सीएसआईआर-आईएमएमटी के मुख्य वैज्ञानिक और हाइड्रो एवं इलेक्ट्रो मेटलर्जी विभाग के प्रमुख डॉ. काली संजय एससीसीएल के महाप्रबंधक (अन्वेषण) बी श्रीनिवास और महाप्रबंधक (बीडीएंडएसपी) वी रामदासु ने हस्ताक्षर किए।

वित्तीय बोझ उठाने में असमर्थ पंचायत सचिवों ने एमपीओ को सौंपी ट्रैक्टर की चाबियां

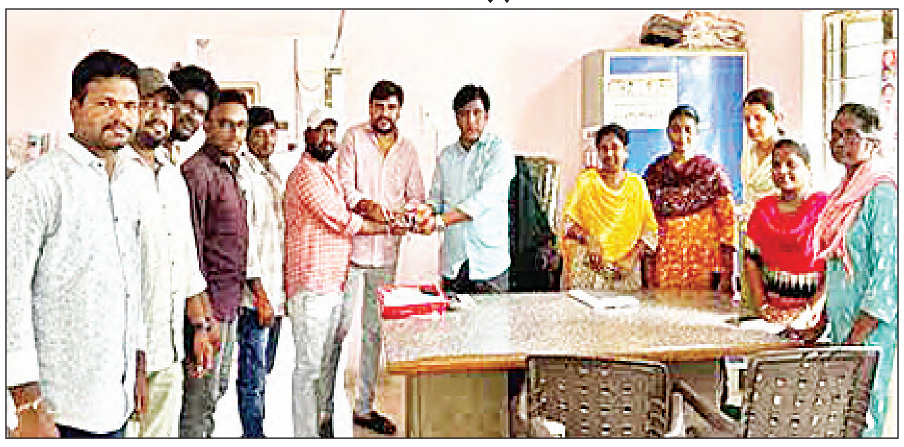

मंचेरियाल ,13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिले के चैनूर पंचायत सचिवों ने कहा हम अब इस वित्तीय बोझ को और नहीं उठा सकते हम लाखों रुपए का कर्ज लेकर पंचायत चला रहे हैं हम इसलिए परेशान हैं क्योंकि हम अपने साथ लाए गए पैसे पर ब्याज नहीं दे पा रहे हैं कोई भी सफाई ट्रैक्टर और अन्य खर्चों के लिए डीजल के लिए कर्ज नहीं दे रहा है जबकि सिद्दीपेट जयशंकर भूपलपल्ली, हनुमाकोंडा और भद्राद्री जिलों के कई पंचायत सचिवों ने पहले ही अधिकारियों को ट्रैक्टरों की चाबियाँ सौंप दी है हाल ही में मंचेरियाल जिले के चेन्नूर के पंचायत सचिवों ने भी एमपीडीओ को ट्रैक्टर की चाबियाँ सौंपी हैं तेलंगाना पंचायत सचिवों की संयुक्त कार्यकारिणी के आह्वान पर चेन्नूर मंडल के किश्स्तंपेटा ग्राम पंचायत सचिव चेन्ना मधुकर के नेतृत्व में सभी गांवों के पंचायत सचिव एकत्रित हुए और एमपीडीओ कार्यालय में एमपीओ अजमत को ट्रैक्टरों की चाबियां सौंपी उन्होंने एक ज्ञापन सौंपा जिसमें कहा गया कि वे गांवों में वित्तीय कार्य रोक रहे है उन्होंने अपनी मांगों पर ध्यान देने की मांग की।

मंचेरियाल में विश्वनाथ मंदिर के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के गोपुरम में दरारें !

मंचेरियाल ,13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिला मुख्यालय में विश्वनाथ मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के गोपुरम में दरारें आ गई है घटना से संबंधित तस्वीरें और वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गए दूसरी ओर नगर निगम के अधिकारी सड़क चौड़ीकरण के तहत मंदिर के सामने की दुकानों को हटा रहे हैं जवाब में हिंदू संगठनों के नेत-ाओं ने चिंता जताई कि मंदिर की मीनार में दरारें सड़क चौड़ीकरण के काम के तहत आई होंगी मंदिर की कार्यकारी अधिकारी मुक्ता रवि से जब इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया तो उन्होंने कहा कि मीनार में दरारों का सड़क चौड़ीकरण के काम से कोई लेना-देना नहीं है मंदिर की ईओ मुक्ता रवि ने बताया कि मई में बिजली गिरने से मीनार में दरारें आ गई थीं उन्होंने बताया कि इस मामले को स्थानीय विधायक प्रेमसागर राव और बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों के ध्यान में लाया गया है उन्होंने बताया कि मंदिर की मरम्मत के लिए सरकार को धन आवंटन के बारे में अवगत करा दिया गया है उन्होंने बताया कि फिलहाल अस्थायी मरम्मत का काम चल रहा है ।

केंद्र और राज्य पाम ऑयल की खेती को समर्थन देने में विफल : हरीश राव

मंचेरियाल ,13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । पूर्व मंत्री टी.हरीश राव ने राज्य में पाम ऑयल की खेती का समर्थन नहीं करने के लिए तेलंगाना की कांग्रेस सरकार और भाजपा नीत केंद्र सरकार दोनों की आलोचना की नारायणरावपेट मंडल के गोपालपुर गांव में पूर्व एमपीपी बालामल्लू के खेत में पाम ऑयल की फसल की पहली कटाई में भाग लेने के बाद किसानों को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि राज्य सरकार सत्ता में आने के बाद से पाम ऑयल की खेती को प्रोत्साहित करने में विफल रही है जबकि केंद्र किसानों का समर्थन करने के बजाय आयात करों को कम करके पाम ऑयल रिफाइनरियों का पक्ष ले रहा है उन्होंने कहा कि भारत हर साल करोड़ों रुपए का पाम ऑयल आयात करता है जो इस फसल की भारी मांग को दर्शाता है पूर्व मंत्री ने कहा कि अकेले गोपालपुर में किसान 150 एकड़ में पाम ऑयल की खेती कर रहे हैं किसानों से पाम ऑयल की खेती करने का आग्रह करते हुए राव ने उन्हें उपलब्ध सब्सिडी के बारे में जानकारी दी उन्होंने कहा कि यह फसल 30 साल तक उत्पादन देगी और पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक लाभ देगी बीआरएस नेता ने यह भी बताया कि पाम ऑयल की खेती को बंदरों, जंगली सूअरों और कीटों के हमलों से नुकसान पहुंचने की संभावना कम है जिससे यह किसानों के लिए अधिक सुरक्षित खेती का विकल्प बन गया है राव ने आगे कहा कि नरमेट्टा में स्थापित की जा रही 350 करोड़ रुपये की लागत वाली पाम ऑयल फैक्ट्री किसानों के लिए विपणन चुनौतियों को कम करेगी तथा एक सुचारू और परेशानी मुक्त प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी इससे पहले पूर्व मंत्री ने सिद्दीपेट कस्बे में पादरियों की बैठक में भाग लिया इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने कस्बे में ईसाई भवन वेद भवन और हज हाउस का निर्माण कराया है।

स्थानीय निकाय चुनावों से पहले सदस्यता अभियान के लिए बीआरएस ने कमर कसी

अमरावती, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अगले महीने अपना बहुप्रतीक्षित सदस्यता अभियान शुरू करने की तैयारी कर रही है, जिसकी तैयारी जून के अंत तक शुरू होने की संभावना है। पार्टी नेतृत्व सभी स्तरों पर इस अभियान की निगरानी के लिए नामांकन समितियां बनाने की प्रक्रिया में है। इस साल अप्रैल में वारंगल में सफल रजत जयंती और स्थापना दिवस जनसभा ने बीआरएस कार्यकर्ताओं में नई जान फूंक दी थी। पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के उत्साहपूर्ण भाषण ने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और अब कार्यकर्ता लंबे समय से लंबित स्थानीय निकाय चुनावों से पहले पार्टी की गतिविधियों को तेज करने के लिए उत्सुक हैं। ये चुनाव अगले दो महीनों में होने हैं। वैसे तो सदस्यता अभियान की शुरुआत जून में होनी थी, लेकिन कथित तौर पर इसमें कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण देरी हुई, जैसे कि जस्टिस पीसी घोष आयोग द्वारा चंद्रशेखर राव और वरिष्ठ नेता टी हरीश राव को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना की जांच के सिलसिले में नोटिस भेजा जाना। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की यू.के. और यू.एस.ए. की विदेश यात्रा के कारण भी इसमें देरी हुई।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि सदस्यता अभियान काफी समय से लंबित है और पार्टी नेतृत्व इसे जल्द से जल्द शुरू करने के लिए उत्सुक है क्योंकि अगले दो महीनों में स्थानीय निकाय चुनाव होने की उम्मीद है। अगर इसमें और देरी होती है तो सदस्यता अभियान स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद ही शुरू किया जाएगा।बीआरएस के पास वर्तमान में 60 लाख से अधिक सदस्य हैं, जो क्षेत्रीय पार्टियों में सबसे अधिक है, और यह अपने सदस्यों को जीवन बीमा प्रदान करने वाली पहली पार्टियों में से एक थी। सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद, पार्टी गाँव से लेकर राज्य स्तर तक अपनी समितियों और संबद्ध निकायों का पुनर्गठन करेगी, जिसके बाद अक्टूबर में पार्टी अध्यक्ष का चुनाव होगा।

इस प्रक्रिया में शामिल एक पार्टी महासचिव ने तेलंगाना टुडे को बताया, बीआरएस प्रमुख घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। समिति का गठन और समयसीमा एक पखवाड़े के भीतर तय हो सकती है।

वयस्क महिलाओं के लिए अम्मा साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया

तानूर ,13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । न्यू इंडिया साक्षरता कार्यक्रम केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम अंतर्गत नव भारत साक्षरता कार्यक्रम केंद्र प्रायोजित योजनाओं में से एक है। यह योजना वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक लागू की जाएगी। इस योजन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के उन निरक्षर बच्चों को बुनियादी साक्षरता और प्राथमिक शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, वित्तीय साक्षरता, सतत शिक्षा और व्यावसायिक कौशल प्रदान करना है, जिन्होंने स्कूली शिक्षा का अवसर खो दिया है। इस कार्य क्रम के मूल पांच उद्देश्य है 1. बुनियादी साक्षरता 2. महत्वपूर्ण जीवन कौशल 3. बुनियादी शिक्षा 4. सतत शिक्षा 5. व्यावसायिक कौशल साक्षरता का अर्थ है। पढ़ना, लिखना, अंकगणित और बुनियादी अंकगणित को समझकर पढ़ना। साक्षरता कार्यक्रम को उल्लास मोबाइल ऐप और सामाजिक जागरूकता केंद्रों (एससीके) के माध्यम से ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में कार्यान्वित किया जाएगा। शिक्षार्थियों और स्वयंसेवी शिक्षकों को उल्लास ऐप पर पंजीकृत होना चाहिए। यह ऐप निरक्षर लोगों को बुनियादी साक्षरता, बुनियादी शिक्षा, अंकगणित और प्रमुख जीवन कौशल सिखाने के लिए आवश्यक पाठ प्रदान करता है। यह ऐप आईओएस और एंड्रॉइड प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध है।निरक्षर और स्वयंसेवी शिक्षकों (वीटी) के लिए उल्लास ऐप और ऑनलाइन (वेबसाइट लिंक) के माध्यम से स्व-पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है शुक्रवार के दिन हांडे केलूरू (साल्बत पुर हनुमान मंदिर में) में अध्यक्ष सुनीता के तत्वावधान में अम्मा के लिए साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

नागार्जुन सागर विवाद बढ़ा

आंध्र प्रदेश ने दाएं नहर विनियामक पर नियंत्रण मांगा, तेलंगाना ने चिंता जताई

अमरावती, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नागार्जुन सागर बांध के परिचालन नियंत्रण को लेकर विवाद एक बार फिर बढ़ गया है, आंध्र प्रदेश ने नहर के दाएँ हेड रेगुलेटर को अपने नियंत्रण में लेने की मांग की है। इस कदम से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच चल रहे जल-बंटवारे के विवाद में तेज़ी आई है।

आंध्र प्रदेश ने कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को स्वतंत्र रूप से दाएँ नहर के गेटों का प्रबंधन करने के अपने इरादे से अवगत करा दिया है। इसने तेलंगाना की चिंताओं को और बढ़ा दिया है।आंध्र प्रदेश जल संसाधन विभाग ने आंध्र प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (एप-ीएसपीएफ) को भी पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि जून के अंत तक सीआरपीएफ के वापस चले जाने के बाद दाएँ नहर के हेड रेगुलेटर पर तैनाती की जाए।

ऐतिहासिक रूप से, नागार्जुन सागर बांध 2014 के विभाजन के बाद से विवाद का विषय रहा है, जिसमें नागार्जुन सागर का परिचालन नियंत्रण तेलंगाना को और श्रीशैलम का संचालन नियंत्रण आंध्र प्रदेश को दिए जाने के समझौते के तहत किया गया था।हालांकि, अक्टूबर 2023 में तनाव बढ़ गया, जिसके कारण बांध पर सीआरपीएफ की निगरानी शुरू हो गई। सीआ-ारपीएफ ने अप्रैल 2025 में परियोजना के तेलंगाना वाले हिस्से से अपनी टुकड़ियाँ वापस बुला लीं, लेकिन अब वह जून के अंत तक बांध के आंध्र प्रदेश वाले हिस्से से हटने की तैयारी कर रही है।आंध्र प्रदेश ने सीआ-ारपीएफ की जगह एपीएसपीएफ कर्मियों की तैनाती पर जोर दिया है, वहीं तेलंगाना ने गंभीर चिंता जताई है। तेलंगाना राज्य का तर्क है कि आंध्र प्रदेश पहले से ही कृष्णा नदी के अपने आवंटित हिस्से से ज़्यादा पानी खींच रहा है। इससे तेलंगाना के किसानों को उनके हक से वंचित होना पड़ रहा है।

आंध्र प्रदेश द्वारा नहर के दाहिने गेट पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए हाल ही में उठाए गए कदम से यह आशंका और बढ़ गई है कि तेलंगाना के जल अधिकार पर और समझौता हो सकता है। यह विवाद व्यापक जल-बंटवारे असंतुलन का हिस्सा है, जिसमें तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल का अपने हिस्से से कम पानी लगातार मिल रहा है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने ऊर्जा, साइबर लचीलेपन के लिए पहला विषयगत केंद्र स्थापित करने के लिए डब्ल्यूईएफ के साथ साझेदारी की

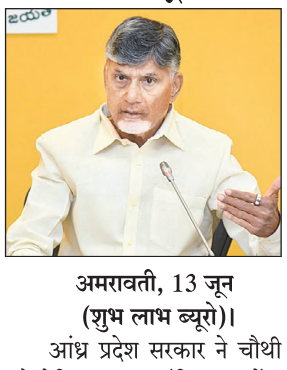

अमरावती, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश सरकार ने चौथी औद्योगिक क्रांति केंद्र (सी4आईआर) नेटवर्क के तहत अमरावती में ऊर्जा और साइबर लचीलेपन के लिए भारत का पहला विषयगत केंद्र स्थापित करने के लिए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के साथ साझेदारी की है।सरकारी आदेश (जीओ) में कहा गया है कि यह डब्ल्यूईएफ के सी4आईआर नेटवर्क के तहत भारत का पहला ऐसा सहयोग होगा, जो ऊर्जा और साइबर सुरक्षा नवाचार पर केंद्रित होगा। शुक्रवार को टीडीपी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, यह पहल हमारे स्वर्ण आंध्र (स्वर्णिम आंध्र) विजन 2047 को दर्शाती है और स्वच्छ ऊर्जा, एआई और साइबर सुरक्षा में आंध्र प्रदेश की वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करती है।

इसमें कहा गया है कि यह केंद्र डब्ल्यूईएफ के ऊर्जा, सामग्री और साइबर सुरक्षा केंद्रों के साथ सहयोग करेगा, जिसका उद्देश्य हरित उद्योग, एआई-आधारित शासन और पायलट टिकाऊ प्रौद्योगिकियों का विकास करना है।दावोस में हुई बैठकों ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और आईटी मंत्री नारा लोकेश के साथ इस सहयोग की नींव रखी, जिससे निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के मिशन को बल मिला।विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र का उद्देश्य ऊर्जा संक्रमण, स्मार्ट ग्रिड, एआई खेती और शासन में पायलट परियोजनाएं संचालित करना है, साथ ही युवाओं को उभरती साइबर सुरक्षा प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण देना भी है।केंद्र की गतिविधियों को समर्थन देने के लिए राज्य ने तीन साल के लिए 36 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जो शुरू में विजयवाड़ा या अमरावती से काम करेगा। लोकेश की अध्यक्षता वाली एक समिति संचालन को नियंत्रित करेगी, अंतरराष्ट्रीय मंचों के साथ तालमेल सुनिश्चित करेगी और दक्षिणी राज्य की वैश्विक तकनीकी साझेदारी को आगे बढ़ाएगी।

कोत्तागुडेम नगर निगम में नए नगरपालिका प्रभागों के खिलाफ आपत्तियां

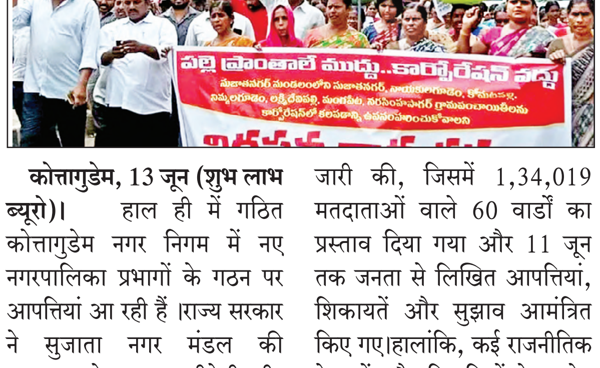

कोत्तागुडेम, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाल ही में गठित कोत्तागुडेम नगर निगम में नए नगरपालिका प्रभागों के गठन पर आपत्तियां आ रही हैं ।राज्य सरकार ने सुजाता नगर मंडल की नायुकुलगुडेम, लक्ष्मीदेवीपल्ली, कोमाटीपल्ली, निम्मलागुडेम, मंगापेट, नरसिम्हासागर और सुजाता नगर ग्राम पंचायतों के साथ-साथ कोठागुडेम और पलोंचा नगर पालिकाओं को विलय करके निगम के निर्माण की घोषणा की थी।पलोंचा नगर निगम आयुक्त के सुजाता को नए नगर निगम के आयुक्त के रूप में पूर्ण अतिरिक्त प्रभार दिया गया। अधिकारियों ने 5 जून को एक मसौदा अधिसूचना जारी की, जिसमें 1,34,019 मतदाताओं वाले 60 वार्डों का प्रस्ताव दिया गया और 11 जून तक जनता से लिखित आपत्तियां, शिकायतें और सुझाव आमंत्रित किए गए।हालांकि, कई राजनीतिक नेताओं और निवासियों ने आरोप लगाया है कि 24 मार्च को तेलंगाना नगर पालिका (संशोधन) विधेयक-2025 पारित होने के बावजूद, निगम के निर्माण की सुविधा के लिए, नए वार्डों के सीमांकन की प्रक्रिया में अनावश्यक रूप से देरी की गई और बाद में कई खामियों के साथ जल्दबाजी की गई। आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए केवल सात दिन का समय दिया गया।पलोंचा टाउन कांग्रेस अध्यक्ष एन रंगा राव और अन्य ने आयुक्त सुजाता को एक याचिका प्रस्तुत कर समय सीमा को 10 दिन और बढ़ाने की मांग की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। 11 जून को समय सीमा तक, 49 आपत्तियां और सुझाव प्राप्त हुए थे।अधिकांश आपत्तियों में कोठागुडेम और पलोंचा नगरपालिकाओं के साथ-साथ विलय की गई ग्राम पंचायतों में मौजूदा नगरपालिका वार्डों के अवैज्ञानिक और मनमाने विभाजन की ओर इशारा किया गया।कोठागुडेम नगर भाजपा अध्यक्ष एस विद्यासागर ने आरोप लगाया कि विभाजन प्रक्रिया अव्यवस्थित थी और उन्होंने अधिकारियों से जनता की चिंताओं का समाधान करने की मांग की।विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि नई वार्ड सीमाएं सत्तारूढ़ पार्टी और सीपीआई को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई हैं, जो कोठागुडेम विधानसभा क्षेत्र पर कब्जा रखती है।

रेवंत रेड्डी 16 को रायतुनेस्थम के तहत किसानों से बातचीत करेंगे

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 16 जून को राज्य सरकार के प्रमुख 'रायथुनेस्थम' कार्यक्रम के तहत राज्य भर के किसानों से बातचीत करेंगे, जिसका उद्देश्य किसानों और कृषि विशेषज्ञों के बीच संबंधों को मजबूत करना है।

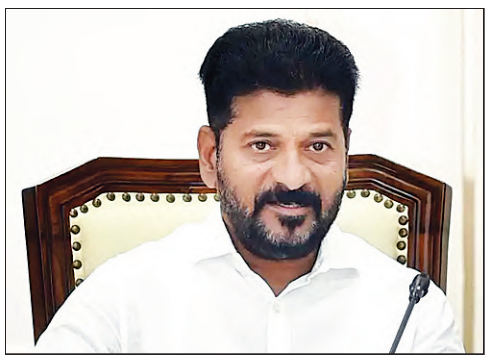

मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने शुक्रवार को जिला कलेक्टरों के साथ टेलीकांफ्रेंस करके कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। यह कार्यक्रम हैदराबाद के कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा और राज्य भर के सभी रायथुनेस्थम केंद्रों पर इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे कार्यक्रम को उचित तरीके से आयोजित करें, स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करें और प्रत्येक क्षेत्र से कम से कम 250 किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल किसानों के लिए एक विस्तारित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से कृषि विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी।

राव ने कहा, 500 केंद्रों के मौजूदा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नेटवर्क को अब 16 जून से 1,000 केंद्रों तक बढ़ा दिया गया है, जिससे किसानों और कृषि विशेषज्ञों के बीच वास्तविक समय पर बातचीत संभव हो सकेगी, जो फसल चयन और आधुनिक तकनीकों पर समय पर सलाह देंगे। कृषि सचिव रघुनंदन राव ने कलेक्टरों को हर रायथुनेस्थम केंद्र पर मंडल स्तर के अधिकारियों और कृषि विस्तार अधिकारियों को तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम उत्सव के माहौल में आयोजित किया जाना चाहिए। इससे पहले दिन में, मुख्य सचिव ने 14 जून को हैदराबाद के हिटेक्स में होने वाले तेलंगाना गद्दार फिल्म पुरस्कार समारोह के लिए सुरक्षा और रसद व्यवस्था की समीक्षा के लिए डीजीपी जितेंद्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अलग टेलीकांफ्रेंस भी की। विशेष आयुक्त, आई एंड पीआर, डॉ हरीश ने बताया कि पुरस्कार समारोह को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए सभी विभाग निकट समन्वय में काम कर रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि डीजीपी जितेंद्र ने आश्वासन दिया कि फिल्म-आधारित कार्यक्रम के लिए पर्याप्त बंदोबस्त और पार्किंग व्यवस्था की गई है।

कोंडा सुरेखा ने मंदिर भूमि अतिक्रमणकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई अधिनियम लागू करने की चेतावनी दी

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कड़ी चेतावनी दी है कि सरकार धर्मस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले मंदिरों की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ निवारक निरोध (पीडी) अधिनियम लागू करने में संकोच नहीं करेगी।गुरुवार, 12 जून को उन्होंने बोडुप्पल नगर निगम के चेंगिचेरला में सर्वेक्षण संख्या 33/8, 33/9 और 33/10 की भूमि का औचक निरीक्षण किया, जहां शिकायत की गई थी कि 2022 से कुछ भू-हड़पने वालों द्वारा 30.23 एकड़ मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है।स्थानीय नेता वज्रेश यादव द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, हमने जांच शुरू की। हाइड्रा अधिकारियों ने पहले ही सर्वेक्षण पूरा कर लिया है, और परिणाम पुष्टि करते हैं कि भूमि बंदोबस्ती विभाग की है। अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, कोंडा सुरेखा ने आश्वासन दिया।उन्होंने अधिकारियों को आगे अतिक्रमण रोकने तथा इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भूमि पर तुरंत बाड़ लगाने के निर्देश दिए हैं।व्यापक मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, तेलंगाना में

कुल 91,827 एकड़ बंदोबस्ती भूमि में से लगभग 6,000 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। यह अस्वीकार्य है, और हम कानूनी तरीकों से इन जमीनों को पुनः प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।एक अलग घटनाक्रम में, आगामी ' बालकमपेट येल्लम्मा कल्याणम ' से पहले, सुरेखा ने येल्लम्मा मंदिर का अचानक दौरा किया, जहां उन्होंने चल रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की और मंदिर के कर्मचारियों के साथ बातचीत की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भव्य आयोजन के लिए सभी तैयारियां सही दिशा में चल रही हैं।कोंडा सुरेखा ने मंदिर संपत्तियों की सुरक्षा और राज्य भर में धार्मिक संस्थानों की पवित्रता बनाए रखने के लिए सरकार के संकल्प की पुष्टि की।

तेलंगाना मंत्रिमंडल में फेरबदल : मंत्रियों को प्रभारी मंत्री बनाए जाने से कांग्रेस में चिंता बढ़ी

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार द्वारा तीन मंत्रियों को तीन पूर्ववर्ती जिलों के प्रभारी मंत्री के रूप में पदोन्नत करने के एक दिन बाद , पार्टी नेताओं ने चिंता व्यक्त की कि इस कदम से मंत्रिमंडल के भीतर मौजूदा मतभेद और गहरा सकते हैं।

खान एवं भूविज्ञान मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी को पूर्ववर्ती मेडक जिले का प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने से मंचेरियल विधायक प्रेम सागर राव खुश नहीं हैं, जो मंत्रिमंडल में जगह पाने के इच्छुक थे।प्रेम सागर राव को कथित तौर पर कई मंत्रियों का समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए जोरदार पैरवी की थी। हालांकि, राज्य नेतृत्व ने इस समूह की इच्छा के विरुद्ध जाकर चेन्नूर के विधायक विवेक वेंकटस्वामी को शामिल करने का फैसला किया।गांधी भवन के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, इसका दीर्घकालिक असर हो सकता है, खासकर पार्टी के एससी विंग के भीतर।

उद्योगपति होने के अलावा, खान मंत्री के एआईसीसी के साथ मजबूत संबंध हैं। ये कारक अंततः कुछ वरिष्ठ एससी नेत-ाओं के साथ टकराव पैदा कर सकते हैं।पशुपालन मंत्री टी. श्रीहरि को खम्मम का प्रभारी मंत्री बनाए जाने को जहां कुछ लोगों ने सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम बताया है, वहीं अन्य इसे असंतुष्ट पिछड़ा वर्ग नेताओं के प्रभाव को कम करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देख रहे हैं।स्मरणीय है कि विधानसभा और संसदीय चुनावों के दौरान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मुदिराज समुदाय के नेता और एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के करीबी सहयोगी श्रीहरि को कैबिनेट में जगह देने का वादा किया था।वन मंत्री कोंडा सुरेखा, जो कि बी.सी. समुदाय से हैं, पहले मेडक के प्रभारी मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं, यह पद अब विवेक वेंकटस्वामी के पास है।इसके अतिरिक्त, पार्टी नेता सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी जैसे वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी भूमिकाओं से बाहर रखे जाने से असहज हैं, क्योंकि उन्हें उच्च जाति समुदायों में असंतोष का डर है।बोधन विधायक सुदर्शन रेड्डी को कैबिनेट में जगह नहीं मिलने के बाद ये चिंताएं और बढ़ गई हैं। उनके समर्थकों ने मांग की है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले उन्हें कैबिनेट में शामिल किया जाए।

इसी तरह, मुनुगोड़े के विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी और इब्राहिमपटनम के विधायक मालरेड्डी रंगारेड्डी, दोनों को ही कैबिनेट में जगह मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें भी निराशा हाथ लगी है।

फॉर्मूला ई घोटाला : एसीबी ने केटीआर को 16 जून को तलब किया

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने फार्मूला ई घोटाला मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर को 16 जून को तलब किया है।

तेलंगाना के पूर्व आईटी मंत्री को सुबह 10 बजे एजेंसी के सामने पेश होने को कहा गया है। यह दूसरा समन है जो राजनेता को मिला है।मई में, एसीबी ने हैदराबाद में फॉर्मूला ई सीजन 10 के आयोजकों फॉर्मूला ई पर कैबिनेट की मंजूरी के बिना कथित तौर पर 54 करोड़ रुपये, जिसमें 8 करोड़ रुपये का टैक्स भी शामिल है, के सिलसिले में केटीआर को तलब किया था। आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार को एक ज्ञापन जारी किया गया था, जिसमें इस लेनदेन के लिए प्राधिकरण पर सवाल उठाए गए थे।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस आयोजन पर 55 करोड़ रुपये खर्च किए गए और ग्रीनको की सहायक कंपनी ऐस नेक्स्ट जेन के खिलाफ कार्रवाई न करने और आयोजन से हटने पर चिंता जताई। इसके कारण हैदराबाद में 2024 फॉर्मूला ई रेस रद्द कर दी गई, जो पहले फरवरी में होने वाली थी, आयोजकों ने अनुबंध के उल्लंघन का हवाला देते हुए।

फॉर्मूला-ई रेस को बरकरार रखने में विफलता पर केटीआर ने कांग्रेस सरकार की आलोचना की और निर्णय को खराब और प्रतिगामी कहा।

कांग्रेस शासन में पहली बार तेलंगाना में भूमि दरों में संशोधन की तैयारी

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मौजूदा कांग्रेस शासन में पहली बार तेलंगाना सरकार कृषि और गैर-कृषि भूमि के बाजार मूल्यों को संशोधित करने की तैयारी कर रही है, जिसका लक्ष्य 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त राजस्व अर्जित करना है। नए मूल्य जुलाई 2025 से लागू होने की उम्मीद है ।

यह 2021-22 के बाद से पहला भूमि मूल्य संशोधन होगा , जब पिछली बीआरएस सरकार ने कृषि भूमि की दरों में 150% तक और गैर-कृषि खुले भूखंडों के मूल्यों में 100% तक की वृद्धि की थी । तब से, जबकि जुलाई 2022 में स्टांप ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 7.5% कर दी गई थी, भूमि बाजार मूल्य अपरिवर्तित रहे।राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने प्रस्ताव प्राप्त किए और अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों के साथ उन पर चर्चा की। स्टाम्प और पंजीकरण विभाग के तहत बाजार मूल्य संशोधन समितियों द्वारा तैयार किए गए ये प्रस्ताव भूमि मूल्यों को वास्तविक बाजार मूल्यों के करीब लाने के लिए क्षेत्रवार बढ़ोतरी की सिफारिश करते हैं ।सरकार कृषि भूमि के आधार मूल्य को संशोधित करने की योजना बना रही है - जो वर्तमान में 75,000 प्रति एकड़ है - जिसका हवाला देते हुए कि तेलंगाना में अब इतनी कम कीमत वाली भूमि नहीं मिलती है। खुले भूखंडों के लिए , जिन्हें 2021 में 100 से 200 प्रति वर्ग गज तक संशोधित किया गया था, सभी श्रेणियों में 20-40% की वृद्धि प्रस्तावित है।मूल्य वृद्धि के साथ-साथ, राज्य अपने राजस्व को और बढ़ाने के लिए स्टाम्प शुल्क में मामूली वृद्धि पर भी विचार कर रहा है। संशोधित दरों और संभावित स्टाम्प शुल्क वृद्धि के संयुक्त प्रभाव से राज्य को 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए अपने 25,000 करोड़ के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलने की उम्मीद है , जबकि 2024-25 में 14,307 करोड़ की कमाई होगी।सीएम रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद और पूरे तेलंगाना में ज़मीन की कीमतें आसमान छू रही हैं, लेकिन पंजीकरण राजस्व में तेज़ी नहीं आई है। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने और वास्तविक बाज़ार की गतिशीलता के साथ तालमेल बिठाने के लिए वास्तविक बाज़ार कीमतों और सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यों के बीच के अंतर को कम करने का आह्वान किया है।

गद्दर पुरस्कार आमंत्रण पत्र में गद्दर की तस्वीर गायब, विपक्ष ने की आलोचना

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्रांतिकारी गायक बल्लादीर गद्दर के सम्मान में आयोजित पुरस्कार समारोह के निमंत्रण में उनकी तस्वीर न होने पर कांग्रेस सरकार आलोचनाओं का सामना कर रही है। तेलंगाना गद्दर फिल्म

पुरस्कार समारोह शनिवार को हिटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा ।तेलंगाना फिल्म विकास निगम (टीएफडीसी) ने मेहमानों को दिए गए निमंत्रण में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी , उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और सिनेमेटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ-साथ निगम के अध्यक्ष और फिल्म निर्माता राजू की तस्वीरें भी शामिल की थीं। इसमें राज्य सरकार, टीएफडीसी और यहां तक कि तेलंगाना राइजिंग 2047 के लोगो भी शामिल थे, लेकिन गद्दर की कोई तस्वीर नहीं मिल पाई।इसके अलावा, ग़दर की याद में दिए जाने वाले पुरस्कार से उनकी तस्वीर भी गायब कर दी गई। कई नेटिज़न्स ने सरकार की आलोचना की और इसे घोर लापरवाही बताया और इसे ग़दर का अपमान बताया। बीआरएस एमएलसी के कविता ने क्रांतिकारी गायक की तस्वीर को उनके नाम पर रखे गए फ़िल्म पुरस्कारों के निमंत्रण से हटाने के लिए कांग्रेस सरकार की निंदा की। इसे गंभीर अपमान बताते हुए उन्होंने सवाल किया कि एक सरकार जो अक्सर ग़दर का नाम लेती है, वह कार्यक्रम के आधिकारिक निमंत्रण में उन्हें कैसे शामिल नहीं कर पाई। उन्होंने मांग की कि ग़दर को उचित सम्मान दिया जाए और पुरस्कार वितरण समारोह में उनकी तस्वीर को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.